Website: www.winews.in | Email: winews.in@gmail.com | दिल्ली, नोएडा,हापुड़, फरीदाबाद, मोदीनगर, मेरठ, सहारनपुर, मुजफ्फरनगर, रूड़की, हरिद्वार, देहरादून, मुरादाबाद, बुलंदशहर, अलीगढ़ मथुरा, आगरा,राजस्थान, पंजाब, बहराइच,रामपुर, लखनऊ, काशीपुर, देवन्बद में प्रसारित

दैनिक
वेलकम इंडिया
गाजियाबाद से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

RNI NO. UPHIN/2018/76874

नये भारत की नई सोच

वर्ष: 07 अंक: 119 | सोमवार, 04 मई-2026 (गाजियाबाद) | पेज-8 | मूल्य-एक रुपया

सुरक्षा ही बनी 9 लोगों का काल

ग्रिल और बंद ताले ने बनाया इमारत को मौत का चैंबर

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

नई दिल्ली। दिल्ली के विवेक विहार इलाके में रविवार तड़के हुए अग्निकांड ने सुरक्षा इंतजामों की पोल खोलकर रख दी है। इमारत में सुरक्षा के लिए लगाई गई लोहे की ग्रिल और छत पर लगा ताला मासूम जिंदगियों के लिए काल बन गया। इस दर्दनाक हादसे में दो परिवारों के नौ लोगों की मौत हो गई, जिनमें एक छोटा बच्चा भी शामिल है।

सो रहे थे लोग, तभी हुआ धमाका

हादसा सुबह करीब 3:30 बजे हुआ, जब सभी गहरी नींद में थे। चश्मदीदों के अनुसार, एक एसी के फटने से जोरदार धमाका हुआ और

आग तेजी से पूरी बिल्डिंग में फैल गई। पास की इमारतों के बीच जगह न होने के कारण आग दूसरी बिल्डिंग तक भी पहुंच गई। मदद के लिए चीख-पुकार मच गई और डर के मारे दो बच्चों ने तो सामने की ओर से कूदने तक की कोशिश की।

दो परिवारों ने खोए अपने सदस्य

दमकल विभाग को एक शव पहली मंजिल से, पांच शव दूसरी मंजिल से और तीन शव सीढ़ियों के पास से मिले। मृतकों में अरविंद जैन (60), उनकी पत्नी, बेटा, बहू और पोता शामिल हैं।

वहीं, एक अन्य परिवार के नितिन जैन (50), उनकी पत्नी और बेटे की भी इस हादसे में जान चली गई। पहली मंजिल पर रहने वाली शिखा जैन की भी मौत हो गई, जबकि उनके पति घायल हैं।

मौत का जाल बनी इमारत की बनावट

बचाव कार्य में जुटी टीमों के मुताबिक, इमारत का डिजाइन ही लोगों की मौत का सबसे बड़ा कारण बना। बेसमेंट के साथ बनी इस चार मंजिला इमारत में बाहर निकलने के लिए सिर्फ एक ही सीढ़ी थी और कोई 'इमरजेंसी एग्जिट' नहीं था। जैसे ही आग फैली, पिछले हिस्से में रहने वाले लोग लोहे की ग्रिल की वजह से बाहर नहीं कूद सके। वहीं, जो लोग जान बचाने के लिए भागकर छत पर पहुंचे, उन्हें वहां ताला लटका मिला।

सुरक्षा मानकों की अनदेखी

पुलिस और आपदा प्रबंधन की टीमें मामले की जांच कर रही हैं। यह साफ हो गया है कि गर्मी और धुएं के कारण ज्यादातर लोगों की मौत दम घुटने से हुई। इमारत में धुआं निकलने की कोई जगह नहीं थी और सुरक्षा के लिए बंद किए गए रास्तों ने लोगों को भागने का मौका ही नहीं दिया।

मैं भी हूं बृज भूषण की शिकार, कुश्ती में कमबैक के ऐलान के साथ विनेश फोगाट का बड़ा खुलासा

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

नई दिल्ली। ओलंपियन पहलवान और जुलाना से कांग्रेस विधायक विनेश फोगाट ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो जारी कर खेल जगत और राजनीति में हलचल मचा दी है। विनेश ने पहली बार सार्वजनिक रूप से स्वीकार किया कि भारतीय कुश्ती संघ के पूर्व अध्यक्ष बृज भूषण शरण सिंह के खिलाफ शिकायत करने वाली 6 महिला पहलवानों में वह खुद भी एक 'विक्टिम' हैं।

मैं भी बृज भूषण की एक विक्टिम हूं

विनेश फोगाट ने अपने संदेश में बेहद भावुक और साहसिक खुलासा करते हुए कहा कि करीब तीन साल पहले महिला खिलाड़ियों के शारीरिक शोषण के खिलाफ जो आवाज उठाई गई थी, वह उसमें शामिल रही हैं। विनेश ने कहा, 'सुप्रीम कोर्ट की

गाइडलाइन है कि पीड़ित की पहचान सार्वजनिक न की जाए, लेकिन आज कुछ मजबूरियों के चलते मैं अपना नाम सार्वजनिक कर रही हूं। मैं बताना चाहती हूं कि जिन 6 महिला खिलाड़ियों ने शिकायत और गवाही दी थी, उनमें से एक विक्टिम मैं भी हूं।' फिलहाल यह मामला कोर्ट में है और गवाहियों की प्रक्रिया चल रही है।

कुश्ती संघ की मंशा पर उठाए सवाल

विनेश ने कुश्ती संघ द्वारा उत्तर प्रदेश में आयोजित की जा रही रैंकिंग प्रतियोगिता पर भी गंभीर आपत्ति जताई। उन्होंने कहा कि यह प्रतियोगिता बृज भूषण शरण सिंह के निजी शिक्षण संस्थान में कराई जा रही है। विनेश का आरोप है कि ऐसे स्थान पर खिलाड़ियों को निष्पक्ष न्याय मिलना नामुमकिन है। उन्होंने आशंका जताई कि वहां मैच के निर्णायकों और अंकों को प्रभावित कर किसी भी खिलाड़ी को जानबूझकर जिताया या हराया जा सकता है।

अखाड़े में वापसी का ऐलान

विनेश ने बताया कि वह पिछले डेढ़ साल से कुश्ती से दूर थीं, लेकिन कुछ महीने पहले उन्होंने दोबारा अभ्यास शुरू कर दिया है। उन्होंने अपनी निष्ठा और कठिन परिश्रम का जिक्र करते हुए कहा कि उनका एकमात्र लक्ष्य फिर से देश के लिए पदक जीतना और तिरंगे की शान बढ़ाना है।

सिद्धार्थनगर में टंकी पर फंसे बच्चों के लिए देवदूत बनी भारतीय वायुसेना, हेलीकॉप्टर से किया रेस्क्यू

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

सिद्धार्थनगर। उत्तर प्रदेश के सिद्धार्थनगर में पानी की टंकी पर फंसे दो बच्चों को भारतीय वायु सेना ने सुरक्षित बचा लिया है। यह रेस्क्यू ऑपरेशन रविवार सुबह किया गया, जिसमें वायु सेना के हेलीकॉप्टर की मदद ली गई।

कैसे फंसे थे बच्चे?

ये दोनों बच्चे रात में ही पानी की टंकी के ऊपर फंस गए थे। दरअसल, टंकी पर चढ़ने और उतरने वाली सीढ़ी टूट गई थी, जिसके कारण वे ऊपर ही फंस गए और नीचे नहीं आ सके।

ऐसे हुआ रेस्क्यू

वायु सेना ने एक्स (पहले ट्विटर) पर इस बचाव अभियान का वीडियो भी शेयर किया है। वायु सेना ने बताया कि राज्य सरकार के अनुरोध पर सेंट्रल एयर कमांड के एमआई-17 वी5 हेलीकॉप्टर को तैनात किया गया।

सुबह करीब 5:30 बजे दोनों बच्चों को सुरक्षित निकाल लिया गया और हेलीकॉप्टर सीधे गोरखपुर में उतरा।

अधिकारियों ने क्या कहा?

सिद्धार्थनगर के जिलाधिकारी शिवशरणप्पा ने बताया कि जिला प्रशासन लगातार वायु सेना के अधिकारियों के संपर्क में था।

उन्होंने मुख्यमंत्री कार्यालय का धन्यवाद करते हुए कहा कि उनके तालमेल से ही यह बचाव अभियान संभव हो सका और दोनों बच्चे अब सुरक्षित हैं।

माओवादी ठिकाना रिकवर करने गए थे जवान, कांकेर में आईईडी ब्लास्ट ने ली 4 वीरों की जान

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

छत्तीसगढ़। छत्तीसगढ़ पुलिस ने शनिवार को बताया कि बस्तर मंडल में माओवादियों के ठिकानों की बरामदगी के लिए चलाए जा रहे एक नियमित अभियान के दौरान एक आकस्मिक इम्प्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस (आईईडी) विस्फोट में चार सुरक्षाकर्मी शहीद हो गए। बस्तर रेंज के महानिरीक्षक सुंदरराज पी ने बताया कि यह घटना नारायणपुर और कांकेर जिलों की सीमा पर स्थित अदनार के वन क्षेत्र में घटी।

उन्होंने एएनआई को बताया, बस्तर मंडल में वर्ष 2025 और 2026 में, बड़ी संख्या में माओवादी कार्यकर्ताओं ने हिंसा का मार्ग त्याग दिया है और पुनर्वास के लिए आगे आए हैं।

उनके द्वारा दी गई जानकारी और पुलिस को उपलब्ध जानकारी के आधार पर, सुरक्षा बल लगातार माओवादियों के ठिकानों से आईईडी, हथियार, गोला-बारूद, गोले और अन्य सामग्री बरामद कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि 2 मई को, कांकेर डीआरजी

की एक टीम माओवादियों के ठिकाने की बरामदगी के लिए गई थी, तभी यह घटना घटी।

इस संबंध में आज हमारी टीम नारायणपुर और कांकेर जिलों की सीमा से लगे वन क्षेत्र में माओवादियों द्वारा छिपाए गए एक गुप्त ठिकाने को बरामद करने गई थी।

आज के अभियान के दौरान, माओवादियों द्वारा पहले छिपाए गए भारी मात्रा में इलेक्ट्रॉनिक उपकरण बरामद किए गए। एक अन्य ठिकाने को बरामद करते समय विस्फोट हो गया।

सुंदरराज ने बताया, 'एक आईईडी में विस्फोट हुआ। उन्होंने पुष्टि की कि विस्फोट में चार कर्मियों की जान चली गई।

इस दुर्घटना में कांकेर डीआरजी टीम के प्रभारी इंस्पेक्टर सुखराम भट्टी और तीन अन्य कांस्टेबल - परमानंद कोर्रम, कृष्ण कुमार और संजय गढ़पाले - गंभीर रूप से घायल हो गए। इंस्पेक्टर सुखराम भट्टी, संजय और कृष्ण कुमार की मौके पर ही मौत हो गई।

चौथे कांस्टेबल, परमानंद को एयरलिफ्ट करके रायपुर ले जाया गया, लेकिन दुर्भाग्य से इलाज के दौरान उनकी भी मृत्यु हो गई।'

उन्होंने कहा, 'आज की घटना में दुर्भाग्यवश हमने अपने चार साथियों को खो दिया है। सुंदरराज पी ने आगे बताया कि माओवादी विरोधी प्रयासों के तहत बस्तर में पिछले कई महीनों से गुप्त विस्फोट उपकरणों (आईईडी) और विस्फोटकों को बरामद करने का अभियान चल रहा है।

उन्होंने कहा कि यह प्रक्रिया पिछले सात-आठ महीनों से बस्तर डिवीजन में जारी है। इन प्रयासों के चलते हमने 2025 में 900 आईईडी और 2026 में अब तक 300 आईईडी बरामद किए हैं, कुल मिलाकर 1,200 आईईडी। इसके अलावा, एके-47, एलएमजी, इंसास राइफल, एसएलआर और बीजीएल लॉन्चर सहित 300 से अधिक हथियार बरामद किए गए हैं।

चेन्नई एयरपोर्ट पर चलते विमान से कूदा यात्री, एक घंटे बंद रहा रनवे

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

चेन्नई। आज सुबह शारजाह से चेन्नई जाने वाली एयर अरेबिया की एक फ्लाइट में सवार यात्रियों को उस समय जबरदस्त झटका लगा, जब चेन्नई इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर लैंडिंग के बाद एक पुरुष यात्री ने इमरजेंसी एग्जिट का दरवाजा खोला और बाहर कूद गया।

एयरपोर्ट अधिकारियों के मुताबिक, यह घटना लैंडिंग के तुरंत बाद हुई जब एयरक्राफ्ट मेन रनवे से निकल चुका था और पूरी तरह रुकने से पहले टैक्सीवे पर धीरे-धीरे चल रहा था। अचानक हुई इस घटना से यात्रियों में घबराहट फैल गई और तुरंत सिक्योरिटी टीम ने कार्रवाई की।

चेन्नई अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के एक वरिष्ठ अधिकारी ने इस घटना की पुष्टि करते हुए कहा, 'हां, जब वह बाहर कूदा तब भी विमान धीरे-धीरे आगे बढ़ रहा था। इसमें किसी की जान का नुकसान नहीं हुआ और न ही विमान को कोई क्षति पहुंची।' अधिकारी ने यह भी स्पष्ट किया कि यह घटना मेन रनवे पर नहीं हुई थी।

हवाई अड्डा अधिकारियों से मिली शुरूआती जानकारी से पता चलता है कि यात्रा के दौरान यात्री की तबीयत खराब हो सकती है। एक अधिकारी ने बताया, 'उसे उल्टी जैसा महसूस हो रहा था और माना जा रहा है कि उसने विमान में दो बार उल्टी भी की।' अधिकारी ने यह भी संकेत दिया कि हो सकता है कि इस शारीरिक स्थिति वजह से ही यात्री ने यह कदम उठाया।

घटना के तुरंत बाद पायलट ने ग्राउंड सिक्योरिटी को अलर्ट कर दिया। केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (CISF) के जवानों ने तुरंत कार्रवाई करते हुए उस व्यक्ति को हिरासत में ले लिया, जिसे आगे की जांच के लिए पुलिस के हवाले कर दिया गया है।

सुप्रीम कोर्ट से राहत के बाद पवन खेड़ा का दिल्ली में भव्य स्वागत, बोले- संविधान जीता, दमनकारी मशीनरी हारी

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट से अग्रिम जमानत मिलने के बाद कांग्रेस नेता पवन खेड़ा का दिल्ली में भव्य स्वागत किया गया। इस दौरान उन्होंने संविधान और न्यायपालिका के प्रति अपना अटूट विश्वास दोहराया। यह पूरा मामला असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा की पत्नी से जुड़े कथित मानहानि और जालसाजी के आरोपों से संबंधित है, जिसमें कोर्ट ने खेड़ा को बड़ी राहत दी है।

दिल्ली में पवन खेड़ा का जोरदार स्वागत

अग्रिम जमानत मिलने के बाद जब पवन खेड़ा दिल्ली एयरपोर्ट पहुंचे, तो वहां बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने उनका स्वागत किया। जयराम रमेश समेत कई वरिष्ठ नेताओं ने इस फैसले को 'संविधान की जीत' बताया। खेड़ा ने मीडिया से बात करते हुए कहा कि जब भी सरकार अपनी मशीनरी का गलत इस्तेमाल कर किसी नागरिक के अधिकारों को दबाने की कोशिश करती है, तब बाबा साहब का बनाया संविधान ही रक्षा कवच बनकर सामने

आता है। जस्टिस जे.के. माहेश्वरी और जस्टिस अतुल एस. चंदुरकर की बेंच ने सुनवाई के दौरान अहम टिप्पणी की। कोर्ट ने कहा कि पहली नजर में यह मामला 'राजनीति से प्रेरित' और राजनीतिक प्रतिद्वंद्विता से प्रभावित लगता है।

अदालत ने माना कि इस मामले में हिरासत में लेकर पूछताछ करने की कोई जरूरत नहीं है। सुप्रीम कोर्ट ने गुवाहाटी हाई कोर्ट के उस फैसले को भी त्रुटिपूर्ण बताया, जिसमें खेड़ा की जमानत याचिका खारिज कर दी गई थी।

किन शर्तों पर मिली जमानत?

सुप्रीम कोर्ट ने पवन खेड़ा को जांच में पूरा सहयोग करने के निर्देश दिए हैं। जमानत की मुख्य शर्तों में, पुलिस जब भी बुलाएगी, उन्हें जांच के लिए पेश होना होगा। वे गवाहों को प्रभावित करने या सबूतों के साथ छेड़छाड़ करने की कोशिश नहीं करेंगे और बिना अदालत की अनुमति के वे देश छोड़कर बाहर नहीं जा सकेंगे, शामिल हैं।

यह मामला पवन खेड़ा द्वारा एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान असम के मुख्यमंत्री की पत्नी रिनिकी भुइयां शर्मा पर लगाए गए आरोपों से जुड़ा है। उन पर आरोप है कि उन्होंने फर्जी दस्तावेजों का इस्तेमाल कर मानहानि और जालसाजी की।

पंजाब सरकार के खिलाफ राष्ट्रपति मुर्मू से मिलेंगे राघव चड्ढा

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी के राज्यसभा सांसद राघव चड्ढा ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से मुलाकात का समय मांगा है। सूत्रों के अनुसार, वे पंजाब में सरकारी मशीनरी के कथित दुरुपयोग और राजनीतिक बदले की भावना से की जा रही कार्रवाई की शिकायत करना चाहते हैं। राष्ट्रपति कार्यालय ने उन्हें 5 मई की सुबह 10:40 बजे मिलने का समय दे दिया है।

राघव चड्ढा का आरोप है कि पंजाब के सरकारी तंत्र का इस्तेमाल उन सांसदों और नेताओं को निशाना बनाने के लिए किया जा रहा है, जो हाल ही में 'आप' छोड़कर भाजपा में शामिल हुए हैं। इस मुलाकात के दौरान उनके साथ तीन अन्य सांसद भी मौजूद रहेंगे। यह कदम ऐसे समय में उठाया गया है जब राघव चड्ढा और पार्टी आलाकमान के बीच दूरियों की खबरें लगातार चर्चा में हैं।

राघव चड्ढा कभी अरविंद केजरीवाल के सबसे भरोसेमंद साथियों में गिने जाते थे, लेकिन हाल के दिनों में समीकरण बदलते दिखे हैं। बताया जा रहा है कि जब

केजरीवाल जेल में थे, तब राघव चड्ढा का लंदन में होना और वहां की तस्वीरें सोशल मीडिया पर साझा करना पार्टी नेतृत्व को रास नहीं आया। उन्हें लोकसभा चुनाव के दौरान भी पंजाब की मुख्य रणनीति से दूर रखा गया, जिससे पार्टी के अंदरूनी मतभेद खुलकर सामने आने लगे।

पार्टी में अपनी भूमिका को लेकर चल रही चर्चाओं के बीच राघव चड्ढा ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो साझा कर इशारों-इशारों में बड़ा संदेश दिया है। उन्होंने कहा, 'मेरी खामोशी को मेरी हार मत समझ लेना, मैं वो दरिया हूं जो वक्त आने पर सैलाब बनता है।' उनके इस बयान को पार्टी नेतृत्व के लिए एक संकेत के रूप में देखा जा रहा है।

'10 जन्म भी कम पड़ेंगे' अभिषेक बनर्जी का बीजेपी पर हमला: फलता उपचुनाव को लेकर दी खुली चुनौती

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

पश्चिम बंगाल। पश्चिम बंगाल की राजनीति एक बार फिर गरमा गई है। टीएमसी के राष्ट्रीय महासचिव अभिषेक बनर्जी ने फलता विधानसभा सीट पर हुए मतदान विवाद को लेकर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने भाजपा नेता अमित मालवीय के बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि जिस बंगला विरोधी गुजराती गैंग की बात की जा रही है, वह उनके डाइमंड हार्बर मॉडल को नुकसान नहीं पहुंचा सकती।

'10 जन्म भी कम पड़ेंगेङ्घ' खुली चुनौती

अभिषेक बनर्जी ने बेहद तीखे शब्दों में कहा कि उनके राजनीतिक मॉडल को कमजोर करने के लिए 10 जन्म भी कम पड़ जाएंगे। उन्होंने चुनौती देते हुए कहा कि अगर हिम्मत है तो विपक्ष फलता से चुनाव लड़कर दिखाए। उन्होंने आगे कहा कि दिल्ली से लेकर राज्य तक कोई भी नेता मैदान में आए, टीएमसी तैयार है मुकाबले के लिए। इस पूरे विवाद की शुरूआत भाजपा नेता अमित मालवीय के उस बयान से हुई, जिसमें उन्होंने कहा था

कि डाइमंड हार्बर मॉडल ढह रहा है। इसके बाद चुनाव आयोग ने फाल्ता विधानसभा क्षेत्र के सभी 285 बूथों पर दोबारा मतदान का आदेश दिया।

21 मई को फिर से वोटिंग, 24 मई को मतगणना

दक्षिण 24 परगना जिले की 144-फलता विधानसभा क्षेत्र के सभी 285 मतदान केंद्रों (सहायक मतदान केंद्रों समेत) पर 21 मई 2026 को सुबह 7 बजे से शाम 6 बजे के बीच नए सिरे से मतदान कराया जाएगा और मतों की गिनती 24 मई 2026 को होगी। आयोग ने यह निर्देश 29 अप्रैल 2026 को हुए मतदान के बाद जारी किए हैं। उस दिन बड़ी संख्या में मतदान केंद्रों पर गंभीर चुनावी अपराध हुए थे। लोकतांत्रिक प्रक्रिया का भी उल्लंघन किया गया था। आयोग ने इन घटनाओं को गंभीरता से लिया है। निष्पक्ष और स्वतंत्र चुनाव सुनिश्चित करने के लिए यह कदम उठाया गया है।

4 मई को सिर्फ 293 विधानसभा सीटों पर होगी मतगणना

आयोग के इस फैसले के बाद 4 मई को राज्य की 294 में से केवल 293 विधानसभा सीटों की मतगणना होगी। पहली बार ऐसा होगा जब एक विधानसभा सीट को अलग रखकर बाकी राज्य के चुनाव परिणाम घोषित किए जाएंगे। राजनीतिक हलकों में इसे बेहद असाधारण और 'नजीरविहीन' कदम माना जा रहा है।

शुक्रवार को भी इन जगहों पर हुआ पुनर्मतदान

इससे पहले, एक मई को चुनाव आयोग ने घोषणा की थी कि दो मई यानी शनिवार को राज्य के दक्षिण 24 परगना जिले के डायमंड हार्बर और मगराहाट पश्चिम विधानसभा की 15 मतदान केंद्रों पर पुनर्मतदान होगा। इस कड़ी में इन 15 बूथों पर आज मतदान हुए, जिसमें शाम पांच बजे तक करीब 90.61 फीसदी मतदान दर्ज किया गया।

संपादक की कलम से

स्वावलंबन एवं स्व-रोजगार बेहतर विकल्प'

ललित शर्मा
संपादक

युवा की क्षमता, शक्ति एवं ऊर्जा को पहचानना आज के नव युवकों के लिए अत्यंत आवश्यक है। स्वयं के विकास से तात्पर्य खुद के लिए अपनी क्षमता एवं योग्यता के अनुसार रोजगार की तलाश राष्ट्रीय हित में महत्वपूर्ण योगदान भी हो सकता है। भारत की विशाल आबादी के हिसाब से भारत नौजवानों का देश है और भारत सरकार के लिए इतने युवा लोगों के लिए नौकरी उपलब्ध कराना संभव भी नहीं है कि सभी युवकों के लिए समुचित नौकरी का प्रबंध या इंतजाम कर सके। ऐसे में पढ़े-लिखे नौजवानों का यह महती दायित्व बन जाता है कि वह स्वयं की क्षमता को पहचान कर मेक इन इंडिया या स्वावलंबी होने का भरसक प्रयास करें। स्वयं की क्षमता को पहचानने वाला व्यक्ति समाज में एक आदर्श बनकर उभरता है और उसकी प्रसिद्धि समाज में स्वयं हो जाती है। युवक स्वयं का रोजगार बनाकर न सिर्फ खुद की बेरोजगारी दूर करता है, बल्कि वह दूसरों के लिए भी रोजगार का साधन बन जाता है। यह राष्ट्रीय हित में अत्यंत आवश्यक समीचीन तथा राष्ट्रीय विकास के लिए एक अच्छे सूचक के रूप में सामने आता है। स्वयं अपनी क्षमताओं को पहचानना एवं अपने अंदर के उद्यमी को रोजगार के लिए उपयोग में लाना मनुष्य का एक तरह का अलंकार या आभूषण ही है जो मनुष्य के लिए सुखी होने का बड़ा स्रोत है। वैसे भी नौकरी करके युवा एक तरह से परतंत्र, पराधीन हो जाता है और अपनी क्षमताओं का खुलकर प्रयोग नहीं कर पाता यही कारण है कि राष्ट्र के समग्र विकास में उसकी क्षमताओं का सही उपयोग नहीं हो पा रहा है।राष्ट्रीय योजना मेक इन इंडिया के अंतर्गत आह्वान किया गया है कि नौजवानों को अपनी शिक्षा,तकनीकी शिक्षा एवं स्किल का उपयोग कर भारत देश के लिए हर तरह के आवश्यक वस्तुओं का स्वयं निर्माण करें एवं दूसरे नौजवानों के लिए आदर्श स्थापित करें जिससे संपूर्ण देश स्वावलंबी बने। स्वयं की क्षमताओं को पहचानने वाला व्यक्ति स्वतंत्र ,स्वाभिमानी होकर स्वयं पर पूर्ण विश्वास करने वाला आत्मविश्वासी व्यक्ति होता है। ऐसे में भविष्य में राहों में जितनी भी मुश्किल है या कठिनाई आती है उसका वह अपने ज्ञान और आत्मविश्वास के साथ मुकाबला करने से नहीं चूकता है। अपनी क्षमताओं को पहचानने के कारण व्यक्ति अत्यंत सरल, सहज एवं आत्मविश्वासी होकर दूसरों की मदद करने से भी पीछे नहीं हटता। स्वयं का रोजगार तलाशने या अपने लिए कोई उद्यम बनाने में युवाओं में जो ज्ञान प्राप्त होता है फल स्वरूप वह युवा अत्यंत त्यागी तथा समाज के लिए सेवा भाव भी रखने वाला होता है। स्वावलंबन से दूसरों पर निर्भर होने की आवश्यकता प्रतीत नहीं होती एवं अपने ही ज्ञान तथा क्षमता से वह उन्नति के सोपान चढ़ते जाता है, एवं राष्ट्र के लिए एक धरोहर की तरह होता है। खुद की क्षमता पहचान कर अपना उद्यम डालने से न सिर्फ समाज में विकास होता बल्कि देश में भी विकास के योगदान में एक बड़ा मील का पत्थर साबित होता है। ऐतिहासिक तौर पर भी खुद की क्षमता पहचानने एवं अपनी उर्जा को सही दिशा में लगाने के कारण बड़े-बड़े महापुरुषों का जन्म हुआ है। जितने भी बड़े महापुरुष हुए हैं, वे पैदाइशी महापुरुष नहीं थे उन्होंने अपनी क्षमता, शक्ति एवं ज्ञान को पहचान कर उसमें समुचित एवं निरंतर परिश्रम कर एक नए मुकाम को हासिल किया था और तब ही वे महापुरुषों की श्रेणी में शामिल हुए हैं। पौराणिक तौर पर प्रभु श्री राम ने वन गमन कर रावण का वध किया और एक धार्मिक इतिहास बनाया। अपनी क्षमताओं को पहचान कर उसे सही दिशा देने का सबसे बड़ा उदाहरण एकलव्य है जिसने जंगल में धनुर्विद्या लगातार अभ्यास करके अर्जुन की तरह बहुत बड़े धनुर्विद्या के शूरवीर बने।

गुम हो गई जग से ईमान

उदय किशोर साह

कविता

बेईमानों की इस बस्ती से गुम हो गई अब ईमान
भूल गया इस कलियुग में मानव अपनी खुद की पहचान
कैसे कैसे मूरत तुँ गढ़ दी ओ उपर बैठा ओ भागवान
शर्मसार हो गई मानवता कहाँ छुपा दी सच्चा वो इन्सान

करूणा भूला दया भी भूला भूल गया सब मूरख नादान
लुट खसौट की हो गई खेती स्वार्थ ने बना दी कुछ हैवान
लज्जा भुला शर्म भी भूला भूल गया नीज की खानदान
बम बारूद की ढेर पे बैठा क्यूँ मौन देख रहा ओ दिनमान

रंग भी भूला रूप भी भूला मद की रंग में रंग गया जवान
धन दौलत की ऑधी आई है मदिरा में डूबा है नौजवान
दोस्ती भूला भाईचारा भूला भूल गया नीज की कल्याण
शुरू हो गई वर्चस्व की लड़ाई हो रहा है खुद ही गुमनाम

दीन हीन की शोषण कर बना लिया बसेरा आलिशान
निर्लज्जता की हद हो गई फैसन में भूला अपना सम्मान
कुरसी की दौड़ ,सता की होड़,भूल गया जन की अरमान
राजनीति काजल की कोठरी ,कंलकित हो गई स्वाभिमान

हर नुक्कड़ पे बैठा है लुटेरा, कौन है वो शातिर अनजान
पकड़ो उनको सजा दो तन को जिसने की पापी अंजाम
उजड़ गई उत्तम वो नगरी उजड़ गई भारत की विज्ञान
कैसे जीये अब इस धरती पे जो है बचे सच्चे इन्सान

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक ललित कुमार द्वारा वेलकम इंडिया प्रिन्टर्स, 1/26, साउथ साइड, जी टी रोड़, गाजियाबाद-201001 से मुद्रित कराकर ग्राउन्ड फ्लोर , दुर्गा टॉवर, आर.डी.सी राजनगर, गाजियाबाद 201002 से प्रकाशित किया ।संपादक : ललित शर्मा
सम्पर्क सूत्रः 9891116568

किसी कानूनी विवाद की स्थिति में निपटारा गाजियाबाद न्यायालय में ही होगा।

विश्व प्रेस स्वतंत्रता दिवसः शोर के युग में सत्य की रक्षा

डॉ. विजय गर्ग
लेखक

हर साल 3 मई को विश्व प्रेस स्वतंत्रता दिवस मनाया जाता है। यह एक ऐसा दिन होता है जो उत्सव के साथ-साथ चेतावनी भी प्रदान करता है। यह प्रेस की स्वतंत्रता के मौलिक सिद्धांतों का सम्मान करता है, कर्तव्य निर्वहन में अपनी जान गंवाने वाले पत्रकारों को श्रद्धांजलि देता है, तथा सरकारों को अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के अधिकार को बनाए रखने के अपने कर्तव्य की याद दिलाता है। तीव्र तकनीकी परिवर्तन, राजनीतिक ध्रुवीकरण और गलत सूचनाओं के उदय से चिह्नित युग में, एक स्वतंत्र एवं स्वतंत्र प्रेस का महत्व पहले कभी इतना गहरा नहीं रहा।

उत्पत्ति और उद्देश्य

विश्व प्रेस स्वतंत्रता दिवस की घोषणा संयुक्त राष्ट्र महासभा द्वारा 1993 में यूनेस्को की सिफारिश के बाद की गई थी। यह तारीख 1991 की विंडहोक घोषणा को याद करती है, जो एक स्वतंत्र और बहुलवादी अफ्रीकी प्रेस के लिए सिद्धांतों का बयान था। समय के साथ, यह आयोजन मीडिया की स्वतंत्रता, पत्रकारिता नैतिकता और प्रेस के सामने आने वाली चुनौतियों पर संवाद हेतु एक वैश्विक मंच बन गया है।

अपने मूल में, यह दिन एक सरल लेकिन शक्तिशाली विचार को रेखांकित करता है: लोकतंत्र के लिए स्वतंत्र प्रेस आवश्यक है। इसके बिना, नागरिकों को सूचित निर्णय लेने, नेताओं को जवाबदेह बनाने और सार्वजनिक जीवन में सार्थक रूप से भाग लेने के लिए आवश्यक जानकारी नहीं मिलती।

समाज में प्रेस की भूमिका

पत्रकार निगरानीकर्ता, अन्वेषक और कहानीकार के रूप में कार्य करते हैं। वे भ्रष्टाचार का पदार्फाश करते हैं, अन्याय को उजागर करते हैं और छिपी हुई सच्चाइयों को प्रकाश में लाते हैं। चुनावों की रिपोर्टिंग से लेकर मानवीय संकटों का दस्तावेजीकरण तक, मीडिया सार्वजनिक चर्चा को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

लोकतांत्रिक समाजों में प्रेस सरकार और जनता के बीच एक पुल का काम करती है। यह पारदर्शिता सुनिश्चित करता है और संवाद को बढ़ावा देता है। हालांकि, सत्तावादी परिस्थितियों में पत्रकारिता अक्सर एक खतरनाक पेशा बन जाती है, जहां पत्रकारों को सेंसरशिप, धमकी, कारावास और यहां तक कि मौत का सामना करना पड़ता है।

डिजिटल क्रांति ने पत्रकारिता को और भी बदल दिया है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ने सूचना साझा करने को लोकतांत्रिक बना दिया है, लेकिन उन्होंने सत्यापित समाचार और अप्रमाणित सामग्री के बीच की रेखा भी धुंधली कर दी है। परिणामस्वरूप, पेशेवर पत्रकारिता की जिम्मेदारी - तथ्यों को सत्यापित करना, संदर्भ प्रदान करना एवं विश्वसनीयता बनाए रखना - और भी अधिक महत्वपूर्ण हो गई है।

आधुनिक युग में चुनौतियाँ

संवैधानिक गारंटी और अंतर्राष्ट्रीय मानदंडों के बावजूद, दुनिया के कई हिस्सों में प्रेस की स्वतंत्रता खतरे में है। सरकारें कभी-कभी राष्ट्रीय सुरक्षा या सार्वजनिक व्यवस्था की आड़ में प्रतिबंध लगाती हैं। पत्रकारों को कानूनी उत्पीड़न, निगरानी या शारीरिक हिंसा का सामना करना पड़ सकता है।

आज सबसे अधिक चिंता का विषय है गलत सूचना और गलत जानकारी का प्रसार। झूठी कहानियां, जिन्हें अक्सर एल्गोरिदम द्वारा बढ़ाया जाता है, जनता को गुमराह कर सकती हैं और वैध मीडिया में विश्वास को कमजोर कर सकती हैं। नकली समाचारों के उदय ने दर्शकों के लिए तथ्य और कल्पना को अलग करना कठिन बना दिया है।

आर्थिक दबाव भी एक गंभीर चुनौती है। विज्ञापन राजस्व में गिरावट और डिजिटल प्लेटफार्मों से प्रतिस्पर्धा के बीच पारंपरिक मीडिया अपने आप को बनाए रखने के लिए संघर्ष कर रहा है।

यह वित्तीय अस्थिरता संपादकीय स्वतंत्रता से समझौता कर सकती है और सनसनीखेज या पक्षपातपूर्ण रिपोर्टिंग का कारण बन सकती है। इसके अलावा, पत्रकारों की सुरक्षा वैश्विक चिंता का विषय बनी हुई है। अंतर्राष्ट्रीय निगरानी एजेंसियों के अनुसार, हर साल सैकड़ों पत्रकारों पर हमला किया जाता है या उनकी हत्या कर दी जाती है। इनमें से कई अपराध बिना किसी सजा के चलते हैं, जिससे भय और दंडहीनता का माहौल बन जाता है।

भारत में प्रेस की स्वतंत्रता

भारत, जिसे अक्सर दुनिया की सबसे बड़ी लोकतंत्र के रूप में वर्णित किया जाता है, एक जीवंत और विविध मीडिया परिदृश्य का मालिक है। प्रिंट समाचार पत्रों से लेकर टेलीविजन चैनलों और डिजिटल प्लेटफार्मों तक, देश में अनेक प्रकार की आवाजें और दृष्टिकोण मौजूद हैं। हालाँकि, हाल के वर्षों में प्रेस की स्वतंत्रता को लेकर चिंताएं बढ़ गई हैं।

भारत में पत्रकारों ने दबाव, कानूनी चुनौतियों एवं धमकियों के मामलों की रिपोर्ट दी है; खासकर जब वे राजनीति, भ्रष्टाचार या सामाजिक संघर्ष जैसे संवेदनशील विषयों पर रिपोर्टिंग कर रहे हों। राष्ट्रीय हित और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के बीच संतुलन पर बहस जारी है।

साथ ही, स्वतंत्र पत्रकारिता और क्षेत्रीय मीडिया जमीनी स्तर के मुद्दों को उजागर करने, हाशिए पर पड़े समुदायों को आवाज देने तथा लोकतांत्रिक मूल्यों को मजबूत बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं।

आगे का रास्ता

प्रेस की स्वतंत्रता की रक्षा के लिए सामूहिक प्रयास की आवश्यकता है। सरकारों को पत्रकारों के लिए कानूनी सुरक्षा सुनिश्चित करनी चाहिए तथा अंतर्राष्ट्रीय मानकों का पालन करना चाहिए।

मीडिया संगठनों को नैतिक व्यवहार बनाए रखना चाहिए तथा सनसनीखेजता के प्रलोभन का विरोध करना चाहिए। प्रौद्योगिकी कंपनियों को अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता को बाधित किए बिना गलत सूचनाओं पर अंकुश लगाने की जिम्मेदारी लेनी चाहिए। नागरिकों की भूमिका भी उतनी ही महत्वपूर्ण है।

मीडिया साक्षरता - सूचना का आलोचनात्मक मूल्यांकन करने की क्षमता... आज की जानकारी से भरपूर दुनिया में यह अत्यंत आवश्यक है। एक सूचित और समझदार जनता गलत सूचना और प्रचार के खिलाफ सबसे मजबूत बचाव है।

शैक्षणिक संस्थान आलोचनात्मक सोच को बढ़ावा देकर तथा छात्रों को विश्वसनीय स्रोतों से जुड़ने के लिए प्रोत्साहित करके योगदान कर सकते हैं। नागरिक समाज संगठन पारदर्शिता और जवाबदेही की वकालत कर सकते हैं।

एक श्रद्धांजलि और एक अनुस्मारक

विश्व प्रेस स्वतंत्रता दिवस केवल उपलब्धियों का जश्न मनाने के बारे में नहीं है; यह उन लोगों को याद करने के बारे में भी है जिन्होंने सत्य की अंतिम कीमत चुकाई है।

जो पत्रकार संघर्ष क्षेत्रों से रिपोर्ट करने, गलत कार्यों को उजागर करने या आवाजहीन लोगों को आवाज देने के लिए अपनी जान जोखिम में डालते हैं, वे इस दिन की सच्ची भावना का प्रतीक हैं।

उनका साहस हमें याद दिलाता है कि प्रेस की स्वतंत्रता की कोई गारंटी नहीं है; इसे संरक्षित, पोषित एवं सुरक्षित रखा जाना चाहिए।

निष्कर्ष

सूचना से भरी दुनिया में सत्य के मूल्य को बढ़ा-चढ़ाकर नहीं बताया जा सकता। स्वतंत्र प्रेस केवल लोकतंत्र का एक स्तंभ नहीं है; यह इसका जीवन-रक्त भी है। विश्व प्रेस स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर, हमें इस आवश्यक स्वतंत्रता की रक्षा करने के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को पुनः पुष्ट करना होगा। क्योंकि जब प्रेस स्वतंत्र होती है, तो समाज को जानकारी मिल जाती है। और जब समाज को जानकारी दी जाती है, तो लोकतंत्र फलता-फूलता है।

रंग दे बसंती वाले अब राष्ट्र को नया रंग देंगे: प्रसार भारती का नया युग

प्रो. आरके जैन
लेखक

कभी-कभी एक निर्णय केवल पद परिवर्तन नहीं होता, बल्कि पूरे विमर्श की दिशा मोड़ देता है। प्रसून जोशी का प्रसार भारती के चेयरमैन पद पर आगमन ऐसा ही क्षण है, जहाँ सृजन और सत्ता का संगम नए अर्थ गढ़ने को तैयार दिखता है। गीतों में राष्ट्र की आत्मा को स्वर देने वाले इस रचनाकार और केंद्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड (सीबीएफसी) के अध्यक्ष के हाथों में अब दूरदर्शन और आकाशवाणी की कमान है।

2 मई 2026 की यह नियुक्ति सीधे प्रश्न खड़ा करती है-क्या यह पारंपरिक प्रसारण को डिजिटल युग में पुनर्जीवित कर नई प्रासंगिकता देगा, या सार्वजनिक मंचों को और अधिक मुखर सरकारी आख्यान में ढालेगा? असल चुनौती यही है कि यह बदलाव सूचना की स्वतंत्रता और सांस्कृतिक विरासत के बीच उस सूक्ष्म संतुलन को कैसे साधता है, जिस पर लोकतंत्र की विश्वसनीयता टिकी है।

सृजन की राह पर बढ़ते एक रचनाकार ने अपने शब्दों से युवाओं के दिलों में गहरी छाप छोड़ी है। 'रंग दे बसंती' और 'चांद सिफारिश' जैसे गीतों ने नई पीढ़ी को जोड़ा, वहीं विज्ञापन जगत में 'ठंडा मतलब कोका-कोला', 'हैप्पीडेंट पैलेस', 'दाग अच्छे हैं' (सर्फ एक्सेल) और 'इनक्रेडिबल इंडिया' जैसे अभियानों से उन्होंने सांस्कृतिक गहराई का नया आयाम रचा।

उनकी अभिव्यक्ति में देशज मिट्टी की सुगंध और सांस्कृतिक चेतना का सजीव प्रतिबिंब दिखाई देता है, जो शाश्वत मूल्यों को स्पर्श करता है। आधिकारिक तौर पर उन्हें दुर्लभ रचनात्मक प्रतिभा माना गया है, जिनके नेतृत्व में संस्था को नई ऊर्जा, स्पष्ट उद्देश्य और रचनात्मक दिशा मिलने की उम्मीद है।

यह बदलाव ऐसे समय में सामने आया है, जब संगठन डिजिटल परिवर्तन की चुनौतियों से जूझ रहा है और उसे नवाचारपूर्ण दृष्टिकोण की आवश्यकता है।

बदलते मीडिया परिदृश्य में प्रसार भारती इस समय दोहरे संघर्ष से गुजर रही है। एक ओर डिजिटल प्लेटफॉर्म-नेटफ्लिक्स, यूट्यूब और इंस्टाग्राम-युवा दर्शकों को आकर्षित कर रहे हैं, तो दूसरी ओर संपादकीय स्वतंत्रता, सीमित संसाधन और राजनीतिक दबाव जैसी चुनौतियां बनी हुई हैं। इसके बावजूद, वेव्स ओटीटी और पे-पर-व्यू जैसे प्रयोग डिजिटल-फर्स्ट सोच को दर्शाते हैं, जबकि डायरेक्ट-टू-मोबाइल ब्रॉडकास्टिंग और एआई आधारित कंटेंट निर्माण के प्रयास भविष्य की तैयारी का संकेत देते हैं। यदि रचनात्मक दृष्टि और नवाचार का सही समावेश हो, तो ग्रामीण भारत की अनकही कहानियों को वीआर/एआर के जरिए जीवंत करना, क्षेत्रीय भाषाओं में पॉडकास्ट बनाना और सांस्कृतिक विरासत को वैश्विक मंच तक पहुंचाना संभव है। इसी दिशा में शुरू किए गए 'क्रिएटर्स कॉर्नर' जैसे कार्यक्रम भी युवा डिजिटल क्रिएटर्स को मुख्यधारा से जोड़ने का प्रयास दर्शाते हैं।

उभरती संभावनाओं के बीच आशंकाओं का साया और गहरा दिखाई देता है, क्योंकि यह संस्था बरसों से अपनी वास्तविक स्वायत्तता के लिए जूझती रही है। हाल के वर्षों में वरिष्ठ संपादकों के क्रमशः हाशिए पर जाने, तकनीकी तंत्र के बढ़ते वर्चस्व और कंटेंट से जुड़े अधिकांश पदों के रिक्त पड़े रहने जैसी स्थितियां उसकी आंतरिक चुनौतियों को उजागर करती हैं। ऐसे परिदृश्य में नेतृत्व के वैचारिक समीकरण भी स्वाभाविक रूप से बहस के केंद्र में आ खड़े होते हैं, जिससे यह सवाल और तीखा हो जाता है कि क्या आगे की राह विविध आवाजों-विपक्ष, आलोचना और क्षेत्रीय सरोकारों-को समान महत्व देगी, या 'एक राष्ट्र, एक स्वर' वाले नैरेटिव को और पुख्ता करेगी? विशेषकर जब देश विभिन्न सामाजिक-राजनीतिक मुद्दों के संवेदनशील दौर से गुजर रहा है, तब इस परिवर्तन का समय अपने आप में कई गहरे संकेत और अनुत्तरित प्रश्न समेटे हुए है।

नए युग की दहलीज पर खड़ी इस संस्था के लिए सबसे बड़ी चुनौती तकनीकी नहीं, बल्कि उसकी जड़ में बैठी संरचनात्मक सीमाएं हैं, जो डिजिटल पुनर्जन्म की गति को थामे हुए हैं। बदलते समय के साथ तालमेल बिठाने के लिए क्लाउड-आधारित वर्कफ्लो, इमर्सिव प्रोडक्शन और हाइब्रिड डिलीवरी जैसे आधुनिक ढांचों की तत्काल आवश्यकता है। यदि नेतृत्व रचनात्मक दृष्टि के साथ-साथ संस्थागत सुधारों-जैसे संपादकीय स्वतंत्रता की गारंटी, योग्य पत्रकारों की सक्रिय भर्ती और नीतियों में पारदर्शिता-पर समान रूप से बल देता है, तो यह बदलाव सचमुच ऐतिहासिक साबित हो सकता है। तब एक ऐसे सार्वजनिक प्रसारक की कल्पना साकार हो सकेगी, जो केवल सूचना देने तक सीमित न रहकर युवाओं को अपनी जड़ों से जोड़े, किसानों की आवाज बने और वैश्विक मंच पर देश की सॉफ्ट पावर को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाए।

किसी भी संस्थान का ठोस और टिकाऊ पुनर्जागरण स्वायत्तता के बिना संभव नहीं होता। जब नेतृत्व अपनी भूमिका को केवल रचनात्मक दायरे तक सीमित रखकर राजनीतिक दबावों को नजरअंदाज करता है, तो वही मंच धीरे-धीरे एक संगठित, प्रभावशाली लेकिन पक्षपाती प्रचार तंत्र में सिमटने लगता है।

सार्वजनिक प्रसारण की पहचान निष्पक्षता, विविधता और सख्त जवाबदेही से निर्मित होती है, जो उसकी विश्वसनीयता का आधार हैं। ऐसे संवेदनशील और निर्णायक दौर में जोशी के सामने स्पष्ट परीक्षा है-वे अपनी कविताओं से निकली संवेदनशीलता, दृष्टि और संतुलन को ठोस नीतियों में ढालकर संस्था को नई दिशा, ऊर्जा और भरोसा दे सकते हैं, या फिर इसे अतीत की कहानी का एक और विस्तारित अध्याय बनाकर छोड़ सकते हैं। यह क्षण केवल बदलाव का संकेत नहीं, बल्कि भरोसे, दृष्टि और चरित्र को फिर से गढ़ने की निर्णायक घड़ी है।

प्रसून जोशी के सामने एक साथ अवसर और कसौटी खड़ी है-यदि वे डिजिटल युग की मांग, सांस्कृतिक गहराई की सच्ची समझ और संपादकीय स्वतंत्रता की ठोस मयार्दा को एक सूत्र में पिरो पाते हैं, तो प्रसार भारती न सिर्फ अपनी खोई साख को पुनः अर्जित करेगा, बल्कि वैश्विक मंच पर भारत की निर्भीक और विश्वसनीय आवाज बनकर उभरेगा। पर यदि यह संतुलन बिखर गया, तो यह पहल भी औपचारिकता में सिमटकर एक और राजनीतिक निर्णय बन जाएगी। अंततः फैसला इसी पर टिकेगा-क्या वे अपनी रचनात्मक चेतना को स्वतंत्र दिशा देंगे, या उसे सत्ता के स्वर में ढाल देंगे।

वर्ल्ड लाफ्टर डेः बिना वजह हँसिए, क्योंकि यही असली जीना है

कृति आरके जैन
लेखिका

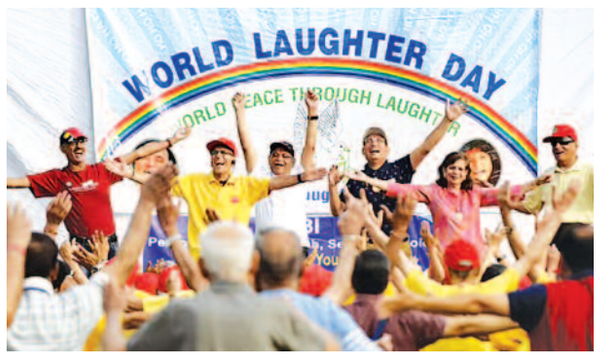

चेहरे पर जमी थकान की परतें और आँखों में ठहर गया तनाव कई बार मुस्कान को भी एक औपचारिक अभिनय जैसा बना देते हैं। इसी बीच 04 मई को मनाया जाने वाला वर्ल्ड लाफ्टर डे समय की धारा में एक ऐसा विराम बनकर आता है, जो मन के भीतर जमा बोझ को हिलाकर हल्कापन की ओर मोड़ देता है। यह स्पष्ट करता है कि मनुष्य केवल जिम्मेदारियों का बोझ ढोने वाला अस्तित्व नहीं है, बल्कि उसके भीतर एक सहज, जीवंत और स्वतः प्रकट होने वाली ऊर्जा छिपी होती है, जो बिना किसी कारण पूरे वातावरण को हल्का कर सकती है। हँसी कोई सजावटी भाव नहीं, बल्कि भीतर जमे तनाव को पिघलाकर जीवन को पुनः सरल, खुला और सांस लेने योग्य बनाने वाली स्वाभाविक प्रक्रिया है। मुंबई के एक साधारण पार्क की जमीन पर खड़ा वह छोटा-सा प्रयोग आज दुनिया के कोने-कोने में फैल चुकी एक शांत लेकिन गहरी क्रांति का रूप ले चुका है। डॉ. मदन कटारिया ने जब हँसी को बिना किसी चुटकुले, बिना मंच और बिना प्रदर्शन के एक साधना के रूप में प्रस्तुत किया, तब यह विचार लोगों को असामान्य और नया लगा था। लेकिन समय के साथ यह पहल केवल अभ्यास नहीं रही, बल्कि हजारों लोगों की दिनचर्या में शामिल होने लगी। आज अनेक देशों में सुबह के समय लोग समूह बनाकर बिना किसी कारण के हँसते हैं। यह दृश्य साधारण मनोरंजन से आगे बढ़कर एक मानसिक पुनर्जागरण जैसा प्रतीत होता है, जहाँ हर व्यक्ति कुछ क्षणों के लिए अपने भीतर जमा तनाव और बोझ को छोड़कर हल्केपन का अनुभव करता है। शरीर के भीतर चल रही सूक्ष्म प्रक्रियाओं पर यदि ध्यान दिया जाए तो हँसी एक ऐसी शक्ति प्रतीत होती है, जिसका असर किसी अदृश्य उपचार से कम नहीं होता। जब व्यक्ति खुलकर हँसता है, तो भीतर तनाव उत्पन्न करने वाले तत्व धीरे-धीरे कम होने लगते हैं और मन में हल्कापन बढ़ने लगता है। श्वास की लय बदल जाती है, हृदय की गति संतुलित होने लगती है और मानसिक दबाव धीरे-धीरे कम होता चला जाता है। इसी कारण अनेक चिकित्सकीय अध्ययन हँसी को शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य के लिए अत्यंत लाभकारी मानते हैं। यह बिना किसी लागत के प्राप्त होने वाली ऐसी प्राकृतिक ऊर्जा है, जो शरीर और मन दोनों को संतुलन और स्थिरता की दिशा में ले जाती है।

हँसी का सबसे विलक्षण गुण यही है कि उसे समझने के लिए किसी शब्द या अनुवाद की आवश्यकता नहीं पड़ती। एक ठहाका दुनिया के किसी भी कोने में समान अर्थ और समान प्रभाव रखता है, चाहे वह किसी भी संस्कृति या समाज से जुड़ा हो। जब दो अनजान लोग भी एक साथ हँस पड़ते हैं, तो उनके बीच की अनदेखी दूरी कुछ ही क्षणों में मिटने लगती है। इसी वजह से वर्ल्ड लाफ्टर डे केवल एक औपचारिक आयोजन नहीं रह जाता, बल्कि मानवता को जोड़ने वाला एक सशक्त सेतु बन जाता है। यह दिन यह भी स्पष्ट करता है कि दुनिया को एकजुट करने के लिए बड़े-बड़े शब्दों की नहीं, बल्कि सच्ची, सहज और दिल से निकली मुस्कान की आवश्यकता होती है। डिजिटल युग में हँसी का स्वरूप तेजी से बदल रहा है। मोबाइल स्क्रीन, छोटे वीडियो और मीम्स ने मनोरंजन को आसान जरूर बना दिया है, लेकिन असली हँसी धीरे-धीरे पीछे छूटती जा रही है। वास्तविक हँसी केवल चेहरे तक सीमित नहीं रहती, बल्कि पूरे शरीर को हल्का और तरोताजा कर देती है। यह दिन याद दिलाता है कि हँसी देखने या पढ़ने की चीज नहीं, बल्कि जीने की अनुभूति है। जब परिवार या मित्रों के बीच बिना कारण ठहाके गूंजते हैं, तो वही पल जीवन की सबसे सच्ची याद बन जाते हैं। न उम्र की दीवार, न पद की पहचान-हँसी हर इंसान के भीतर समान रूप से धड़कती एक सहज शक्ति है, जो बस बाहर आने का रास्ता चाहती है। लाफ्टर क्लबों में जब लोग बिना किसी कारण ठहाके लगाने लगते हैं, तो वह शुरूआत में अभ्यास लगता है, लेकिन कुछ ही समय में वही हँसी सच्ची प्रसन्नता में बदलकर मन का भार उतार देती है। धीरे-धीरे यह स्थिति आदत नहीं, स्वभाव बन जाती है, जो भीतर जमा तनाव को हल्केपन में बदल देती है। यह अनुभव साफ कर देता है कि खुशी बाहर तलाशने की चीज नहीं, बल्कि भीतर ही मौजूद वह ऊर्जा है जिसे केवल जगाने की जरूरत होती है। सामाजिक जीवन में हँसी एक अदृश्य मरहम की तरह काम करती है, जो रिश्तों की कठोरता को सहज ही नरम कर देती है। जहाँ तनाव बढ़ता है, वहाँ एक हल्की मुस्कान भी पूरे माहौल की दिशा बदल सकती है। कार्यस्थलों पर हल्कापन रहने से संवाद सहज होता है और सहयोग बढ़ता है। वर्ल्ड लाफ्टर डे केवल एक दिन नहीं, बल्कि सोच और व्यवहार को नई दिशा देने का अवसर है। जब लोग साथ हँसते हैं, तो उनके बीच की अनदेखी दीवारें कमजोर होती हैं और विश्वास मजबूत होकर समाज को सकारात्मक बनाता है। जीवन की भीड़ में अक्सर लोग गंभीरता को ही सब कुछ मान लेते हैं, लेकिन असली संतुलन हँसी में छिपा होता है। यह बिना किसी मूल्य के मिलने वाली वह शक्ति है जो मन के अंधकार को घटाकर रिश्तों में सहज गर्माहट भर देती है। जब इंसान हँसना सीख लेता है, तो उसका नजरिया बदल जाता है और जीवन को देखने का ढंग भी नया हो जाता है। वर्ल्ड लाफ्टर डे यही संदेश देता है कि गंभीरता जरूरी है, पर हल्कापन उससे भी ज्यादा आवश्यक है। हँसी वह ऊर्जा है जो इंसान को भीतर से जीवित रखती है और दुनिया को अधिक मानवीय बनाती है।

ईको सेंसिटिव जोन में रातों-रात साल के पेड़ों पर चली कुल्हाड़ी, रेंजर की भूमिका पर उठे सवाल

पेड़ों को काटकर उनकी जड़ों को मिट्टी में दबाकर साक्ष्य मिटाने की भी कोशिश

लुकमान खान

पीलीभीत(वेलकम इंडिया)। पीलीभीत पीटीआर के जंगल से सटी भूमि से रातों-रात साल समेत अन्य प्रजातियों के कई पेड़ काटकर गायब कर दिए गए। पेड़ों की जड़ों को मिट्टी से दबाकर साक्ष्य मिटाने का भी प्रयास किया गया। आरोप है कि पेड़ों को काटकर जमीन खाली करने में वन विभाग के कुछ जिम्मेदारों की भी मिलीभगत रही है। मामला उजागर होने के बाद वन विभाग के एसडीओ मौके पर पहुंचकर जांच-पड़ताल की। जांच में दो दर्जन से अधिक पेड़ कटे पाए गए हैं, कार्रवाई के डर से जिम्मेदारों में खलबली मची हुई है। पीटीआर की बराही रेंज में विभागीय अधिकारियों की लापरवाही से अवैध गतिविधियों पर अंकुश नहीं लग पा रहा है। इस संबंध में कई मामले भी उजागर हो चुके हैं। अब एक और प्रकरण सामने आया है, जिसने वन विभाग के जिम्मेदारों की पोल खोल दी है। पीटीआर की बराही रेंज की वाइफरकेशन द्वितीय बीट के कंपार्टमेंट 66 बी के जंगल से सटी लगभग ढाई एकड़ जमीन पर साल के पेड़ खड़े हैं। गांव केसरपुर निवासी काले सिंह का दावा है कि यह भूमि उनकी है। भूमि पर साल के वृक्ष खड़े होने के कारण किसान कब्जा नहीं ले पा रहा है।

इन दिनों वन विभाग के लोगों से मिलकर जमीन पर खड़े साल व अन्य प्रजातियों के पेड़ों को रातों-रात काटकर गायब किया जा रहा है। पेड़ों की जड़ों को मिट्टी से छिपाकर साक्ष्य मिटाने का

प्रयास किया जा रहा है, ताकि जमीन को काश्तकारी के रूप में प्रयोग किया जा सके। यह मामला जब वन विभाग के उच्चाधिकारियों के संज्ञान में आया तो उन्होंने जांच बैठा दी, जिससे जिम्मेदारों में खलबली मच गई। वन विभाग के एसडीओ रमेश चौहान ने अपनी टीम के साथ स्थलीय निरीक्षण किया। प्रारंभिक जांच में साल व अन्य प्रजातियों के लगभग 25 से अधिक पेड़ों का कटान पाया गया है। काटे गए पेड़ों की जड़ें मिट्टी से छिपाई गई थीं। हालांकि मामले की जांच चल रही है। माना जा रहा है कि यदि सही तरीके से जांच हुई तो चोरी-छिपे साल के पेड़ कटवाने वालों पर कड़ी कार्रवाई होगी।

राजस्व व वन विभाग की टीम करेगी जमीन की पैमाइश

पीटीआर के जंगल से सटी जिस जमीन से साल व अन्य प्रजातियों के पेड़ काटे गए हैं, उस जमीन को गांव केसरपुर के काश्तकार काले सिंह ने अपनी होने का दावा किया है, जबकि वन विभाग उस भूमि को अपना बता रहा है। ऐसे में विवाद की स्थिति बनी हुई है। इसे स्पष्ट करने के लिए वन और राजस्व विभाग की टीम संयुक्त पैमाइश करेगी, ऐसा वन विभाग के एसडीओ ने कहा है।

वहीं चर्चा है कि काश्तकार उस जमीन को वन विभाग के एक अफसर व पीलीभीत के एक व्यापारी को बेचना चाहता है। जमीन पर खड़े साल के पेड़ बाधा बन रहे हैं, ऐसे में रात के अंधेरे में धीरे-धीरे पेड़ों का सफाया किया जाने लगा। पेड़ों के कटान में बीट वॉचर से लेकर रेंजर की भूमिका संदिग्ध मानी जा रही है।

एसडीओ, वन विभाग

प्रारंभिक जांच में पीटीआर के जंगल से सटी जमीन से 25 पेड़ों का काटा जाना पाया गया है, जो मिश्रित प्रजाति के हैं। यह क्षेत्र इको सेंसिटिव जोन में है। इस संबंध में उच्चाधिकारियों को अवगत करा दिया गया है। उनके निर्देश पर अग्रिम कार्रवाई की जाएगी।

गुलदार ने फिर एक किसान पर किया जानलेवा हमला

महमूद रजा

बिजनौर(वेलकम इंडिया)। जनपद बिजनौर के जीबाबाद गुलदार द्वारा किए गए हमलों में अब तक किसानों की जान जा चुकी है, परंतु किस तरह गुलदार के आतंक से बचा जाए यह ना तो वन विभाग और ना ही अन्य प्रशासन की समझ में आ रहा है, इसे प्रशासन की नाकामी कहा जाए या वन विभाग की लापरवाही!

जिस तरह आए दिन गुलदार द्वारा किसानों पर हमले किए जा रहे हैं और किसानों को एक नई समस्या का सामना करना पड़ रहा है, इस संबंध में कहना उचित होगा कि आज का किसान अपने खेत पर सुरक्षित नहीं है।

अवगत कराना है कि नजीबाबाद थाना क्षेत्र के ग्राम हकीमपुर काजी उर्फ कबाड़ी वाला के रहने वाले किसान कुलदीप सिंह उर्फ कन्हैया अपने खेत पर चारा लेने के लिए गए थे। अपना काम निपटाने के बाद जब कुलदीप सिंह रविवार सुबह 11:00 बजे अपने घर वापस लौट रहे थे, तभी एक खूंखार गुलदार ने सामने से हमला कर दिया, जिसमें किसी तरह किसान ने अपनी जान बचाई, यदि वहां पर अन्य किसान गौरव, निपेंद्र, बृजपाल आदि लोग ना होते तो गुलदार का हमला इतना खतरनाक था कि किसान की जान भी जा सकती थी, परंतु गनीमत यह रही कि ग्रामीणों ने किसान की जान बचा ली। इसके बाद ग्रामीणों द्वारा किसान को सी एच सी समीपुर में भर्ती कराया गया एवं प्राथमिक उपचार के बाद घर भेज दिया गया।

प्रबुद्ध यूथ फाउंडेशन की साप्ताहिक बुद्ध वंदना में प्रतिभाओं और समाजसेवियों का हुआ सम्मान

राजेंद्र सिंह

हापुड़(वेलकम इंडिया)। प्रबुद्ध यूथ फाउंडेशन द्वारा गांधी सीनियर बेसिक स्कूल में साप्ताहिक बुद्ध वंदना कार्यक्रम का आयोजन श्रद्धा एवं उत्साह के साथ सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि रिधम हॉस्पिटल के चेयरमैन आदरणीय डॉ. हरिओम रहे।कार्यक्रम के दौरान बुद्ध पूर्णिमा के अवसर पर आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रमों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्र-छात्राओं को सम्मानित किया गया। इसके साथ ही समाज में उत्कृष्ट योगदान देने वाले प्रबुद्ध एवं समाजसेवी व्यक्तियों को भी सम्मान प्रतीक एवं स्मृति प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया।मुख्य अतिथि डॉ. हरिओम ने अपने संबोधन में कहा कि समाज सेवा का कार्य आसान नहीं होता और इसमें अनेक विरोधों एवं चुनौतियों का सामना करना पड़ता है।

इसके बावजूद समाज के उत्थान के लिए निरंतर कार्य करते रहना चाहिए। उन्होंने कहा कि जीवन को सरल, शांतिपूर्ण और सफल बनाने के लिए भगवान बुद्ध की शरण में जाकर पंचशीलों का पालन करना आवश्यक है। साथ ही उन्होंने एक प्रबुद्ध, शिक्षित और श्रेष्ठ समाज के निर्माण पर बल दिया। कार्यक्रम में श्रद्धेय गंगाराम रूसो, श्रद्धेय भीमपाल गौतम, श्रद्धेय एडवोकेट विनोद कुमार गौतम, श्रद्धेय सुमित कुमार (डीजे) एवं कॉलोनी के सदस्य श्रद्धेय धरमदास जी द्वारा अतिथियों एवं प्रतिभागियों का सम्मान किया गया। इस अवसर पर सैकड़ों छात्र-छात्राएं, अभिभावक एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। कार्यक्रम का सफल संचालन रिसर्च स्कॉलर ओमपाल सिंह ने किया।

कॉलेज के पास बाइक से स्टंटबाजी करना पड़ा भारी, थाना बहादुरगढ़ पुलिस ने दो युवकों को दबोचा

राजेंद्र सिंह

हापुड़/बहादुरगढ़(वेलकम इंडिया)। सोशल मीडिया पर वायरल हो रही बाइक स्टंटबाजी की वीडियो का संज्ञान लेते हुए थाना बहादुरगढ़ पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए दो युवकों को गिरफ्तार कर लिया। वायरल वीडियो में दोनों युवक कॉलेज के पास तेज रफ्तार बाइक पर खतरनाक स्टंट करते दिखाई दे रहे थे, जिससे आमजन एवं छात्र-छात्राओं की सुरक्षा को खतरा उत्पन्न हो रहा था।थाना बहादुरगढ़ प्रभारी निरीक्षक के नेतृत्व में पुलिस टीम ने तत्काल कार्रवाई करते हुए दोनों युवकों की पहचान कर उन्हें गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने संबंधित बाइक को भी कब्जे में लेकर आवश्यक वैधानिक कार्रवाई शुरू कर दी है। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि सड़क पर इस प्रकार की स्टंटबाजी न केवल कानून का उल्लंघन है, बल्कि आम लोगों की जान को भी जोखिम में डालती है। ऐसे मामलों में लगातार सख्त कार्रवाई की जाएगी ताकि यातायात व्यवस्था एवं जनसुरक्षा बनी रहे। थाना बहादुरगढ़ पुलिस की इस त्वरित कार्रवाई की क्षेत्र में सराहना की जा रही है।

राज्य मंत्री जितिन प्रसाद तथा विधायक बाबूराम पासवान के सहयोग से यह महत्वपूर्ण मार्ग स्वीकृत हुआ है

विकास का पहिया अब त्रेतानाथ के द्वार पहुँचा

लुकमान खान

पीलीभीत/पूरनपुर(वेलकम इंडिया)। क्षेत्र के विकास को नई गति देते हुए पूरनपुर विधानसभा क्षेत्र में 'पीलीभीत-बस्ती मार्ग' से 'त्रेतानाथ मंदिर होते हुए कुर्रेय्या मार्ग' तक बनने वाली सड़क का विधि-विधान से शुभारंभ किया गया।

इस अवसर पर पूरनपुर के लोकप्रिय विधायक बाबूराम पासवान एवं भाजपा नेता अचलेन्द्र मिश्र 'अचल' ने नारियल फोड़कर निर्माण कार्य की शुरूआत की। बताया गया कि यह सड़क लंबे समय से क्षेत्रवासियों की मांग रही है, जिससे अब जल्द ही लोगों को राहत मिलने वाली है।

भाजपा नेता अचलेन्द्र मिश्र 'अचल' के प्रयासों एवं पीलीभीत सांसद व भारत सरकार में राज्य मंत्री जितिन प्रसाद तथा विधायक बाबूराम पासवान जी के सहयोग से यह महत्वपूर्ण मार्ग स्वीकृत हुआ है। सड़क निर्माण पूर्ण होने के बाद सुप्रसिद्ध बाबा त्रेतानाथ शिव मंदिर तक श्रद्धालुओं की पहुंच आसान हो जाएगी।

नेताओं ने कहा कि यह सड़क न केवल आवागमन को सुगम बनाएगी, बल्कि क्षेत्र के समग्र विकास में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

जन-जन की सुविधा और धार्मिक स्थलों तक बेहतर संपर्क सुनिश्चित करना सरकार की प्राथमिकता है। इस अवसर पर हरिओम अवस्थी, हिमांशु मिश्रा, वेदपाल सिंह, राम लखन शर्मा, मण्डल अध्यक्ष मनोज वर्मा, अचल मोहन पाण्डेय, अनुज दीक्षित, जिंदा भैय्या, रामपाल प्रधान महुआ गुंदे, गुरदीप सिंह, अजय अवस्थी सहित अनेक गणमान्य लोग एवं ग्रामीण उपस्थित रहे।

नगर की खुशहाली के लिए कैलाश आश्रम में गूंजे मंत्र, अध्यक्ष भोजवाल ने सुख-समृद्धि हेतु किया महायज्ञ

लुकमान खान

पीलीभीत/बरखेड़ा(वेलकम इंडिया)। लोक कल्याण और आध्यात्मिक चेतना के संकल्प के साथ नगर पंचायत बरखेड़ा के अध्यक्ष श्री श्याम बिहारी भोजवाल ने पिथौरागढ़ स्थित प्रसिद्ध कैलाश आश्रम, वड़डा में विशेष पूजा-अर्चना और यज्ञ संपन्न किया। अपनी धर्मपत्नी श्रीमती ममता भोजवाल के साथ इस धार्मिक अनुष्ठान में सम्मिलित होकर उन्होंने नगर की उन्नति, शांति और प्रत्येक नागरिक के उत्तम स्वास्थ्य की मंगल कामना की। विद्वान आचार्यों के मार्गदर्शन में आयोजित इस यज्ञ में विधि-विधान के साथ आहुतियां दी गईं। मंत्रोच्चार के बीच नगर पंचायत अध्यक्ष ने स्पष्ट किया कि किसी भी क्षेत्र का सर्वांगीण विकास केवल भौतिक प्रयासों से संभव नहीं है, बल्कि उसके लिए आध्यात्मिक ऊर्जा और सकारात्मक चिंतन का होना भी अनिवार्य है। उन्होंने कहा कि उनका ध्येय बरखेड़ा को विकास के नए सोपानों पर ले जाना है, जहां हर घर में खुशहाली हो और समाज का प्रत्येक वर्ग भयमुक्त व स्वस्थ जीवन व्यतीत करे। यज्ञ के उपरांत श्री भोजवाल ने भावुक होते हुए कहा, नगर पंचायत बरखेड़ा का हर नागरिक मेरे परिवार का हिस्सा है। नगर में विकास के कार्य निरंतर जारी हैं, लेकिन ईश्वर का आशीर्वाद हमें कठिन चुनौतियों से लड़ने की शक्ति प्रदान करता है। इसी अटूट आस्था के साथ आज जन-कल्याण और समृद्धि हेतु यह विशेष प्रार्थना की गई है।

जेकेएसएस की मासिक बैठक में हर वर्ग को जोड़ने पर बल, अधिकारियों को संगठनात्म दायित्व बताकर जनसमस्याएं निपटवाएं

लुकमान खान

पीलीभीत(वेलकम इंडिया)। जनपद पीलीभीत के गहोनिया चुंगी रेलवे क्रॉसिंग खपरैल गौटिया जन कल्याण सुरक्षा संघ कार्यालय पर रविवार को सामाजिक संगठन जन कल्याण सुरक्षा संघ के पदाधिकारियों की मासिक बैठक संपन्न हुई जिसमें संस्था से समाज के हर वर्ग के लोगों को जोड़ने पर जोर दिया गया।

संस्था के राष्ट्रीय अध्यक्ष ब्रहमपाल सिंह अपने संबोधन कहा कि संस्था से पूरे भारत में जाति धर्म से ऊपर उठकर समाज के हर वर्ग के लोगों को जोड़ने का काम किया जाएगा सभी पदाधिकारी अपनी अपनी 25-25 लोगों की कमेटियों का तत्काल गठन कर लें।

उसके उपरान्त ब्लॉक तहसील एवं जिले स्तर पर अध्यक्षों के नेतृत्व में बिंदु बार ज्ञापन के माध्यम से जनता की जमीनी स्तर की समस्याओं को शासन प्रशासन के सामने रखकर उनके निस्तारण की मांग उठाई जाएगी और कहा कि पदाधिकारी अपने-अपने क्षेत्र से संबंधित अधिकारियों से मिले और संगठन दायित्व का परिचय देकर जनता की वास्तविक समस्याओं का निस्तारण कराए और जन समस्याओं के निस्तारण में प्रशासन का सहयोग करें पदाधिकारी गांव-गांव नगर-नगर जाकर जनता का हाल जाने कि वह किस तरह से अपने जीवन का निर्वाहन कर रहे है।

सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का उनको ठीक तरह से लाभ मिल पा रहा है या नहीं, सरकार द्वारा चलाई जा रही स्वास्थ्य शिक्षा आवास और वित्तीय सुरक्षा प्रमुख योजनाओं में आयुष्मान भारत स्वास्थ्य बीमा प्रधानमंत्री आवास योजना (घर) जन धन योजना बैंकिंग, उज्ज्वला योजना गैस कनेक्शन, किसान सम्मान निधि कृषि सहायता, और बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ सहित अन्य जन कल्याणकारी योजना का जनता में प्रचार प्रसार करें। कार्यक्रम में मुख्य रूप से सरदार अमरजीत सिंह जिला उपाध्यक्ष अजय पाल दिवाकर जिला सह सोशल मीडिया प्रभारी मीना सिंह जिला उपाध्यक्ष महिला शिव कुमारी जिला सचिव महिला नंदराम वर्मा ब्लॉक प्रभारी ललौरीखेड़ा सोनम देवी प्रजापति तहसील प्रभारी महिला कलीनगर भूपराम पासवान तहसील सचिव कलीनगर मुकेश यादव न्याय पंचायत अध्यक्ष जमुनिया प्रभु नाथ न्याय पंचायत महासचिव जमुनिया कमला देवी पाल न्याय पंचायत अध्यक्ष महिला टोडरपुर अजय कुमार ब्लॉक कार्यकारिणी सदस्य पूरनपुर छाया देवी नगर सचिव महिला पीलीभीत शिव सिंह यादव ग्राम अध्यक्ष ढकिया केसरपुर संजीव कुमार पासवान ग्राम अध्यक्ष खासपुर माखनलाल राजपूत ग्राम अध्यक्ष लक्ष्मीपुर राज कपूर ग्राम महासचिव बंदरबोझ बलराम यादव रामउग्रह पूर्व प्रधान बंदर बोझ पदाधिकारी उपस्थित रहे कार्यक्रम का संचालन नीरज कुमार पासवान तहसील कार्यकारिणी सदस्य कलीनगर ने किया।

प्राचीन गड़ी मंदिर के नवनिर्माण के लिए विधिवत भूमि पूजन कार्यक्रम संपन्न हुआ भक्तिमय हुआ वातावरण

लुकमान खान

पीलीभीत/पूरनपुर(वेलकम इंडिया)। नगर के मोहल्ला साहूकारा (लाइन पार) स्थित प्राचीन अष्टभुजा महारानी देवी मंदिर एवं निकट एलआईसी ऑफिस के पास स्थित प्राचीन गड़ी मंदिर के नवनिर्माण के लिए विधिवत भूमि पूजन कार्यक्रम संपन्न हुआ। इस अवसर पर कानपुर से पधारे सुप्रसिद्ध विद्वान पंडित हरिओम द्विवेदी जी ने वैदिक मंत्रोच्चार एवं विधि-विधान के साथ भूमि पूजन कराया।

कार्यक्रम के दौरान संपूर्ण क्षेत्र भक्तिमय वातावरण में सराबोर हो गया। भूमि पूजन में नगर के अनेक गणमान्य नागरिकों एवं श्रद्धालुओं ने भाग लेकर माता रानी का आशीर्वाद प्राप्त किया।

इस अवसर पर प्रमुख रूप से नवीन अग्रवाल (प्रबंधक, मंदिर कमेटी), राम बहादुर गुप्ता, रवि प्रकाश गुप्ता (अध्यक्ष), अंशु गुप्ता, जिला कार्यकारिणी सदस्य रितुराज पासवान, अशोक गुप्ता, सभासद डॉ. रोहित मिश्रा, सभासद सौरभ सक्सेना 'रासू', सभासद अनुज कुमार गुप्ता, सभासद सूरज बाथम, सभासद उदित सिंह, सभासद गौरव जायसवाल, सुधांशु गुप्ता (कार्यकारिणी सदस्य), डॉ. सुधाकर पांडेय, रोहित गुप्ता एवं पुजारी दिनेश कुमार सहित अनेक लोग उपस्थित रहे।

कार्यक्रम के अंत में सभी ने माता रानी से पूरनपुर नगर की सुख-समृद्धि, शांति एवं उत्तम स्वास्थ्य की कामना की।

उक्त अनियमितताओं एवं सुरक्षा मानकों के उल्लंघन को दृष्टिगत रखते हुए बस के विरुद्ध सीज की कार्रवाई

लुकमान खान

पीलीभीत(वेलकम इंडिया)। शनिवार की सायं पूरनपुर से जयपुर जा रही एक स्लीपर बस, जिसमें ईंट भट्ठों पर कार्य करने वाले कामगारों के अतिरिक्त अन्य फुटकर सवारियां भी बैठी हुई थीं, के संबंध में यात्रा के दौरान चालक एवं परिचालक द्वारा बस को पौटा कलां में रोककर महिला यात्रियों के साथ छेड़छाड़ की गई, महिला व उसके परिजनों द्वारा इसका विरोध करने पर चालक व परिचालक ने मारपीट किए जाने की सूचना प्राप्त हुई। सूचना मिलते ही थाना अध्यक्ष बरखेड़ा परमेंद्र सिंह, जिरौनिया पुलिस चौकी प्रभारी एवं एआरटीओ वीरेंद्र सिंह द्वारा तत्काल पौटा कलां पहुंचकर मामले की जांच की गई। जांच के दौरान पाया गया कि ऑल इंडिया परमिट की उक्त बस द्वारा अवैध रूप से फुटकर सवारियां बैठाकर परिवहन किया जा रहा था, जो मोटर वाहन अधिनियम के प्रावधानों का उल्लंघन है। वाहन की तकनीकी जांच में यह भी पाया गया कि बस के व्हील बेस के अनुसार निर्धारित मानकों से अधिक स्लीपर सीटें लगाई गई थीं, जिससे यात्रियों की सुरक्षा के साथ गंभीर खिलवाड़ किया जा रहा था। उक्त अनियमितताओं एवं सुरक्षा मानकों के उल्लंघन को दृष्टिगत रखते हुए बस के विरुद्ध सीज की कार्रवाई करते हुए वाहन को थाने में निरुद्ध कर दिया गया। साथ ही वाहन स्वामी को बस की बॉडी में नियमों के विपरीत मॉडिफिकेशन किए जाने के संबंध में वाहन परमिट/पंजीयन निलंबन हेतु नोटिस प्रेषित किया गया है। छेड़छाड़ व मारपीट की घटना में संलिप्त वाहन चालक एवं अन्य व्यक्तियों के विरुद्ध एफआईआर दर्ज कराई गई है। इसके अतिरिक्त वाहन चालक के ड्राइविंग लाइसेंस के निलंबन की कार्रवाई भी प्रारंभ कर दी गई है।

ताइक्वांडो का धमाल: 15वीं इंटर स्कूल चैंपियनशिप में खिलाड़ियों ने दिखाया दम, LRS अकैडमी बनी चैंपियन

महमूद रजा

बिजनौर नजीबाबाद(वेलकम इंडिया)। शहर के कुसुम विहार कॉलोनी स्थित लायंस क्लब बैंक्विट हॉल में आयोजित 15वीं इंटर स्कूल ताइक्वांडो चैंपियनशिप में खिलाड़ियों का जोश और जुनून देखने लायक रहा। नजीबाबाद ताइक्वांडो ट्रेनिंग अकादमी की ओर से आयोजित इस प्रतियोगिता में जिले भर के 15 से 20 स्कूलों के करीब 200 खिलाड़ियों ने दमखम दिखाया।

कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि लीना सिंगल, विशिष्ट अतिथि द्रोणा इंटरनेशनल एकेडमी के डायरेक्टर वसीम अहमद, रणवीर निराला, ताइक्वांडो एसोसिएशन ऑफ बिजनौर के सचिव अंकुर चौधरी और अकादमी अध्यक्ष अधिराज राठी ने फीता काटकर किया। इसके बाद खिलाड़ियों के बीच रोमांचक मुकाबलों का सिलसिला शुरू हुआ, जिसमें हर खिलाड़ी ने जीत के लिए पूरा जोर लगाया। प्रतियोगिता ताइक्वांडो एसोसिएशन ऑफ बिजनौर की देखरेख में संपन्न हुई। निर्णायक मंडल में नेशनल रेफरी टेक्निकल इंचार्ज हिमांशु भारती, उज्जवल सिंह सहित कई अनुभवी रेफरी शामिल रहे, जिन्होंने निष्पक्ष निर्णय देकर मुकाबलों को रोचक बनाए रखा। दिनभर चले मुकाबलों के बाद छफ़ इंटरनेशनल अकैडमी रायपुर सादात ने शानदार प्रदर्शन करते हुए प्रथम स्थान पर कब्जा जमाया। वहीं वालिया ग्लोबल अकैडमी नजीबाबाद ने दूसरा और द्रोणा इंटरनेशनल एकेडमी नजीबाबाद ने तीसरा स्थान हासिल कर अपनी ताकत का अहसास कराया।बालिका वर्ग में भी दिखा शानदार प्रदर्शन रिंकू कोच नजीबाबाद के अनुसार बालिका वर्ग में भी खिलाड़ियों ने बेहतरीन प्रदर्शन किया। इस वर्ग में र.ट. एकेडमी किरतपुर ने प्रथम स्थान हासिल किया, जबकि कस्तूरबा गांधी बालिका आवासीय विद्यालय नगीना ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया। वहीं एडोकोल गर्ल्स स्कूल धामपुर ने तृतीय स्थान पर कब्जा जमाया।कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालय की वार्डन मीनाक्षी चौधरी की भूमिका विशेष रूप से सराहनीय रही, जो लगातार बालिकाओं को खेलों के प्रति प्रोत्साहित करने और उन्हें आगे बढ़ाने के लिए तत्पर रहती हैं। कार्यक्रम में जिले के तमाम ताइक्वांडो कोच– बृजेश कुमार, विक्रम सिंह, वीरेंद्र सिंह, नितिन वर्मा, चारु संगम, शिवानी सिंह और दीपिका सिंह सहित कई गणमान्य लोग मौजूद रहे। इस सफल आयोजन की जानकारी मुख्य कोच रिंकू वर्मा ने देते हुए बताया कि इस तरह की प्रतियोगिताएं खिलाड़ियों को मंच देने के साथ-साथ उनके आत्मविश्वास को भी नई उड़ान देती हैं।

अड़ींग में 39 करोड़ की परफॉर्मेंस ग्रांट में घपला

कमिश्नर कराएंगे गैर जनपद के तीन वरिष्ठ अधिकारियों से जांच

वेलकम इंडिया संवाददाता

मथुरा। गोवर्धन क्षेत्र की 39 करोड़ परफॉर्मेंस ग्रांट वाली अड़ींग ग्राम पंचायत की जांच जनपद और गैर जनपद की अलग-अलग समिति करेंगी। डीएम ने तीन अधिकारियों की समिति का गठन कर दिया है।

उधर कमिश्नर आगरा को समिति गठित करने का पत्र लोकायुक्त कार्यालय से भेजा जा चुका है। जांच समिति गठित होने की खबर आम होते ही रविवार को गांव में करीब 60 लाख की सोलर स्ट्रीट व हाईमास्ट लाइटें बदलने तथा ठीक करने काम शुरू हो गया।

पंचायत में हर स्तर पर घपलों की शिकायत लगातार उच्चाधिकारियों को की जा रही थीं। स्थानीय अधिकारियों ने कयी शिकायतों का निस्तारण आनन फानन में शिकायत के बाद अधूरे कामों को पूरा कराकर कर दिया। धन के अपव्यय की

शिकायत पर पूर्व में एडीएम जे के निर्देशन में गठित तीन सदस्यीय समिति द्वारा तथ्यों सहित लोकायुक्त को भेजी जांच रिपोर्ट को शिकायत कर्ता ने मिथ्या बताया।

ग्रामीणों ने पांच साल पूरे होने के बाद भी करोड़ों करोड़ों के अनेक ऐसेट के अनुपयोगी होने के शपथपत्र दिए। जांच में प्रधान पक्ष की ओर से लोगों के बयान, फर्जी नामों आदि की सूची को भी शिकायत कर्ता ने चेलेंज किया।

सभी हिन्दुओं से संतुष्ट होकर ही लोकायुक्त ने गत 21 अप्रैल को कमिश्नर आगरा को मथुरा जनपद के बाहर के तीन वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारियों से अड़ींग प्रकरण की जांच कराने को पत्र जारी किया। इसकी सूचना प्रति शिकायत कर्ता अजीत सैनी को 2 मई को मिली है। समिति गठित होने की खबर आम होते ही पंचायत का एक सफाई कर्मचारी रविवार को सोलर हाईमास्ट लाईटों को ठीक करने वालों के साथ लगा दिखा। इधर गत 17 फरवरी को पंचायत के 12 सदस्यों द्वारा सामूहिक त्यागपत्र देने से उपजे संकट व आए दिन शिकायतों से आजिज आकर डीएम ने भी जनपद की अन्य तहसील के दो अधिकारी एवं एक वरिष्ठ तकनीकी कर्मचारी की जांच समिति गठित कर दी है। यह समिति अभी तक हुए सभी कार्यों की अभिलेखीय, धरातल पर विस्तृत जांच करेगी।

परिवादी अजीत सैनी का आरोप है कि करीब 60 लाख की सोलर हाईमास्ट व स्ट्रीट लाइटों में व्यापक घपला पूर्व वर्ती सचिवों ने किया है। इसी लिए लाइटें पांच साल बाद पहली बार ठीक की जा रही हैं।

परिवादी ने रविवार को पुनः कमिश्नर एवं लोकायुक्त को मेल भेजकर ईमानदार छवि के अफसरों की टीम बनाने, जांच के दौरान जान माल की रक्षा को पुलिस व्यवस्था एवं जांच टीम द्वारा आने की सूचना एक दो दिन पूर्व देने की मांग की है।

जिला पंचायत में क्यों अटके त्यागपत्र

मथुरा। अड़ींग पंचायत के 12 सदस्यों ने 17 फरवरी को नाराज होकर पंचायत राज अधिनियम की धारा 60 के तहत अपने इस्तीफे सचिव को सोंपे जिनका डेढ़ माह बाद सत्यापन कराया गया। सत्यापन के बाद इस्तीफा अवलोकनार्थ 30 मार्च को जिला पंचायत अध्यक्ष को भेजे गये लेकिन आज तलक अवलोकन आख्या डीपीआरओ कार्यालय न पहुंचने के कारण पंचायत में प्रशासक नियुक्त नहीं हो पाया। बोर्ड भंग होने के कारण धन की निकासी बंद हो गई। बीते दिनों डीएम के हस्तक्षेप के बाद केवल वेतन और सबमर्सिबल की डीपी जैसे जरूरी भुगतान पेयजल आपूर्ति को ध्यान में रखकर किए गए। अब देखना यह है कि जिलापंचायत से अवलोकन आख्या 26 मई को कार्यकाल खत्म होने के बाद भेजी जाएगी या पहले ही पहुंच जाएगी। संभव है इससे पूर्व जांच टीमें ही जांच कर किसी नतीजे पर पहुंच जाएं। जांच का पता चलते ही पंचायत का सफाई कर्मचारी अड़ींग में लगी करीब 60 लाख की सोलर लाइट एवं हाईमास्ट लाइटें रविवार को ठीक कराने में मशगूल नजर आया।

भगवान परशुराम जयंती पर अडींग में निकली भव्य शोभायात्रा

वेलकम इंडिया संवाददाता

मथुरा/गोवर्धन। भगवान परशुराम जयंती के पावन अवसर पर रविवार की देर शाम अडींग गांव में एक भव्य एवं आकर्षक शोभायात्रा का आयोजन किया गया।इस आयोजन ने पूरे क्षेत्र को भक्ति आस्था और उत्साह के रंग में रंग दिया।शोभायात्रा की शुरूआत अडींग स्थित पचौरी मैरिज होम से विधिवत पूजा अर्चना के साथ हुई।यात्रा सेहरा पाइसा मार्ग से होते हुए पूरे गांव के प्रमुख मार्गों से निकाली गई और अंत में पुनः पचौरी मैरिज होम पहुंचकर संपन्न हुई।शोभायात्रा में भगवान परशुराम के जयकारों से पूरा वातावरण गूंज उठा।जगह जगह ग्रामीणों ने श्रद्धालुओं पर पुष्पवर्षा कर भव्य स्वागत किया।जिससे आयोजन और भी आकर्षक बन गया।शोभायात्रा में सजे-धजे वाहन, झांकियां और भक्ति संगीत लोगों के आकर्षण का केंद्र रहे।युवा बुजुर्ग और महिलाएं बड़ी संख्या में शामिल हुए और पूरे उत्साह के साथ यात्रा में भाग लिया। गांव के विभिन्न स्थानों पर स्वागत द्वार बनाए गए थे जहां पर श्रद्धालुओं को जलपान की भी व्यवस्था की गई।इस अवसर पर समाजसेवी सपा नेता महेश शर्मा उर्फ गोल्डी भैया ने घोषणा करते हुए कहा कि सपा सरकार बनने पर भगवान परशुराम का भव्य मंदिर एवं सामुदायिक भवन बनवाया जाएगा।वहीं अभिषेक चौधरी उर्फ सचिन ने श्रद्धा स्वरूप भगवान परशुराम की लगभग 90 किलो वजनी पीतल की प्रतिमा भेंट की।जिसकी सभी ने सराहना की।कार्यक्रम के दौरान समाजसेवी गुलाब सिंह उर्फ गब्बर सैनी द्वारा सैनी धर्मशाला में शोभायात्रा में शामिल सभी अतिथियों और श्रद्धालुओं का फूल माला दुपट्टा एवं भगवान परशुराम का स्मृति चिन्ह देकर सम्मान किया गया।इस भव्य आयोजन में मथुरा-वृंदावन विधायक एवं पूर्व ऊर्जा मंत्री श्रीकांत शर्मा गोवर्धन अध्यक्ष प्रतिनिधि मनीष लंबरदार कमेटी अध्यक्ष उमेंद्र कुमार शर्मा लाला भैया परशुराम शर्मा दिनेश शर्मा रवि शर्मा एडवोकेट मनीष स्वरूप बंदर प्रधान सोनू शर्मा महेश सैनी यशपाल सैनी दिलीप कौशिक नवीन गौड़ केशव पंडित बांके पंडित सहित क्षेत्र के अनेक गणमान्य नागरिक सामाजिक कार्यकर्ता और समिति के सदस्य मौजूद रहे।

अस्कुंडा घाट पर सख्त स्वच्छता अभियान, दुकानदारों को चेतावनी

मथुरा(वेलकम इंडिया)। नगर निगम मथुरा-वृंदावन की अधिकृत संस्था नेचर ग्रीन एवं प्रोजेक्ट मथुरा के संयुक्त प्रयास से आज द्वारकाधीश मंदिर के निकट स्थित अस्कुंडा घाट पर विशेष स्वच्छता एवं जागरूकता अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान घाट क्षेत्र में व्यापक सफाई कर कूड़ा हटाया गया तथा व्यावसायिक प्रतिष्ठानों, विशेषकर खाने-पीने की दुकानों को अपने प्रतिष्ठानों पर कूड़ेदान रखने एवं उसका उपयोग सुनिश्चित करने के सख्त निर्देश दिए गए। टीम ने स्पष्ट किया कि सार्वजनिक स्थानों पर गंदगी फैलाने एवं स्वच्छता मानकों की अनदेखी पर जुमार्ना लगाया जाएगा। इस दौरान दुकानदारों एवं स्थानीय नागरिकों को स्वच्छता के प्रति जागरूक करते हुए नगर निगम का सहयोग करने की अपील की गई। अभियान में नेचर ग्रीन के ऑपरेशन मैनेजर अभिषेक वाजपेयी, आईईसी मैनेजर सुजीत सिंह, जोनल गिरीश व आईईसी टीम के सदस्य-कान्हा, बुलबुल, काजल, वंदना, हेमा, भावना, दामिनी, रूपा-तथा प्रोजेक्ट मथुरा से विपुल जी एवं उनकी टीम ने सक्रिय भागीदारी निभाई।

डीएम एवं एसएसपी ने नाविकों किए लाइसेंस प्रमाण पत्र वितरण

वेलकम इंडिया संवाददाता

मथुरा। जिलाधिकारी चंद्र प्रकाश सिंह एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक श्लोक कुमार ने वृंदावन स्थित केशी घाट पर नगर निगम मथुरा वृन्दावन द्वारा आयोजित नाविक रजिस्ट्रेशन कैंप में नाविकों को लाइसेंस प्रमाण पत्र वितरण किए। जिलाधिकारी चंद्र प्रकाश सिंह ने अवगत कराया को नाविकों एवं श्रद्धालुओं की सुविधा हेतु प्रशासन कटिबद्ध है। जिलाधिकारी ने अवगत कराया कि नाविकों की समस्या का निराकरण करते हुए सामान्य नाव के रजिस्ट्रेशन का शुल्क रुपए 500 तथा मोटर बोट के रजिस्ट्रेशन का शुल्क रुपए 1500 किया गया है।

उन्होंने बताया कि अधिकाधिक संख्या में नाविकों द्वारा रजिस्ट्रेशन कराया जा रहा है। लगभग 400 लोगों द्वारा पंजीकरण हेतु फॉर्म क्रय किया गया है तथा 135 नाविकों का पंजीकरण,लाइसेंस प्रमाण पत्र वितरण किया जा चुका है। समस्त नाव संचालकों, नाविकों को यह भी निर्देशित किया गया है कि सामान्य नाव, मोटर बोट में सभी प्रकार के सुरक्षा उपकरणों की उपलब्धता सुनिश्चित करें।श्रद्धालुओं एवं नाविकों हेतु लाइफ सेविंग जैकेट, जीवन रक्षक जैकेट पहनना अनिवार्य है। उन्होंने कहा कि नाव में बैठने वाले श्रद्धालुओं की संख्या भी निर्धारित की गई है, जिसका शत-प्रतिशत अनुपालन सुनिश्चित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि मानकों का अनुपालन न करने वालों पर सख्त कार्यवाही सुनिश्चित की जाएगी जिलाधिकारी ने कहा कि मथुरा एवं वृंदावन में नाव का संचालन प्रारंभ हो गया है। उन्होंने कहा कि नाव की मजबूती, फिटनेस को भी समय-समय पर चेक किया जाएगा और उकसे बाद संचालन की अनुमित प्रदान की जाएगी। जिलाधिकारी चंद्र प्रकाश सिंह ने कहा कि नाविक ट्रेंड/ प्रशिक्षित होना चाहिए, यह भी सुनिश्चित किया जाएगा। जिलाधिकारी चंद्र प्रकाश सिंह ने कहा कि श्रद्धालुओं, पर्यटकों एवं दर्शनार्थियों की सुरक्षा पुलिस-प्रशासन की प्राथमिकता है। केवल वही नावें संचालित होंगी, जिनका पंजीकरण हो चुका है और चालकों के पास वैध लाइसेंस प्रमाण पत्र है।

लाइसेंस प्रमाण पत्र वितरण कार्यक्रम में पश्चात जिलाधिकारी चंद्र प्रकाश सिंह, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक श्लोक कुमार, अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व डॉ पंकज कुमार वर्मा, एसपी सिटी राजीव कुमार सिंह, अपर नगर आयुक्त सौरभ सिंह आदि ने नौका विहार के माध्यम से केशी घाट से चीर घाट तक जायजा लिया।

हरिश राघव पब्लिक स्कूल, मथुरा में आगरा के मानवेंद्र चौहान ने स्पोर्ट्स चैंपियनशिप में पाया चौथा स्थान

वेलकम इंडिया संवाददाता

मथुरा। में हरिश राघव पब्लिक स्कूल, मथुरा में आयोजित स्पोर्ट्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया की 2026 नेशनल चैंपियनशिप में आगरा के प्रतिभाशाली खिलाड़ी मानवेंद्र चौहान ने शानदार प्रदर्शन करते हुए चौथा स्थान प्राप्त किया। इस अवसर पर उन्हें सर्टिफिकेट देकर सम्मानित किया गया। उनकी इस उपलब्धि से परिवार और क्षेत्र में खुशी का माहौल है। विद्यालय प्रबंधन एवं शिक्षकों ने मानवेंद्र चौहान को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की यह उपलब्धि युवाओं के लिए प्रेरणादायक है और क्षेत्र का नाम रोशन करने वाली है।

हरिद्वार के ललिता आश्रम में भक्ति का सागर: डॉ. अनिल शास्त्री के सानिध्य में हजारों पार्थिव शिवलिंग निर्माण

सनी कुमार केशरवानी

हरिद्वार(वेलकम इंडिया)। पावन तीर्थ नगरी हरिद्वार स्थित ललिता आश्रम में पूज्य बड़े भैया डॉ. अनिल शास्त्री जी के सानिध्य में आयोजित पार्थिव शिवलिंग निर्माण कार्यक्रम में श्रद्धा और भक्ति का अनुपम संगम देखने को मिला।

प्रातःकाल से ही श्रद्धालुओं का सैलाब आश्रम की ओर उमड़ पड़ा और दूर-दराज क्षेत्रों से आए भक्त बड़ी संख्या में इस पावन अनुष्ठान में शामिल हुए।

गुरु परिवार के मार्गदर्शन में श्रद्धालुओं ने विधि-विधान के साथ पार्थिव शिवलिंग निर्माण किया। पूरे आश्रम परिसर में गूंजते मंत्रोच्चार, 'हर-हर महादेव' के जयघोष और भक्तों की आस्था ने वातावरण को पूरी तरह आध्यात्मिक ऊर्जा से सराबोर कर दिया। कार्यक्रम के दौरान भक्ति, अनुशासन और उत्साह का अद्भुत समन्वय देखने को मिला। श्रद्धालुओं ने इसे अपने जीवन का सौभाग्य बताते हुए कहा कि ऐसे दिव्य अनुष्ठान में शामिल होकर उन्हें आत्मिक शांति और शिव कृपा का अनुभव हुआ।आश्रम प्रबंधन की ओर से सभी श्रद्धालुओं के लिए समुचित व्यवस्था की गई थी, जिससे कार्यक्रम शांतिपूर्ण और सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। यह आयोजन न केवल धार्मिक आस्था का प्रतीक बना, बल्कि समाज में आध्यात्मिक जागरूकता और एकता का संदेश भी दे गया।

शुजागंज चौकी पुलिस का सख्त एक्शन: दो दिनों में 29 वाहनों का चालान, 2 बाइक सीज

फतेह खान

शुजागंज.अयोध्या(वेलकम इंडिया)। जनपद में यातायात नियमों के पालन को लेकर पुलिस लगातार सख्ती बरत रही है। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (SSP) डॉ. गौरव ग्रोवर के निर्देश पर चलाए जा रहे विशेष वाहन चेकिंग अभियान के तहत शुजागंज चौकी पुलिस ने प्रभावी कार्रवाई करते हुए नियम तोड़ने वालों पर शिकंजा कस दिया।

शुजागंज चौकी प्रभारी अभिषेक सिंह के नेतृत्व में चलाए गए अभियान के दौरान पहले दिन 15 वाहनों का चालान किया गया। वहीं देर रात भी अभियान जारी रखते हुए पुलिस ने 14 और वाहनों का चालान कर दिया तथा 2 बाइक को सीज किया।

इस तरह दो दिनों में कुल 29 वाहनों पर कार्रवाई की गई। चेकिंग के दौरान बिना हेलमेट वाहन चलाने, कागजात अधूरे होने, ट्रिपल राइडिंग और अन्य यातायात नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की गई। अचानक चले इस अभियान से वाहन चालकों में हड़कंप मच गया और कई लोग पुलिस को देखकर रास्ता बदलते नजर आए।

चौकी प्रभारी अभिषेक सिंह ने बताया कि सड़क सुरक्षा को लेकर पुलिस पूरी तरह सतर्क है और नियमों की अनदेखी करने वालों को किसी भी हाल में बख्शा नहीं जाएगा।

उन्होंने लोगों से अपील की कि वाहन चलाते समय हेलमेट अवश्य पहनें, वैध दस्तावेज साथ रखें और यातायात नियमों का पालन करें, ताकि दुर्घटनाओं से बचा जा सके। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि क्षेत्र में कानून व्यवस्था और सड़क सुरक्षा को मजबूत बनाए रखने के लिए यह अभियान आगे भी लगातार जारी रहेगा।

जल की एक-एक बूंद का संरक्षण बेहद जरूरी: बोहरा

जल संरक्षण अभियान का हुआ आगाज, खुले नलों पर लगाएं वॉल

वेलकम इंडिया संवाददाता

बाड़मेर राजस्थान। थार नगरी, बाड़मेर में जन कल्याण संस्थान, बाड़मेर के बैनरतले जल जागरूकता एव जल संरक्षण को लेकर रविवार को महावीर सर्किल, जूना केराडू मार्ग वार्ड सं. 09 व 10 से संस्थान अध्यक्ष एवं पर्यावरण कार्यकर्ता मुकेश बोहरा अमन ने नेतृत्व में जल संरक्षण अभियान का आगाज हुआ। जिस कड़ी में वार्ड सं 09 व 10 में खुले जल नलों पर वॉल लगाकर आमजन को जल संरक्षण के प्रति जागरूक किया गया। संस्थान से जुड़े हरीश बोथरा ने बताया कि जन कल्याण संस्थान, बाड़मेर की ओर से जल संरक्षण को लेकर बाड़मेर में रविवार को वार्ड सं. 09 व 10 में खुले जल नलों पर वॉल लगाएं गए और मोहल्लेवासियों को जल संरक्षण के प्रति जागरूक किया गया। अभियान के प्रथम दिवस 100 घरों का भ्रमण किया गया। जहां-जहां खुले नल थे, वहां-वहां टीम द्वारा वॉल लगाएं गए।

संस्थान अध्यक्ष मुकेश बोहरा अमन ने बताया कि जल अनमोल है, जल की एक-एक बूंद का संरक्षण बेहद जरूरी है। जल संरक्षण समय की सबसे बड़ी मांग है। जल संरक्षण को लेकर जन कल्याण संस्थान की ओर से खुले नलों पर निःशुल्क वॉल लगाने का कार्य किया जा रहा है। इससे जहां पानी का अपव्यय रूकेगा वहीं जल की महता के प्रति आमजन में जागरूकता आयेगी। अभियान के माध्मय से मोहल्लेवासियों ने जल संरक्षण का संकल्प लिया। इस दौरान मुकेश अमन, हरीश बोथरा, बद्रीनारायण, मांगीलाल जैन, मुकेश जैन देवड़ा, मुकेश भंसाली, खेतमल तातेड़ सहित माताएं-बहिनें उपस्थित रही।

आखिरी झप्पी: लहरों में डूबती रही दुनिया, माँ की बाँहों में सुरक्षित रहा उसका बच्चा- बरगी डैम हादसे की रुला देने वाली कहानी

सनी कुमार केसरवानी

प्रयागराज(वेलकम इंडिया)। कभी-कभी एक हादसा सिर्फ जान नहीं लेता वो इंसानियत की सबसे गहरी सच्चाई भी सामने ला देता है। मध्य प्रदेश के जबलपुर में बरगी डैम का वो दिन शायद ही कोई भूल पाए। आसमान पर काले बादल थे, हवाएं अचानक तेज हो गई थीं लेकिन किसी को अंदाजा नहीं था कि कुछ ही पलों में खुशियों से भरी एक सैर, मातम में बदल जाएगी। नाव पर बैठे लोग हँस रहे थे, बच्चे खिलखिला रहे थे और फिर एक तेज झोंका आया 'पानी उफना' 'नाव डगमगाई' और पल भर में सब कुछ उलट गया। चारों तरफ चीखें 'बचाओ' बचाओ की आवाजें हाथ हवा में तड़पते हुए और उसी अफरा-तफरी के बीच एक माँ थी वो 'माँ' जिसने उस वक्त खुद के बारे में सोचना भी जरूरी नहीं समझा। उसने अपने छोटे से बच्चे को कसकर सीने से लगा लिया जैसे पूरी दुनिया से उसे छुपा लेना चाहती हो। कहते हैं उसके पास लाइफ जैकेट थी वो चाहती तो खुद को बचा सकती थी लेकिन उसने एक पल में फैसला कर लिया 'अगर जिऊँगी, तो अपने बच्चे के साथ और अगर मरूँगी, तो भी उसी के साथ लहरें उन्हें खींचती रहीं पानी ऊपर चढ़ता रहा लेकिन उस माँ की पकड़ ढीली नहीं पड़ी उसकी बाहें और कसती चली गईं जैसे कह रही हों 'डर मत मैं हूँ ना'जब रेस्क्यू टीम ने उन्हें पाया तो सब कुछ थम सा गया माँ की सांसें रुक चुकी थीं लेकिन उसकी बाँहें अब भी अपने बच्चे को वैसे ही थामे थीं वो दृश्य इतना खामोश इतना दर्दनाक कि वहाँ खड़े हर इंसान की आँखें भर आईं। कोई कुछ बोल नहीं पाया बस आँसू थे और एक सवाल क्या कोई इतना प्यार भी कर सकता है? हाँ क्योंकि वो 'माँ' थी। जो अपनी हर खुशी, हर सांस अपने बच्चों के नाम कर देती है। जो मौत के सामने भी झुकती नहीं बल्कि अपने बच्चे को बचाने के लिए खुद मौत को गले लगा लेती है। बरगी डैम का यह हादसा सिर्फ एक खबर नहीं यह एक एहसास है एक दर्द है एक ऐसी कहानी है, जो हर दिल को चीर देती है। वही वाराणसी से मिसेज एशिया विजयता सच्चदेवा ने इस घटना पर गहरा दुख व्यक्त करते हुए कहा कि 'यह सिर्फ एक हादसा नहीं, यह माँ के प्रेम और त्याग की ऐसी मिसाल है, जिसे शब्दों में बयां करना मुश्किल है। एक माँ अपने बच्चे के लिए क्या कर सकती है, यह इस घटना ने पूरी दुनिया को दिखा दिया। उस माँ का साहस और बलिदान हर दिल को झकझोर देता है। मैं ईश्वर से प्रार्थना करती हूँ कि सभी दिवंगत आत्माओं को शांति मिले और परिवारों को यह असहनीय दुःख सहने की शक्ति मिले।' आज पूरा देश उस माँ को सलाम कर रहा है जिसने हमें फिर से याद दिलाया माँ सिर्फ एक रिश्ता नहीं वो खुद पूरी दुनिया होती है। ईश्वर से प्रार्थना है कि हादसे में जान गंवाने वाले सभी लोगों की आत्मा को शांति मिले और उस माँ की ममता उसका त्याग उसकी 'आखिरी झप्पी' हमेशा इस देश के दिलों में जिंदा रहे।

ख्यमंत्री ने किया अटल आवासीय विद्यालय कौरई के छात्र गणेश को सम्मानित

वेलकम इंडिया संवाददाता

मथुरा। श्रम दिवस के अवसर पर राजधानी लखनऊ में आयोजित भव्य कार्यक्रम में उत्तर प्रदेश के यशस्वी मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सीबीएसई हाईस्कूल परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रदेश के अटल आवासीय विद्यालयों के मेधावी छात्र-छात्राओं को सम्मानित किया। इस अवसर पर प्रदेश के विभिन्न अटल आवासीय विद्यालयों से चयनित छात्र एवं छात्राओं को सम्मान, प्रशस्ति पत्र और स्मृति चिह्न, टैबलेट प्रदान किए गए। इस गौरवपूर्ण अवसर पर अटल आवासीय विद्यालय कौरई,किरावली जिला आगरा के छात्र गणेश को भी मुख्यमंत्री योगी आदित्याथ द्वारा सम्मानित किया गया। इस अवसर पर डिप्टी सीएम बृजेश पाठक व केशव प्रसाद मौर्य भी उपस्थित रहे। छात्र गणेश ने सीबीएसई बोर्ड की दसवीं कक्षा की परीक्षा में 95.4 प्रतिशत अंक प्राप्त कर सर्वोत्तम प्रदर्शन किया है। उनकी इस उपलब्धि से विद्यालय, शिक्षकों और परिवार में खुशी की लहर दौड़ गई। विदित रहे कि विकास खंड बलदेव के गांव हथौड़ा के निवासी हैं गणेश।उनके पिता धर्मपाल एक मजदूर और माता गृहणी हैं।गणेश की प्रारंभिक शिक्षा यूपीएस अमीरपुर स्कूल में हुई हैं।अमीरपुर विद्यालय की शिक्षिका गीता रावत ने गणेश की इस उपलब्धि पर हर्ष जताया है।

जनगणना-2027 को लेकर जिले में जागरूकता अभियान तेज: एडीएम

वेलकम इंडिया संवाददाता

संतकबीरनगर। अपर जिलाधिकारी (वि0/रा0)/जिला जनगणना अधिकारी जयप्रकाश ने बताया है कि वर्तमान समय में जनगणना-2027 को जनपद में सकुशल सम्पन्न कराने हेतु शासन के निदेर्शानुसार प्रथम चक्र में मकान सूचीकरण एवं मकानों की गणना (HLO) हेतु प्रशिक्षण कार्य चल रहा है।

उन्होंने बताया कि जनगणना-2027 का कार्य जनहित में सहज एवं सुगम बनाने हेतु नागरिकों की सुविधा एवं उनको जागरूक करने के लिये विभिन्न विभागों द्वारा निर्धारित तिथियों के अनुसार कार्यक्रमों का प्रचार-प्रसार किया जा रहा है। नागरिकों की सुविधा एवं जागरूकता के क्रम में पंचायती राज विभाग द्वारा ग्रामीण क्षेत्रों में डुग्गी मुनादी तथा नगर निकायों द्वारा शहरी क्षेत्रों में माइक से व्यापक प्रचार-प्रसार का कार्य किया जा रहा है।

अपर जिलाधिकारी ने बताया कि इसके अतिरिक्त प्रशिक्षण कार्य के उपरान्त जागरूक रैली एवं अन्य माध्यमों से स्वगणना (दिनाँक 07 मई 2026 से दिनाँक 21 मई 2026 तक) के लिए लिंक / पोर्टल se.census.gov.in पर जाकर घर बैठे स्वगणना किये जाने हेतु विभिन्न माध्यमों से ग्रामीण व शहरी क्षेत्रों में नागरिकों को जागरूक किया जा रहा है।

हेलीकॉप्टर से 16 घंटे बाद टंकी पर फंसे दोनों किशोर को उतारा, सेना ने किया रेस्क्यू

असदुल्लाह सिद्दीकी

सिद्धार्थनगर(वेलकम इंडिया)। पानी की टंकी पर फंसे दो किशोरों को लगभग 16 घंटे बाद रविवार सुबह तकरीबन 5:15 बजे गोरखपुर एयरफोर्स की टीम ने हेलीकॉप्टर के जरिए रेस्क्यू करके दोनों किशोर को पानी की टंकी से नीचे उतरा,जिसके बाद लोगों ने राहत की सांस ली। बच्चों के फंसे रहने और लगातार प्रयास के बाद डीएम ने एयरफोर्स गोरखपुर से रेस्क्यू करने के लिए संपर्क किया था।

इसी के बाद रविवार को टीम पहुंची और रेस्क्यू कर दोनों किशोर को नीचे उतारा। नगर के काशीराम आवास कॉलोनी के पास बने पानी की टंकी की सीढ़ी टूट कर गिरने से एक किशोर की मौत हो गई थी, जबकि दो लोग घायल हो गए थे। वहीं, दो लोग टंकी पर फंस गए थे। प्रशासन ने काफी प्रयास किया, लेकिन फंसे किशोरों को नीचे नहीं उतारा जा सका।

काशीराम आवास के पास घर-घर सप्लाई के लिए पानी का टंकी बना हुआ है। शनिवार दोपहर में आवास के आसपास के पांच बच्चे टंकी पर चढ़ गए थे।

इसी बीच उतरते समय सीढ़ी भरभरा कर गिर गई। इस हादसे में एक बच्चे सिद्धार्थ (13 वर्ष) पुत्र धर्मेंद्र, निवासी झूलनीपुर थाना मोहाना की मौत हो गई। जबकि, घायल गोलू (14 वर्ष) पुत्र चंद्रेश, निवासी शास्त्रीनगर थाना सदर और सनी (11 वर्ष) पुत्र बरसाती, निवासी काशीराम आवास को तत्काल इलाज के लिए माधव प्रसाद त्रिपाठी मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया है, जहां उनका उपचार जारी है।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, बच्चे टंकी पर चढ़ रहे थे तभी जर्जर सीढ़ी अचानक टूट गई और यह हादसा हो गया। इसी दौरान पवन (17 वर्ष) पुत्र मिथलेश और कल्लू (17 वर्ष) पुत्र जमीरउद्दीन टंकी के ऊपर ही फंस गए थे।

नरेंद्र मीणा को उनकी सराहनीय सेवाओं के लिए किया याद

वेलकम इंडिया संवाददाता

धौलपुर राजस्थान। स्थानीय जैन धर्मशाला में राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय भैंसेना के उप प्रधानाचार्य नरेन्द्र मीणा को शिक्षा विभाग में तीन दशक तक कि गई उनकी सराहनीय सेवाओं के लिए याद किया गया। उनके सम्मान में आयोजित समारोह में अधिकारी, कर्मचारी, जनप्रतिनिधि और गणमान्य नागरिक बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। इस मौके पर उपस्थित जनों ने उनकी सेवाओं की सराहना की। पूर्व ब्लॉक शिक्षा अधिकारी बिजेंद्र सिंह त्यागी ने कहा कि उन्होंने शिक्षा के कार्यक्षेत्र में अनुकरणीय सेवाएं दी हैं। यह सम्मान उनके कर्तव्यनिष्ठा और ईमानदारी के प्रति हमारे आभार का प्रतीक है। मुकेश सूतैल ने उन्हें एक अनुशासित, कर्मठ और ईमानदार लोकसेवक के रूप में याद किया। कार्यक्रम में राजेंद्र त्यागी, सम्पतराम मीणा, तेजेन्द्र सिह, दुर्गेश कुमार, विनोद कुमार, राघवेंद्र सिंह, नीरज कुमार, भूपेंद्र सिंह राणा, इटारसी खान, संजीव श्रीवास्तव, विनोद पाठक आदि ने भी उनकी प्रशंसा करते हुए कहा कि उन्होंने शिक्षक, अभिभावक और बच्चों के बीच एक मजबूत सेतु का कार्य किया।

महिला थाना की पहल से 12 परिवारों में फिर से लौटीं खुशियां एक साथ रहने को हुए राजी

असदुल्लाह सिद्दीकी

सिद्धार्थनगर(वेलकम इंडिया)। महिला थाना की सराहनीय पहल से 12 परिवारों में फिर से खुशियां लौट आई हैं। 3 मई को महिला थाना परिसर स्थित मिशन शक्ति केंद्र में प्रभारी निरीक्षक भाग्यवती पाण्डेय के नेतृत्व में काउंसलिंग के माध्यम से इन दंपतियों के बीच के मनमुटाव को दूर किया गया और उन्हें एक साथ विदा किया गया। इस प्रयास ने न केवल बिखरते परिवारों को टूटने से बचाया, बल्कि समाज में आपसी संवाद और समझदारी की एक मिसाल भी पेश की। प्रभारी निरीक्षक भाग्यवती पाण्डेय ने अपनी टीम के साथ मिलकर सभी मामलों को गंभीरता से सुना और धैर्यपूर्वक काउंसलिंग की।लंबे समय से आपसी विवाद के कारण अलग रह रहे ये परिवार एक बार फिर साथ रहने को राजी हुए।

इस दौरान महिला हेल्प डेस्क और काउंसलिंग टीम की सक्रिय भूमिका रही, जिसमें महिला हेड कांस्टेबल रीना रावत, महिला आरक्षी संगीता गौतम और महिला आरक्षी रीना का विशेष योगदान रहा। काउंसलिंग के बाद जिन 12 परिवारों को एक साथ विदा किया गया, उनमें विभिन्न थाना क्षेत्रों के दंपति शामिल थे।इनमें रीमा पत्नी अवधेश (घुघुलिया, थाना उसका बाजार), सुनीता पत्नी जोखन (सेखुई ताल, थाना भवानीगंज), नाजमा पत्नी अजहरुद्दीन (कोईलहवा टोला नरायनपुर, थाना मोहाना), सकीना पत्नी फिरोज (बारिकपार, थाना मिश्रौलिया), लीलावती पत्नी शब्बू (मनोहरापुर, थाना पचपेड़वा, जनपद बलरामपुर), राधिका लोधी पत्नी गणेश लोधी (कोयरी दतरेगवा, थाना उसका बाजार), निशा पत्नी अनिल (परसा सुकुरूल्लाह, थाना उसका बाजार), अभियन्ता पत्नी विद्यासागर (बर्नपुर बनियाभारी, थाना कपिलवस्तु), शरवरजहा पत्नी वसीम (अहिराडीहा, थाना भवानीगंज), पूजा पत्नी राजू (टेकनार, थाना चिल्हिया), यासमीन पत्नी तबारक (खजुरिया रोड, थाना व जनपद सिद्धार्थनगर) तथा सरिता पत्नी सूरज (सकतपुर हैय्या, थाना बांसी) प्रमुख हैं। इस मौके पर प्रभारी निरीक्षक भाग्यवती पाण्डेय ने बताया कि मिशन शक्ति अभियान के तहत महिला थाना लगातार ऐसे प्रयास कर रहा है, जिससे पारिवारिक विवादों का समाधान आपसी सहमति से कराया जा सके और परिवार टूटने से बचें। उन्होंने जोर दिया कि संवाद और समझदारी से हर समस्या का हल संभव है, जिसके लिए एक सकारात्मक पहल की आवश्यकता है।

मरेना में भगवान परशुराम शोभायात्रा समिति की हुई बैठक

वेलकम इंडिया संवाददाता

मरेना धौलपुर राजस्थान। भगवान परशुराम शोभायात्रा समिति की बैठक में आगामी भगवान परशुराम शोभा यात्रा व वाहन रैली के भव्य आयोजन को लेकर विस्तृत चर्चा की गई और सभी तैयारियों को अंतिम रूप दिया गया।

बैठक में सर्वसम्मति से मुकेश हनुमानपुरा वालो को शोभायात्रा संयोजक एवं हरिओम शर्मा सह संयोजक और ओमकांत पहलवान सह-संयोजक, रिंकू उपाध्याय (सिहोली) को समिति अध्यक्ष, रामू मुद्गल को कोषाध्यक्ष, राजू पहलवान को महामंत्री तथा अमित शर्मा को मंत्री नियुक्त किया गया। समिति ने निर्णय लिया कि परम पूज्य श्री श्री 1008 श्री पागल बाबा के सान्निध्य में 24 मई 2026 (रविवार) को सायं 5 बजे भव्य भगवान परशुराम शोभायात्रा एवं वाहन रैली का आयोजन किया जाएगा। शोभायात्रा संयोजक मुकेश हनुमान ने जानकारी देते हुए बताया कि यात्रा इंद्रावली मोड़ स्थित हनुमान जी मंदिर से प्रारंभ होकर मरेना, पहाड़ी, मछरिया, माधोपुरा, सिहोली होते हुए हनुमानपुरा स्थित भगवान परशुराम मंदिर पर समापन होगी।

समिति अध्यक्ष रिंकू उपाध्याय ने बताया कि शोभायात्रा में आकर्षक धार्मिक झांकियां, भजन-कीर्तन, ढोल-नगाड़े और सांस्कृतिक प्रस्तुतियां शामिल होंगी, जो श्रद्धालुओं के लिए विशेष आकर्षण का केंद्र रहेंगी।

बैठक में डॉ. विष्णु शर्मा, हरिओम शर्मा, राहुल शर्मा, सचिन शर्मा, आशीष शर्मा, अनिकेत शर्मा, दीपक शर्मा, जीतू शर्मा, प्रवीण शर्मा, राजेश शर्मा, दयाकांत शर्मा, प्रशांत शर्मा, सैंकी शर्मा, विकास शर्मा कृष्णकांत शुक्ला सहित अनेक सदस्य उपस्थित रहे।

किशोर का शव मिलने से गांव मे फैली सनसनी,हत्या की आशंका

असदुल्लाह सिद्दीकी

मोहाना/सिद्धार्थनगर(वेलकम इंडिया)। जिले के मोहाना थाना क्षेत्र में किशोर का शव संदिग्ध परिस्थितियों में मिलने से सनसनी फैल गई। शव पर चोट के गंभीर निशान मिलने के बाद परिजनों ने गांव के चार युवकों पर हत्या का आरोप लगाया है। मामला मोहाना थाना क्षेत्र के शिवपतिनगर गांव का है। टोला मोहाना बाजार में रविवार को सगीर पुत्र कलीमुल्ला का शव घर से करीब 50 मीटर दूरी पर संदिग्ध परिस्थितियों में बरामद हुआ। शव पर मुंह, नाक और सिर पर गंभीर चोटों के निशान मिले हैं, जिससे हत्या की आशंका जताई जा रही है। परिजनों ने गांव के ही चार युवकों पर हत्या का आरोप लगाया है। उनका कहना है कि सगीर पूरी तरह स्वस्थ था और उसकी किसी से कोई दुश्मनी नहीं थी। ऐसे में उसकी संदिग्ध मौत ने कई सवाल खड़े कर दिए हैं। मृतक के बड़े भाई जबीउल्लाह के मुताबिक, शनिवार रात घर के पास एक भोज कार्यक्रम आयोजित था, जिसमें सगीर रात करीब 12 बजे शामिल होने गया था। काफी देर तक घर वापस नहीं लौटने पर परिजनों ने उसके मोबाइल पर संपर्क करने की कोशिश की, लेकिन फोन बंद मिला।इसके बाद परिवार ने कार्यक्रम स्थल और आसपास के क्षेत्रों में उसकी तलाश की, लेकिन कोई सुराग नहीं मिला। रविवार दोपहर करीब 12 बजे पुलिस को सूचना दी गई। इसके कुछ घंटों बाद शाम करीब 4 बजे परिजनों ने घर से थोड़ी दूरी पर सगीर का शव देखा। बताया जा रहा है कि सगीर गांव के एक मदरसे में कक्षा 6 का छात्र था। उसकी अचानक मौत से परिवार और ग्रामीणों में शोक और आक्रोश का माहौल है। सूचना मिलते ही मोहाना थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। थाना प्रभारी निरीक्षक जितेंद्र सिंह ने बताया कि मामले की गंभीरता से जांच की जा रही है। तहरीर मिलने पर मुकदमा दर्ज कर आगे की वैधानिक कार्रवाई की जाएगी। परिजनों और ग्रामीणों ने आरोपियों की जल्द गिरफ्तारी और सख्त कार्रवाई की मांग की है।

गरीब बच्चों की पढ़ाई में मदद करें परिवार को बेवजह परेशान ना किया अवतार सिंह

वेलकम इंडिया ब्यूरो

रामपुर। स्कूलों में लगातार फीस की हो रही वृद्धि स्कूल मैनेजमेंट के द्वारा बच्चों व बच्चों के परिवारों पर स्कूल मैनेजमेंट की मर्जी से बच्चों का कोर्स ड्रेस लेने पर वीर खालसा सेवा समिति ने कड़ी नाराजगी जताई अवतार सिंह ने कहा स्कूल मैनेजमेंट का फर्ज बच्चों को अच्छी शिक्षा उनका भविष्य दे ना की कोर्स उनकी मर्जी से ड्रेस उनकी मर्जी से यह चीज परिवार की अपनी मर्जी होनी चाहिए महंगाई के इस दौर में गरीब बच्चों को जो कि उनके परिवार मां-बाप अच्छी शिक्षा के लिए स्कूल में पढ़ने के लिए भेजते हैं उन परिवारों को फीस में स्कूल मैनेजमेंट को सहयोग करना चाहिए आज हर मां-बाप अपने बच्चों को अच्छी शिक्षा देने चाहता है।

लेकिन महंगाई के कारण परिवार को दिक्कत आती है मेरा स्कूल मैनेजमेंट से अनुरोध है गरीब बच्चों की पढ़ाई में मदद करें परिवार को बेवजह परेशान ना किया जाए ड्रेस कॉपी किताबें परिवार जहां से बुलाए यह परिवार की अपनी मर्जी होनी चाहिए और अगर यह समस्या दूर नहीं होती तो समिति के द्वारा इसका कड़ा विरोध किया जाएगा बच्चों की पढ़ाई में हम सब का सहयोग जरूरी इस मौके पर नारायण सिंह सेवा सिंह गुलशन अरोड़ा मनिंदर सिंह कमलजीत सिंह मनजीत सिंह सेवा सिंह मौजूद रहे।

अंग्रेजी कम्पोजिट शराब की दुकान में कैंटीन संचालित, खुलेआम परोसी जा रहीं हैं मदिरा

वेलकम इंडिया ब्यूरो

रामपुर। रामपुर में आबकारी विभाग की खुली छूट के कारण खुलेआम शराब परोसी जा रही है। ऐसा लगता हैं कि शराब माफियाओं के हौसलों को पस्त करने वाला आबकारी विभाग में कोई नहीं हैं। बताया जाता है कि शहर के थाना गंज क्षेत्र की मंडी समिति के सामने कम्पोजिट शाप विदेशी मदिरा व बीयर की दुकान है। उक्त दुकान में अवैध रूप से कैंटीन खोलकर खुलेआम मदिरा का सेवन ग्राहकों को कराया जा रहा है। बताते चले कि आबकारी विभाग द्वारा शराब की दुकान संचालकों को देसी, अंग्रेजी कम्पोजिट व माडल शाप के रूप में लाईसेंस दिये जाते हैं जिसमें शराब के सेवन की सुविधा सिर्फ माडल शाप में ही होती है लेकिन इसके बावजूद भी रामपुर का आबकारी विभाग नियमों को ताख पर रखकर देसी व अंग्रेजी शराब की दुकानों के बराबर में कैंटीन खुलवा रखी हैं और खुलेआम विभाग के आदेशों की धज्जियां उडाते हुए कैटीनों में शराब परोसी जा रही हैं। शहर के थाना गंज क्षेत्र के मंडी समिति गेट के ठीक सामने कम्पोजिट शाप विदेशी मदिरा व बीयर की दुकान है। कम्पोजिट शाप में शराब बेची जा सकती है लेकिन कैंटीन बनाकर परोसी नहीं जा सकती हैं। इस मामले में जब आबकारी निरीक्षक सदर नंदनी यादव से बात की गई तो उन्होने बताया कि अंग्रेजी कम्पोजिट दुकान में किसी भी तरह की कैंटीन संचालित नहीं की जा सकती है हां देसी शराब की दुकान में कैंटीन चलाकर शराब परोसी जा सकती है। अब देखने वाली बात यह है कि आबकारी निरीक्षक को ही यह बात नहीं मालूम कि अंग्रेजी व देसी शराब की दुकान के बराबर या पीछे किसी भी तरह की कैटीन संचालित कर उसमें शराब नहीं पिलाई जा सकती जबकि आबकारी निरीक्षक स्वयं बता रही है देसी शराब की दुकान में कैटीन खोलकर शराब पिलाई जा सकती हैं। जब यह हाल आबकारी विभाग के अधिकारियों का है तो रामपुर में शराब माफियाओं के हौसले बुलन्द क्यों नहीं होगे।

थाना कोतवाली खलीलाबाद पुलिस ने युवती को बहला फुसलाकर भगा ले जाने के मामले में वाँछित अभियुक्त को किया गया गिरफ्तार

संतकबीरनगर(वेलकम इंडिया)। पुलिस अधीक्षक संदीप कुमार मीना के निर्देशन, अपर पुलिस अधीक्षक सुशील कुमार सिंह के मार्गदर्शन व क्षेत्राधिकारी खलीलाबाद प्रियम राजशेखर पाण्डेय के पर्यवेक्षण में जनपद संतकबीरनगर मे अपराध एवं अपराधियो के विरुद्ध चलाये जा रहे अभियान के क्रम में थाना कोतवाली खलीलाबाद का0 राजन कुमार यादव, का0 अनुराग दूबे ने दिनाँक 03.05.2026 को थाना कोतवाली खलीलाबाद पर पंजीकृत मु0अ0सं0 229/2026 धारा 137(2) बीएनएस से सम्बन्धित वांछित अभियुक्त सूरज पुत्र उमाशंकर निवासी काशीराम आवास थाना कोतवाली खलीलाबाद जनपद संतकबीरनगर कर न्यायालय भेज दिया। विदित हो कि वादी द्वारा दिनाँक 02.04.2026 को थाना कोतवाली खलीलाबाद पर अभियुक्त उपरोक्त के विरुद्ध वादी की पुत्री को बहला फुसलाकर भगा ले जाने के सम्बन्ध में प्रार्थना पत्र देकर अभियोग पंजीकृत कराया गया था।

थाना कोतवाली खलीलाबाद पुलिस द्वारा कार्यवाही करते हुए युवती के साथ दुष्कर्म करने के मामले में वाँछित अभियुक्त को किया गया गिरफ्तार

संतकबीरनगर(वेलकम इंडिया)। जनपद में मिशन शक्ति 5.0 अभियान के अन्तर्गत महिलाओं पर अपराधों के रोकथाम हेतु पुलिस अधीक्षक संदीप कुमार मीना द्वारा चलाए जा रहे अभियान के अंतर्गत अपर पुलिस अधीक्षक सुशील कुमार सिंह के मार्गदर्शन व क्षेत्राधिकारी खलीलाबाद प्रियम राजशेखर पाण्डेय के निकट पर्यवेक्षण में थाना कोतवाली खलीलाबाद हे0का0 अली हसन, हो0गा0 उमाशंकर गुप्ता ने मु0अ0स0 3371/2026 धारा 64(1),115(2), 351(3) बीएनएस थाना कोतवाली खलीलाबाद जनपद संतकबीरनगर के मामले में वांछित अभियुक्त नाम पता अर्जुन पुत्र गुलई निवासी मलोरना थाना कोतवाली खलीलाबाद को रविवार को गिरफ्तार कर न्यायालय भेज दिया। विदित हो कि वादिनी द्वारा दिनांक 02.05.2026 को थाना कोतवाली खलीलाबाद पर वादिनी के साथ उक्त अभियुक्त द्वारा दुष्कर्म करने के सम्बन्ध में प्राप्त प्रार्थना पत्र देकर अभियोग पंजीकृत कराया गया था।

नजरी नक्शा पर फोकस, हर मकान की सटीक गणना अनिवार्य

असदुल्लाह सिद्दीकी

सिद्धार्थनगर(वेलकम इंडिया)। जनगणना 2027 के प्रथम चरण के तहत नौगढ़ तहसील के गंगा नेशनल पब्लिक स्कूल के मीटिंग हाल में प्रगणक व पर्यवेक्षकों के त्रिदिवसीय प्रशिक्षण के दूसरे दिन नजरी नक्शा तैयार करने पर विशेष बल दिया गया। प्रशिक्षण सत्र में अधिकारियों ने कहा कि गणना के दौरान एक भी मकान छूटना नहीं चाहिए व किसी मकान की पुनरावृत्ति भी नहीं होनी चाहिए, तभी आंकड़े विश्वसनीय बनेंगे। प्रशिक्षकों ने बताया कि इस बार पूरी प्रक्रिया डिजिटल माध्यम से संचालित होगी, जिससे कार्य में पारदर्शिता व गति दोनों आएंगी। एचएलओ एप के माध्यम से प्रत्येक मकान की सटीक लोकेशन, क्रम संख्या व विस्तृत विवरण दर्ज किया जाएगा। इससे डाटा संकलन अधिक व्यवस्थित होगा व त्रुटियों की संभावना कम रहेगी। प्रशिक्षण के दौरान एचएलबी अर्थात मकान सूचीकरण क्षेत्र की अवधारणा को भी समझाया गया, जिससे प्रगणक अपने-अपने क्षेत्र की सीमाओं को ठीक प्रकार पहचान सकें। प्रशिक्षक ने तकनीकी बिंदुओं पर विस्तार से जानकारी दी। प्रशिक्षक संतोष कुमार मिश्रा ने नजरी नक्शा बनाने की पूरी प्रक्रिया को व्यवहारिक रूप में समझाया, जिससे प्रतिभागियों को मैदानी कार्य में आसानी हो।

शिक्षा और तकनीकी के क्षेत्र में डॉ. चंद्रेश कुमार छतलानी सम्मानित

वेलकम इंडिया संवाददाता

उदयपुर शिक्षण। शोध और आईटी के क्षेत्र में अपने योगदान के लिए राजस्थान विद्यापीठ के डॉ. चंद्रेश कुमार छतलानी को ड्रॉप ऑफ चेंज संस्था द्वारा सम्मानित किया गया है। यह सम्मान उन्हें उनके नवाचारी कार्यों और शैक्षणिक जगत में सकारात्मक बदलाव लाने के प्रयासों के लिए दिया गया।

प्रमाणपत्र प्रदान करते हुए संस्था के संस्थापक शुभम सक्सेना ने डॉ. छतलानी के समर्पण की सराहना की। उन्होंने कहा कि डॉ. छतलानी की विशेषज्ञता और तकनीकी कौशल न केवल शैक्षणिक जगत के लिए, बल्कि पूरे समाज के लिए प्रेरणा का स्रोत है। डॉ. छतलानी ने अपने करियर में अब तक 150 से अधिक सॉफ्टवेयर और वेबसाइट्स विकसित की हैं। वे 29 पुस्तकों के लेखक और संपादक रहे हैं। साथ ही, राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर उनके 50 से अधिक शोध पत्र प्रकाशित हो चुके हैं। डॉ. छतलानी ने विभिन्न क्षेत्रों में 1500 से अधिक प्रमाणपत्र अर्जित किए हैं तकनीकी विशेषज्ञ होने के साथ-साथ वे एक संवेदनशील साहित्यकार भी हैं, जो अपनी कविताओं और लघुकथाओं के माध्यम से सामाजिक चेतना जागृत करने का कार्य कर रहे हैं।

अशोक गहलोत का जीवन गांधी विचारधारा एवं सादगी पूर्ण: धर्मेंद्र शर्मा

वेलकम इंडिया संवाददाता

धौलपुर राजस्थान। महात्मा गांधी जीवन दर्शन समिति धौलपुर के द्वारा जननायक पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत का जन्मदिन महात्मा गांधी जीवन दर्शन समिति एवं कांग्रेस पदाधिकारी ने सेवा भाव और सादगी से बनाया महात्मा गांधी जीवन दर्शन समिति के जिला संयोजक ने बताया कि पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत का 75 वां जन्मदिन जन सेवा दिवस के रूप में मनाया सुबह 10:00 वृद्ध आश्रम धौलपुर में वृद्ध जनों को दूध जलेबी फल मिष्ठान आदि से भोजन कराया कराया भीषण गर्मी में महात्मा गांधी जीवन दर्शन समिति के स्टेशन रोड स्थित कार्यालय राहगीरों एवं आमजन के लिए शरबत एवं ठंडा जल वितरण किया गया एवं महारानी कमला देवी राजकीय चिकित्सालय धौलपुर में मरीजों एवं परिजनों को फल वितरण किया कर पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के उत्तम स्वास्थ्य दीघार्यु की कामना की इस अवसर पर कांग्रेस के वरिष्ठ नेता प्रमुख गांधीवादी पूर्व कांग्रेस जिला अध्यक्ष पं.दुर्गा दत्त शास्त्री ने कहा कि जननायक अशोक गहलोत का जीवन निरंतर जन सेवा एवं सादगी के लिए समर्पित रहा है आज उनका जन्मदिन जन सेवा संकल दिवस के रूप में गांधी दर्शन एवं कांग्रेस के पदाधिकारी एवं कार्यकताओं ने सादगी से मना रहे हैं गहलोत सरकार में उनके द्वारा किए हुए कार्यों का गुणगान जनता कर रही है।

दीवान ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशन्स में करियर काउंसलिंग कार्यक्रम का भव्य आयोजन

राजेंद्र सिंह

मेरठ(वेलकम इंडिया)। मेरठ दीवान ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशन्स में रविवार को प्रातः 09:00 बजे करियर काउंसलिंग कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम माय प्लेसमेंट एजुकेशन ट्रस्ट एवं एरा ग्लोबल एजुकेशन के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित किया गया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य छात्र-छात्राओं को आधुनिक शिक्षा, नए पाठ्यक्रमों, रोजगार के अवसरों एवं सही करियर चयन के प्रति जागरूक करना रहा।दीवान ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशन्स क्षेत्र में गुणवत्तापूर्ण तकनीकी एवं व्यावसायिक शिक्षा प्रदान करने के लिए जाना जाता है।

संस्थान विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास, कौशल उन्नयन एवं रोजगारोन्मुखी शिक्षा पर विशेष ध्यान देता है। इसी क्रम में आयोजित यह

कार्यक्रम विद्यार्थियों को सही दिशा देने एवं उनके उज्ज्वल भविष्य के निर्माण की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल साबित हुआ।

कार्यक्रम का शुभारंभ डीन एकेडमिक्स डॉ. शेखर पुंडीर द्वारा दीप प्रज्वलन कर किया गया। अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में सही करियर चयन विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की आधारशिला है तथा इस प्रकार के कार्यक्रम युवाओं को उचित मार्गदर्शन प्रदान करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।उन्होंने कहा कि करियर काउंसलिंग का उद्देश्य केवल विद्यार्थियों को विभिन्न पाठ्यक्रमों की जानकारी देना ही नहीं, बल्कि उनकी रुचि, क्षमता एवं भविष्य की संभावनाओं के अनुरूप सही दिशा प्रदान करना भी है।

इस दौरान विद्यार्थियों को नई शिक्षा नीति, व्यावसायिक पाठ्यक्रम, कौशल आधारित शिक्षा तथा रोजगारोन्मुखी कोर्सों के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। कार्यक्रम में विशेषज्ञ परामर्श, करियर मार्गदर्शन एवं भविष्य की संभावनाओं से संबंधित विशेष सत्र आयोजित किए गए। लगभग 567 विद्यार्थियों ने कार्यक्रम में प्रतिभाग कर विभिन्न पाठ्यक्रमों, उच्च शिक्षा, व्यावसायिक करियर एवं रोजगार के अवसरों से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारी प्राप्त की। विद्यार्थियों ने इंजीनियरिंग, प्रबंधन, सूचना प्रौद्योगिकी, होटल प्रबंधन, शिक्षा एवं अन्य उभरते क्षेत्रों से जुड़े प्रश्नों के उत्तर भी विशेषज्ञों से प्राप्त किए।कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों एवं अभिभावकों ने विशेषज्ञों के साथ संवाद कर अपने भविष्य की योजनाओं पर चर्चा की।

अभिभावकों ने इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे कार्यक्रम विद्यार्थियों को सही समय पर उचित मार्गदर्शन प्रदान करते हैं, जिससे वे अपने करियर को लेकर बेहतर निर्णय ले सकते हैं।

संस्थान प्रबंधन ने बताया कि दीवान ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशन्स का उद्देश्य विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, सही मार्गदर्शन एवं बेहतर अवसर प्रदान कर उन्हें आत्मनिर्भर एवं सफल बनाना है। संस्थान छात्र-छात्राओं को शत-प्रतिशत प्लेसमेंट के अवसर उपलब्ध कराने के लिए निरंतर प्रयासरत है तथा यहां के विद्यार्थी देश-विदेश की प्रतिष्ठित मल्टीनेशनल कंपनियों में कार्यरत हैं।कार्यक्रम का मंच संचालन डॉ. प्रतिभा सुखरूप द्वारा प्रभावी एवं आकर्षक ढंग से किया गया।

कार्यक्रम को सफल बनाने में डॉ. विकास भारद्वाज, धर्मवीर सिंह एवं रॉबिन यादव का विशेष योगदान रहा। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में छात्र-छात्राओं एवं अभिभावकों की उपस्थिति ने आयोजन को अत्यंत सफल एवं प्रेरणादायक बना दिया। कॉलेज प्रबंधन ने कार्यक्रम की सराहना करते हुए भविष्य में भी ऐसे आयोजन निरंतर कराने की बात कही।

तथागत गौतम बुद्ध जयंती पर 'रन फॉर पीस' का आयोजन, 1600 मीटर दौड़ में खिलाड़ियों ने दिखाया उत्साह

राजेंद्र सिंह

मेरठ(वेलकम इंडिया)। बहुजन संस्कृतिकरण संघ के तत्वावधान में सुभारती मेडिकल कॉलेज ग्राउंड, मेरठ में तथागत गौतम बुद्ध जी के जन्मदिवस के अवसर पर 'रन फॉर पीस' कार्यक्रम के अंतर्गत 1600 मीटर दौड़ प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में लगभग 100 प्रतिभागियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। महिला एवं पुरुष वर्ग के लिए अलग-अलग दौड़ प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं।पुरुष वर्ग में जतिन ने 4 मिनट 43 सेकंड का समय निकालकर प्रथम स्थान प्राप्त किया, जबकि विनय ने 4 मिनट 44 सेकंड के साथ द्वितीय तथा पारूल यादव ने 4 मिनट 47 सेकंड के साथ तृतीय स्थान प्राप्त किया।महिला वर्ग में मनु मलिक ने 6 मिनट 30 सेकंड के समय के साथ प्रथम स्थान हासिल किया। प्रियंका ने 7 मिनट 17 सेकंड के साथ द्वितीय तथा पारूल यादव ने 8 मिनट 04 सेकंड के साथ तृतीय स्थान प्राप्त किया। प्रतियोगिता में विजेता प्रतिभागियों को मेडल एवं प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में मुख्य रूप से राष्ट्रीय अध्यक्ष एडवोकेट नानक चंद, महासचिव नवीन गौतम, राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष एडवोकेट के.पी. सिंह, राष्ट्रीय विधिक सलाहकार एडवोकेट वी.पी. सिंह, राष्ट्रीय संगठन मंत्री डॉ. कपिल गौतम, मुख्य अतिथि एवं राष्ट्रीय धावक अंकुर कुमार, डॉ. पवन कुमार (पश्चिम उत्तर प्रदेश प्रभारी), सुरेंद्र खेड़ा (प्रदेश सचिव), तरुण कुमार (एनसीआर प्रभारी), सीमांत गौतम (पश्चिम उत्तर प्रदेश प्रभारी), सतेंद्र फौजी (उत्तराखंड प्रभारी), प्रताप लोहिया (जिला पंचायत सदस्य), गौरव जेवरी, नितिन केन (जिला अध्यक्ष गाजियाबाद), पंकज कुमार (जिला मुजफ्फरनगर) सहित अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे।हापुड़ के राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष एडवोकेट के.पी. सिंह ने बताया कि संगठन द्वारा जल्द ही हापुड़ में भी इस प्रकार का 'रन फॉर पीस' कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा।

कार्यक्रम में उपस्थित सभी अतिथियों को मोमेंटो देकर सम्मानित किया गया। आयोजन को प्रतिभागियों, अभिभावकों एवं उपस्थित लोगों ने खूब सराहा। कार्यक्रम की विशेष बात यह रही कि एक मां और बेटी ने एक साथ दौड़ में हिस्सा लिया, जिसमें बेटी ने प्रथम स्थान प्राप्त किया जबकि मां ने चौथा स्थान हासिल कर सभी का उत्साह बढ़ाया।

शाहजहांपुर में मैंगो ट्रेडिंग हब का भव्य शुभारंभ 8 मई को

वेलकम इंडिया संवाददाता

मेरठ। कस्बा शाहजहांपुर में आम व्यापार को नई दिशा देने के उद्देश्य से मैंगो ट्रेडिंग हब का भव्य उद्घाटन समारोह 8 मई 2026 को आयोजित किया जाएगा। यह कार्यक्रम मेरठ-गढ़ रोड स्थित शाहजहांपुर में, शहनाई रिसॉर्ट के पास शाम 5 बजे शुरू होगा। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि किठौर विधायक एवं पूर्व मंत्री शाहिद मंजूर होंगे, जबकि विशिष्ट अतिथि के रूप में सामाजिक कार्यकर्ता, मनोवैज्ञानिक एवं राजनेता योगेन्द्र यादव उपस्थित रहेंगे। आयोजकों के अनुसार, यह ट्रेडिंग हब क्षेत्र में आम के व्यापार को बढ़ावा देने के साथ-साथ स्थानीय किसानों और व्यापारियों के लिए नए अवसर पैदा करेगा। मैंगो ट्रेडिंग हब को शाहजहांपुर की आर्थिक प्रगति की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। संस्थापकों फहीम खान और अलीम खान ने बताया कि इस हब के शुरू होने से शाहजहांपुर क्षेत्र में ट्रैफिक जाम की समस्या से भी काफी हद तक राहत मिलेगी, क्योंकि आम के व्यापार के लिए एक व्यवस्थित और केंद्रीकृत स्थान उपलब्ध हो जाएगा। समारोह में क्षेत्र के गणमान्य नागरिकों, व्यापारियों और आमजन को आमंत्रित किया गया है। आयोजन समिति ने अधिक से अधिक लोगों से कार्यक्रम में शामिल होकर इस नई पहल का हिस्सा बनने की अपील की है।

राष्ट्रीय सनातन संघ की बैठक संपन्न, नए पदाधिकारियों की घोषणा

संदीप तिवारी

वाराणसी चोलापुर(वेलकम इंडिया)। राष्ट्रीय सनातन संघ की मंडल स्तरीय समीक्षा बैठक शनिवार को विकासखंड चोलापुर स्थित खंड शिक्षा अधिकारी कार्यालय के सभागार में संपन्न हुई। बैठक में राष्ट्रीय, प्रदेश, मंडल, जिला एवं नगर स्तर के पदाधिकारी और सदस्य बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।कार्यक्रम का शुभारंभ गणेश वंदना एवं सरस्वती वंदना से किया गया। तत्पश्चात मंडल प्रभारी विजय शंकर चौबे एवं मंडल अध्यक्ष सुमन पांडेय ने राष्ट्रीय अध्यक्ष कन्हैया पांडेय का अंगवस्त्र एवं माला पहनाकर स्वागत किया। राष्ट्रीय प्रभारी देवेंद्र पांडेय का स्वागत जिला प्रभारी शिवपूजन सिंह एवं जिला अध्यक्ष सत्य प्रकाश चतुर्वेदी ने किया। वहीं राष्ट्रीय प्रवक्ता योगेश श्रीवास्तव, राष्ट्रीय वरिष्ठ उपाध्यक्ष सर्वेश सिंह, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष सूरज चौधरी तथा प्रदेश संरक्षक नागेश्वर सिंह का स्वागत नगर अध्यक्ष अवधेश सिंह एवं नगर प्रभारी राजेश त्रिपाठी ने किया।

बैठक के मुख्य बिंदु

गौतम खट्टर की रिहाई एवं मनीष सिंह को न्याय: प्रशासन द्वारा अपराधियों की त्वरित गिरफ्तारी न किए जाने पर जिला मुख्यालय पर धरना-प्रदर्शन करने की रणनीति पर चर्चा हुई।

नए पदाधिकारियों का मनोनयन: राहुल पांडेय को प्रदेश अध्यक्ष, आनंद राय को मंडल महासचिव, प्रवीण पांडेय को मंडल उपाध्यक्ष, विवेक राय एवं जितेंद्र पांडेय को जिला उपाध्यक्ष, अजय सिंह तथा आनंद मोहन कुशवाहा को जनसंपर्क सचिव मनोनीत किया गया। अपने संबोधन में राष्ट्रीय प्रवक्ता योगेश श्रीवास्तव ने कहा, ₹सनातन शाश्वत है। हम जन्म से सनातनी हैं। सनातन ही एकमात्र धर्म है, शेष सभी पंथ हैं।₹ राष्ट्रीय वरिष्ठ उपाध्यक्ष सर्वेश सिंह ने संगठन को मंडल स्तर पर सशक्त करने पर बल दिया। राष्ट्रीय उपाध्यक्ष सूरज चौधरी ने कहा कि वाराणसी के प्रत्येक गांव तक पहुंचकर संगठन को जमीनी स्तर पर मजबूत किया जाएगा तथा हर घर से एक सदस्य जोड़ा जाएगा। राष्ट्रीय प्रभारी देवेंद्र पांडेय ने वाराणसी के प्रत्येक गांव में सनातन संस्कार प्रशिक्षण केंद्र खोलकर 5 से 15 वर्ष के बच्चों को सनातन संस्कार देने की योजना प्रस्तुत की।राष्ट्रीय अध्यक्ष कन्हैया पांडेय ने संगठन में अनुशासन, राष्ट्रभक्ति एवं देशप्रेम को सर्वोपरि बताते हुए सभी पहलुओं पर संगठन को मजबूत करने का आह्वान किया। उल्लेखनीय है कि राष्ट्रीय सनातन संघ, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के वरिष्ठ प्रचारक एवं राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य मा. इंद्रेश कुमार जी, अखिल भारतीय संत समिति के महामंत्री स्वामी जितेंद्रानंद सरस्वती जी महाराज तथा बीएचयू विश्वनाथ मंदिर के मुख्य न्यासी एवं राष्ट्रीय सलाहकार बृजभूषण ओझा जी के संरक्षण एवं मार्गदर्शन में संचालित होता है। कार्यक्रम में सनी कनौजिया, लकी कुमार, धीरेंद्र कुमार, अमित पांडे, राकेश सिंह, बलराम पांडे, संजीव सिंह सहित सैकड़ों पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

मारपीट की महिला ने कराई रिपोर्ट दर्ज

शिकारपुर(वेलकम इंडिया)। अहमदगढ़ थाना क्षेत्र के गांव बाद में महिला के पति के साथ दबंगों ने की मारपीट रिपोर्ट दर्ज। प्राप्त जानकारी के अनुसार सुधा पत्नी उषा सिंह ने बताया है कि मेरे ही गांव बाद के लोगों ने मेरे पति के साथ गाली गलौज मारपीट की है जिससे मेरे पति की हालत खराब है जिनके गाल पर गंभीर चोट लगी है। उधर पीड़ित महिला ने गांव के पांच लोगों के खिलाफ नामजद तहरीर देकर रिपोर्ट दर्ज कराई है। मारपीट करने वाले आरोपी लाला, नरेश, बीरू, मेबा, पुत्रगण तुलेराम एवं रिंकू पुत्र बीरू निवासी गांव बाद थाना अहमदगढ़ के रहने वाले है। इन सभी के खिलाफ पीड़ित सुधा ने मारपीट की रिपोर्ट दर्ज कराई है। उधर अहमदगढ़ थाना प्रभारी निरीक्षक वीडी गंगवार ने बताया है पीड़ित महिला की तहरीर के आधार पर रिपोर्ट दर्ज पुलिस ने जांच पड़ताल शुरू कर दी है।

हाई कोर्ट ने दो महिलाओं समेत 6 आरोपियों की गिरफ्तारी पर रोक लगाई

शिकारपुर(वेलकम इंडिया)। हाई कोर्ट इलाहाबाद की दो सदस्यीय बेंच ने शिकारपुर के कृष्ण कुमार सरस्वती शिशु विद्या मंदिर जूनियर हाई स्कूल की प्रबंध समिति के दो गुटों में हुए झगड़े के बाद दो महिलाओं समेत 6 लोगों की गिरफ्तारी पर सुनवाई की अगली तिथि तक गिरफ्तार नहीं किए जाने के आदेश जारी किए हैं। न्यायमूर्ति पदम नरेन मिश्रा और न्यायमूर्ति राजीव मिश्रा की खंडपीठ ने अधिवक्ता महेश शर्मा एवं अरविंद कुमार वर्मा द्वारा दायर किए गए स्थगन आवेदन संख्या 9571/ 2026 में शिकारपुर निवासी रेनू गर्ग, सूर्यांश गर्ग, कान्हा गर्ग उर्फ उत्सव गर्ग, रुचि गर्ग, जगदीश आर्य और कपिल आर्य के खिलाफ गत 18 अप्रैल 2026 को विभिन्न धाराओं में शिकारपुर कोतवाली में दर्ज हुए मामले में सरकारी वकील द्वारा मामले में निर्देश प्राप्त नहीं होने की बात कहने पर सुनवाई को स्थगित कर दिया। पीठ ने मामले को 27 मई 2026 को पीठ के समक्ष नए मामले के रूप में पुनः पेश करने के आदेश देते हुए कहा है, चूंकि वर्तमान रिट याचिका की सुनवाई केवल उपरोक्त आधार पर स्थगित की गई है इसलिए अंतरिम उपाय के रूप में याचिका को प्रश्नगत प्राथमिकी 18 अप्रैल 2026 से उत्पन्न केस अपराध संख्या 153 / 2026 में सुनवाई की अगली निर्धारित तिथि तक गिरफ्तार नहीं किए जाने के आदेश जारी किए हैं। इस संबंध में उत्तर प्रदेश राज्य प्रमुख सचिव गृह, थाना प्रभारी शिकारपुर, देवी शरण मित्तल और थाना प्रभारी शिकारपुर यज्ञदत्त शर्मा को प्रतिवादी बनाया गया है।

सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र बना जंग का अखाड़ा

वेलकम इंडिया संवाददाता

शिकारपुर/बुलंदशहर। शिकारपुर नगर के सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र में उस वक्त अफरातफरी मच गई जब अस्पताल की सुरक्षा में तैनात एक गार्ड ने मरीजों और उनके तीमारदारों के साथ अभद्रता और मारपीट करने का आरोप लगा प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार अस्पताल परिसर में जम कर लाठी-डंडे चले जिससे वहां मौजूद मरीजों में दहशत फैल गई गाली-गलौज और बदतमीजी का अस्पताल में उपचार कराने आए मरीजों का आरोप है कि तैनात सुरक्षा गार्ड ने मामूली बात पर उनके साथ बदतमीजी शुरू कर दी हद तो तब हो गई जब गार्ड ने सरेआम भद्दी-भद्दी गालियां देनी शुरू कर दी विरोध करने पर मामला इतना बढ़ गया कि नौबत मारपीट तक आ पहुंची मरीजों का कहना

है कि जिस गार्ड को रक्षक के रूप में तैनात किया गया था वहीं भक्षक के रूप में नजर आया अस्पताल परिसर में मची अफरातफरी मारपीट की इस घटना के दौरान अस्पताल में इलाज कराने आए अन्य मरीज और महिलाएं अपनी जान बचा कर इधर-उधर भागते नजर आए आरोप है कि अस्पताल प्रशासन की ढिलाई के कारण गार्ड के हौसले बुलन्द है जिससे आए दिन तीमारदारों को इस तरह के दुर्व्यवहार का सामना करना पड़ता है प्रशासनिक जवाबदेही पर सवाल सरकारी अस्पतालों में तैनात कर्मचारी और सुरक्षाकर्मियों का इस तरह का अमानवीय व्यवहार स्वास्थ्य विभाग की कार्यप्रणाली पर गम्भीर सवाल खड़े करता है पीड़ित मरीजों ने स्थानीय प्रशासन और स्वास्थ्य विभाग के उच्चाधिकारियों से आरोपी गार्ड के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है अब देखना यह होगा कि इस मामले में अस्पताल प्रभारी और पुलिस प्रशासन क्या कदम उठाता है ताकि भविष्य में किसी मरीज को अस्पताल में इलाज के बजाय लाठी-डंडे और गालियां न खानी पड़ें वही जब इस मामले में सीएचसी प्रभारी शिकारपुर शशि शेखर सिंह से वार्ता की गई।

एसएसपी ने सात प्रभारी निरीक्षकों का कार्यक्षेत्र बदला

वेलकम इंडिया संवाददाता

बुलंदशहर। एसएसपी दिनेश कुमार सिंह ने शनिवार की देर रात सात प्रभारी निरीक्षकों के कार्य क्षेत्र बदल दिए हैं। एसएसपी ने बताया कि जनसूचना/पासपोर्ट एवं वीआईपी सेल के प्रभारी जितेंद्र कुमार दूबे को प्रभारी निरीक्षक अनूपशहर, प्रभारी निरीक्षक अनूपशहर धर्मेंद्र कुमार शर्मा को प्रभारी निरीक्षक गुलावठी, प्रभारी निरीक्षक गुलावठी शैलेंद्र प्रताप सिंह को प्रभारी निरीक्षक सिकंदराबाद, स्वाट टीम के प्रभारी मोहम्मद असलम को प्रभारी निरीक्षक औरंगाबाद, प्रभारी निरीक्षक औरंगाबाद राम नारायन सिंह को प्रभारी निरीक्षक स्याना, प्रभारी निरीक्षक स्याना रवि रतन सिंह को प्रभारी निरीक्षक कोतवाली देहात और पुलिस लाइन से निरीक्षक कविश कुमार को जनसूचना/पासपोर्ट एवं वीआईपी सेल का प्रभारी बनाया गया है।

पीएम श्री राजकीय बालिका इंटर कॉलेज में एनडीआरएफ ने सिखाए आपदा प्रबंधन के गुर

वेलकम इंडिया संवाददाता

डिबाई। पीएम श्री राजकीय बालिका इंटर कॉलेज में एनडीआरएफ 8वीं बटालियन गाजियाबाद (शिविर कार्यालय नरौरा) की टीम ने छात्राओं को आपदा से बचाव के तरीके सिखाए। टीम का नेतृत्व इंस्पेक्टर पूजा वर्मा ने किया। प्रशिक्षण के दौरान छात्राओं को बाढ़, भूकंप, आग लगने तथा सर्पदंश जैसी आपदाओं में बचाव के उपाय बताए गए। साथ ही डूबने की स्थिति में कृत्रिम श्वसन (उढफ) देने का डेमो भी कराया गया। छात्राओं ने भी पूर्व में सीखे गए डेमो प्रस्तुत कर अपनी समझ का प्रदर्शन किया। कार्यक्रम में एनडीआरएफ टीम के हवलदार पुनीत, सतीश, राजेंद्र, कांस्टेबल प्रशांत कुमार, मंडल व शीशराम की महत्वपूर्ण भूमिका रही। छात्राओं में अलीमा, दिव्या, रहनुमा आदि ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। प्रभारी प्रधानाचार्य अखलेश कुमार ने एनडीआरएफ टीम का स्वागत किया। इस अवसर पर लक्ष्मीकांत, प्रमोद कुमार, वीर प्रताप सिंह, हरेंद्र सिंह, पीयूष कुमार, अजय कुमार, काजल व इकरा सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

प्रेमी के घर पहुंची युवती को जिंदा जलाया, आठ दिन मौत से लड़ती रही जिंदगी की जंग आज हार गई

वेलकम इंडिया संवाददाता

शिकारपुर/बुलंदशहर। जनपद के अहमदगढ़ थाना क्षेत्र के सालवानपुर गांव में प्रेम-प्रसंग के चलते एक ऐसी वारदात सामने आई, जिसने पूरे इलाके को झकझोर कर रख दिया। प्रेमी की सगाई की सूचना मिलने पर उसके घर पहुंची युवती को कथित तौर पर प्रेमी और उसके परिजनों ने पेट्रोल डालकर जिंदा जला दिया।

करीब आठ दिन तक जिंदगी और मौत से संघर्ष करने के बाद दिल्ली के सफदरजंग अस्पताल में युवती ने दम तोड़ दिया। युवती की मौत के बाद परिवार में कोहराम मचा हुआ है।

प्रेमी का दूसरी जगह रिश्ता तय होने की खबर सुनकर पहुंची थी युवती प्रेमी के घर,फिर बन गई मौत की कहानी बताया जा रहा है कि युवती का अहमदगढ़ थाना क्षेत्र के गांव सालवाहनपुर युवक आशीष से प्रेम-प्रसंग चल रहा था।

इसी बीच युवक की दूसरी जगह रिश्ता तय होने की सूचना मिलने पर युवती उसके घर पहुंच गई। आरोप है कि वहां कहासुनी के बाद प्रेमी और उसके परिजनों ने युवती पर पेट्रोल डालकर आग लगा दी। देखते ही देखते युवती आग की लपटों में घिर गई और चीख-पुकार मच गई।

घटना से गांव में अफरा-तफरी फैल गई। सूचना मिलते ही अहमदगढ़ थाना पुलिस और 112 पीआरबी मौके पर पहुंची।

पुलिस ने गंभीर रूप से झुलसी युवती को तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र शिकारपुर में भर्ती कराया, जहां से हालत गंभीर होने

पर उसे दिल्ली के सफदरजंग अस्पताल रेफर कर दिया गया था।

90 प्रतिशत झुलसी युवती आखिर जिंदगी की जंग हार गई

डॉक्टरों के अनुसार युवती करीब 90 प्रतिशत तक जल चुकी थी। आठ दिन तक मौत से जंग लड़ने के बाद आखिरकार उसने अस्पताल में दम तोड़ दिया। युवती की मौत की खबर मिलते ही परिवार में मातम छा गया। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है।

प्रेमी समेत पांच पर मुकदमा दर्ज किया गया है, लेकिन बाकी आरोपी अभी भी फरार है।

पीड़ित परिवार की तहरीर पर अहमदगढ़ थाने में प्रेमी समेत पांच लोगों के खिलाफ गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज किया गया था। पुलिस ने मुख्य आरोपी प्रेमी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया है, लेकिन घटना के आठ दिन बाद भी अन्य आरोपी पुलिस की पकड़ से बाहर हैं।

इसी को लेकर अब पुलिस की कार्यशैली पर सवाल खड़े होने लगे हैं। लोगों का कहना है कि युवती को जिंदा जलाने जैसे जघन्य अपराध में भी पुलिस बाकी आरोपियों को गिरफ्तार नहीं कर पाई है।

पुलिस की कार्रवाई पर उठे सवाल

स्थानीय लोगों में इस बात को लेकर भारी आक्रोश है कि इतने गंभीर मामले में भी आरोपी फरार हैं। ग्रामीणों का कहना है कि यदि समय रहते सभी आरोपियों को गिरफ्तार नहीं किया गया तो क्षेत्र में तनाव बढ़ सकता है।

उधर शनिवार शाम को मृतका कशिश के परिजन दिल्ली से शव को लेकर शिकारपुर के मौहल्ला मूर्ति विहार पहुंचे जहां बेटी के शव को देखकर माता पिता और परिजन दहाड़ मारकर रोने लगे। परिजनों ने पुलिस प्रशासन से दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने की मांग की है।

उधर पुलिस प्रशासन के आश्वासन के बाद परिजन अंतिम संस्कार के लिए बेटी के शव को अनूपशहर के मस्तराम घाट पर ले गए जहां पर गमगीन माहौल में अंतिम संस्कार किया गया है। वही सीओ शशांक श्रीवास्तव ने परिजनों को सख्त कार्रवाई का आश्वासन दिया है।

उधर एसपी देहात अंतरिक्ष जैन ने बताया है कि सभी पांचों आरोपियों पर 25-25 हजार रुपए का ईनाम घोषित किया है। उधर घटना में फरार आरोपियों की धरपकड़ के लिए 06 पुलिस की टीम लगी हुई है जल्द ही सभी आरोपियों को गिरफ्तार किया जाएगा।

चाकू के साथ गिरफ्तार

शिकारपुर(वेलकम इंडिया)। सलेमपुर थाना पुलिस ने गांव आजमपुर दरियापुर निवासी पवन पुत्र प्रेमचंद को गांव रोड से एक चाकू के साथ गिरफ्तार किया है।

घर में घुसकर सास बहू से की गाली गलौज रिपोर्ट दर्ज

शिकारपुर(वेलकम इंडिया)। अहमदगढ़ थाना क्षेत्र के गांव डबका में गांव निवासी एक व्यक्ति ने घर में घुसकर सास बहू के साथ गाली गलौज की। इंद्रपाल सिंह पुत्र हंसराज सिंह ने बताया कि घर पर उसकी पत्नी और पुत्रवधू अकेली थीं। गांव निवासी नितिन पुत्र अर्जुन सिंह घर में घुस गया और गाली गलौज की। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ नामजद मुकदमा दर्ज किया है।

एसएसपी के आदेश पर दो लोगों के विरुद्ध रिपोर्ट दर्ज पुलिस जांच में जुटी

बुलंदशहर(वेलकम इंडिया)। एसएसपी के आदेश पर कोर्ट परिसर में जाति सूचक शब्दों का प्रयोग कर मारपीट करने वाले दो लोगों के खिलाफ हुई रिपोर्ट दर्ज। पुलिस क्षेत्राधिकारी मधुप कुमार सिंह डिबाई इस प्रकरण की करेंगे जांच। आपको बता दें थाना रामघाट क्षेत्र के जरगवां निवासी भगवती पुत्र रामस्वरूप का विशाल पुत्र राजेश के बीच एससी/एसटी एक्ट का मुकदमा चल रहा था जिसकी गवाही कराने के लिए 8 अप्रैल को भगवती अपनी पत्नी संतोष को लेकर एडीजे एससी-एसटी कोर्ट से बाहर कोर्ट परिसर बुलंदशहर में समय करीब 11 बजे बाहर आया तो उसी दौरान आरोपी नामजद विष्णु उर्फ विशाल यादव पुत्र राजेश एवं राजेश पुत्र शिव सिंह यादव निवासी जरगवां ने गवाही देने आई सन्तोष को जातिसूचक शब्दों का प्रयोग करते हुए अश्लील गाली गलौज देते हुए मारपीट करने लगे उसी दौरान मौके पर जरगवा गांव के एक संभ्रांत व्यक्ति आ गए जिन्होंने उस महिला को बचाया तो उनसे भी बदतमीजी करने लगे जिसकी दोनों लोगों के खिलाफ रामघाट थाने में एसएसपी बुलंदशहर के आदेश पर रिपोर्ट दर्ज की गई है। जिसकी जांच पुलिस क्षेत्राधिकारी मधुप कुमार सिंह डिबाई करेंगे।

डी.पी.एस. मोदीनगर में साइबर शिक्षा पर जागरूकता सत्र का सफल आयोजन

अनिल वशिष्ठ

मोदीनगर(वेलकम इंडिया)। दिल्ली पब्लिक स्कूल, मोदीनगर में साइबर शिक्षा विषय पर एक जागरूकता सत्र का सफल आयोजन किया गया। इस सत्र का उद्देश्य विद्यार्थियों को डिजिटल प्लेटफॉर्म के सुरक्षित एवं जिम्मेदार उपयोग के प्रति जागरूक करना था। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में डॉ. सोनम तोमर, जो मेरठ इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी के कंप्यूटर एप्लिकेशन विभाग में सहायक प्राध्यापक के रूप में कार्यरत हैं, अपने चार विद्यार्थियों– समीर कुमार, सौरव कुमार, सत्यम कुमार एवं संभव सुमंग–के साथ उपस्थित रहे।

कार्यक्रम में विद्यालय के चेयरमैन डॉ. विक्रम गांधी एवं ट्रस्टी श्रीमती अनीशा गांधी की गरिमामयी उपस्थिति रही। मुख्य वक्ता डॉ. सोनम तोमर ने विद्यार्थियों को साइबर शिक्षा के महत्वपूर्ण पहलुओं से अवगत कराया। उन्होंने डिजिटल प्लेटफॉर्म के सही उपयोग एवं दुरुपयोग के बारे में विस्तार से जानकारी दी तथा बताया कि किस प्रकार हम अपनी व्यक्तिगत जानकारी को सुरक्षित रख सकते हैं। उन्होंने पासवर्ड सुरक्षा, फिशिंग से बचाव, सोशल मीडिया के जिम्मेदार उपयोग और ऑनलाइन धोखाधड़ी से बचने के प्रभावी उपाय भी साझा किए।

इस सत्र के माध्यम से विद्यार्थियों को डिजिटल दुनिया में सतर्क एवं जागरूक रहने की प्रेरणा मिली। विद्यालय के चेयरमैन डॉ. विक्रम गांधी ने छात्रों को संबोधित करते हुए कहा कि मुझे विश्वास है कि आज प्राप्त ज्ञान आप सभी को डिजिटल माध्यमों का सुरक्षित एवं सही उपयोग करने के लिए प्रेरित करेगा। हमारा उद्देश्य केवल शिक्षा देना नहीं, बल्कि आपको एक जागरूक और जिम्मेदार नागरिक बनाना है।

विद्यालय की ट्रस्टी श्रीमती अनीशा गांधी ने कहा कि डिजिटल प्लेटफॉर्म हमारे जीवन को आसान बनाते हैं, लेकिन यदि हम सावधान न रहें, तो यही साधन हमारे लिए चुनौती भी बन सकते हैं। इसलिए आवश्यक है कि हम तकनीक का उपयोग समझदारी और जिम्मेदारी के साथ करें। विद्यालय की प्रधानाचार्या डॉ. ज्योति सिरोही ने अपने सम्बोधन में कहा कि हमारा विद्यालय सदैव विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए प्रयासरत रहता है। इसी उद्देश्य से ऐसे जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं, ताकि विद्यार्थी न केवल शैक्षणिक रूप से, बल्कि जीवन कौशल में भी दक्ष बन सकें। कार्यक्रम का समापन विद्यालय के हैडमास्टर श्री अंकित गालयान के धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ । यह आयोजन विद्यार्थियों के लिए अत्यंत ज्ञानवर्धक एवं प्रेरणादायक सिद्ध हुआ।

मोदीनगर के होनहार खिलाड़ी ओम शर्मा बने 'मैन ऑफ द मैच', शानदार शतक से जीता दिल

अनिल वशिष्ठ

मोदीनगर(वेलकम इंडिया)। एस एच क्रिकेट अकादमी, हापुड़ में खेले गए अंडर-14 लिमिटेड ओवर्स मुकाबले में शताब्दी क्रिकेट अकादमी (कदराबाद) के प्रतिभाशाली बल्लेबाज ओम शर्मा ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 'मैन ऑफ द मैच' का खिताब अपने नाम किया।मोडीनगर निवासी एवं दयावती मोदी पब्लिक स्कूल के छात्र ओम शर्मा ने अपनी बेहतरीन बल्लेबाजी से मैच को यादगार बना दिया। उन्होंने मात्र 99 गेंदों में 139 रनों की विस्फोटक पारी खेली, जिसमें 21 चौके और 4 छक्के शामिल रहे। उनका स्ट्राइक रेट 140.4 रहा, जो उनके आत्मविश्वास और आक्रामक खेल शैली को दशार्ता है।ओम शर्मा की इस शानदार पारी की बदौलत उनकी टीम ने 34.4 ओवर में 268/8 का मजबूत स्कोर खड़ा किया। उनकी बल्लेबाजी के दौरान मैदान पर चारों ओर आकर्षक शॉट्स देखने को मिले, जिससे दर्शकों में खासा उत्साह रहा। लक्ष्य का पीछा करने उतरी एस एच क्रिकेट अकादमी, हापुड़ की टीम 25वें ओवर में 189 रनों पर ऑल आउट हो गई। इस प्रकार शताब्दी क्रिकेट अकादमी ने मुकाबले में शानदार जीत दर्ज की। यह मुकाबला एस एच क्रिकेट अकादमी, हापुड़ के विरुद्ध खेला गया, जिसमें ओम शर्मा का प्रदर्शन मैच का सबसे बड़ा आकर्षण रहा और उन्होंने अपनी टीम को जीत दिलाने में अहम भूमिका निभाई। ओम शर्मा की इस सफलता के पीछे उनके कोच आदेश यादव का विशेष योगदान रहा, जिन्होंने उनकी तकनीक, अनुशासन और खेल के प्रति समर्पण को निखारने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। मुख्य आकर्षणः मैन ऑफ द मैच झ ओम शर्मा, अंडर-14 श्रेणी का मुकाबला, 139 रन (99 गेंद), 21 चौके, 4 छक्के, स्ट्राइक रेटः 140.4, टीम स्कोरः 268/8, विपक्षी टीमः 189 ऑल आउट (25 ओवर)। ओम शर्मा का यह प्रदर्शन उनके उज्ज्वल भविष्य का संकेत है और निश्चित रूप से वह आने वाले समय में बड़े स्तर पर अपनी पहचान बनाएंगे। यह उपलब्धि क्षेत्र के युवा खिलाड़ियों के लिए भी प्रेरणादायक है।

भाजपा नेत्री अलका चौधरी ने अपनी मां का 60वां जन्मदिन धूमधाम से मनाया

अनिल वशिष्ठ

मोदीनगर(वेलकम इंडिया)। मोदीनगर की भाजपा नेत्री एवं भोजपुर मंडल अध्यक्ष अलका चौधरी द्वारा अपनी पूज्य माता प्रेम वती का 60वां जन्मदिन धूमधाम से मनाया।

इस अवसर पर क्षेत्र से जुड़े गणमान्य व्यक्ति भी उपस्थित रहे। रविवार को जन्मोत्सव कार्यक्रम का शुभारंभ विधिवत रूप से हवन पूजन एवं भजन कीर्तन के साथ हुआ।इस अवसर पर भाजपा की प्रदेश मंत्री रुचि गर्ग सहित मोदीनगर पालिका चेयरमैन ने विशेष रूप से उपस्थित होकर माता प्रेम वती को फूलों का गुलदस्ता भेंट कर उनकी लंबी उम्र की कामना की। जन्मदिन समारोह में शामिल रहे मुख्य लोगों में सेन समाज अध्यक्ष रवि दत्त सेन,बिट्टू बिश्नोई,कपिल,अक्षय,राजू,मोहित त्यागी,अनुज त्यागी, सुमित त्यागी, प्रदीप सैनी, अनुज शर्मा,मुकेश शर्मा,पप्पू चौधरी,विजय लक्ष्मी,पूजा , आरती,सीखा,शीतल,पूनम, रजनी,दीपा,संगीता,कविता, संतोष सहित मोदीनगर ग्रामीण क्षेत्र से जुड़े सैकड़ों गणमान्य नागरिक,समाजसेवी एवं महिला कार्यकर्ता और युवा साथी उपस्थित रहे।

विद्यालय प्रबंधन और अभिभावक प्रतिनिधियों के बीच आयोजित हुई महत्वपूर्ण बैठक

फीस में राहत के साथ नए नियम लागू

अनिल वशिष्ठ

मोदीनगर(वेलकम इंडिया)। दयावती मोदी पब्लिक स्कूल, मोदीनगर में फीस वृद्धि एवं शिक्षा अधिनियम 2018 के अनुपालन को लेकर विद्यालय प्रबंधन और अभिभावक प्रतिनिधियों के बीच आयोजित महत्वपूर्ण बैठक में कई अहम निर्णय लिए गए। यह बैठक 02 मई को विद्यालय परिसर में हुई, जिसमें विस्तृत चर्चा के बाद दोनों पक्षों के बीच सहमति बनी।

बैठक में तय किया गया कि कक्षा 10 से 11 में प्रवेश लेने वाले उन छात्रों के लिए, जो पहले से ही विद्यालय में अध्ययनरत हैं, 11,000 प्रवेश शुल्क एवं 2000 सुरक्षा शुल्क को समाप्त कर दिया गया है। आगामी सत्र में फीस वृद्धि को पिछले सत्र की फीस पर 7.5 प्रतिशत वृद्धि के साथ 120 अतिरिक्त (एसी चार्ज) के आधार पर लागू किया जाएगा।

विद्यालय प्रबंधन ने कक्षा 1 के छात्रों को राहत देते हुए मासिक फीस 3,320 निर्धारित करने का निर्णय लिया है। साथ ही भविष्य में फीस स्लिप को सरल बनाते हुए केवल तीन प्रमुख शुल्क मद (हेड्स) ही दर्शाए जाएंगे, जिससे अभिभावकों को स्पष्ट जानकारी मिल सके।

बैठक में यह भी निर्णय लिया गया कि भविष्य में किसी भी प्रकार की फीस वृद्धि से कम से कम 60 दिन पूर्व अभिभावकों को विद्यालय की वेबसाइट एवं अन्य माध्यमों से सूचना दी जाएगी।

इसके अतिरिक्त विद्यालय में शीघ्र ही पैरेंट्स-टीचर एसोसिएशन का गठन किया जाएगा तथा अभिभावकों के लिए वेटिंग एरिया एवं आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। पाठ्य पुस्तकों के मामले में एनसीईआरटी पुस्तकों को प्राथमिकता देने का फैसला लिया गया है। यदि किसी कारणवश निजी प्रकाशकों की पुस्तकें उपयोग में लाई जाती हैं, तो उन्हें कम से कम तीन वर्षों तक नहीं बदला जाएगा।

बैठक में लिए गए सभी निर्णय अप्रैल 2026 से प्रभावी होंगे। इस अवसर पर विद्यालय के प्रधानाचार्य डॉ. बी. के. राणा, उप-प्रधानाचार्य डॉ. गुरमीत गुप्ता सहित अन्य पदाधिकारी उपस्थित रहे। वहीं अभिभावक संघ की ओर से अध्यक्ष योगेंद्र बलाहरा, सचिव विकास नेहरा सहित कई सदस्य मौजूद रहे।

विकास गोयल को हिंदू परिषद व देवेंद्र कुमार सेन को बजरंग दल का बनाया गया तहसील अध्यक्ष

अनिल वशिष्ठ

मोदीनगर(वेलकम इंडिया)। अंतरराष्ट्रीय हिंदू परिषद की एक बैठक विकास कुमार गोयल के आवास पर रखी गयी। जिसमें प्रदेश महामंत्री एडवोकेट गौरव राघव अंतरराष्ट्रीय हिंदू परिषद का मार्गदर्शन प्राप्त हुआ। बैठक में संगठन विस्तार हेतु चर्चा की गई।विकास कुमार गोयल को मोदीनगर तहसील अध्यक्ष अंतरराष्ट्रीय हिंदू परिषद और देवेंद्र कुमार सैन को तहसील अध्यक्ष मोदीनगर राष्ट्रीय बजरंग दल बनाया गया। गौरव राघव ने कहा कि देश के अंदर देश विरोधी ताकते लगातार बढ़ रही है। आज देश में हिंदू बहनों को षड़यंत्र के जाल में फसाने का कार्य लव जिहाद के नाम पर चल रहा है। हिंदू संस्कृति, हिंदू मान बिंदुओं पर लगातार कुठाराघात हो रहा है। हिंदू अपने देश में सुरक्षित नहीं रह गया है। अंतरराष्ट्रीय हिंदू परिषद डॉ प्रवीण भाई तोगड़िया के नेतृत्व में भारत के प्रत्येक जिले में हिंदू सुरक्षा कवच के रूप में खड़ा है। बैठक में उपस्थित कार्यकताओं ने हिंदुत्व के लिए हमेशा तत्पर रहने और बहन बेटियों को लव जिहाद से बचाने और किसी भी हिंदू पर कोई भी आपत्ति आ जाए उसके लिए हमेशा खड़े रहने का संकल्प लिया गया। देश में एक लाख हनुमान चालीसा का संकल्प लेकर योद्धाओं का प्रशिक्षण का कार्य चल रहा है। सुरक्षित हिंदू समृद्ध हिंदू ,डॉ प्रवीण भाई तोगड़िया जी के नेतृत्व में हम अपनी कार्य को आगे बढ़ते रहेंगे। इस अवसर पर देवेंद्र कुमार सैन , सनी सैनी दीपू सैन, आनंद सैन आदि उपस्थित रहे।।

ग्रेटर नोएडा में युवक से लूट और जानलेवा हमला, एक आरोपी गिरफ्तार, पांच फरार

वेलकम इंडिया संवाददाता

नोएडा। दनकौर कोतवाली क्षेत्र में एक युवक से लूटपाट और जानलेवा हमले के मामले में पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए एक आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है, जबकि वारदात में शामिल अन्य पांच आरोपी अभी फरार हैं। गिरफ्तार आरोपी को पुलिस ने रविवार को न्यायालय में पेश कर जेल भेज दिया। पीड़ित मनीष तिवारी, निवासी ऊंची दनकौर ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि 30 अप्रैल की रात वह किसी कार्य से कस्बे की ओर गए थे। इसी दौरान बाईपास रोड पर पहले से घात लगाए बैठे सरताज, कालू सहित करीब छह लोगों ने उन्हें रोक लिया और गाली-गलौज शुरू कर दी। विरोध करने पर आरोपियों ने लाठी-डंडों से बेरहमी से हमला कर दिया, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गए। आरोप है कि हमलावरों ने मारपीट के दौरान पीड़ित की जेब से 2500 रुपये, सोने की चेन और मोबाइल फोन भी लूट लिया। शोर सुनकर आसपास के लोग मौके की ओर दौड़े, जिस पर आरोपी जान से मारने की धमकी देते हुए फरार हो गए। घटना के बाद परिजन मौके पर पहुंचे और घायल मनीष को तत्काल अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां डॉक्टरों ने उनकी हालत गंभीर बताई है। पीड़ित की शिकायत पर पुलिस ने नामजद आरोपियों के खिलाफ लूट, मारपीट और जानलेवा हमले की धाराओं में मुकदमा दर्ज किया है। कोतवाली प्रभारी मुनेंद्र सिंह ने बताया कि मुख्य आरोपी सरताज को गिरफ्तार कर लिया गया है, जबकि अन्य फरार आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस की कई टीमें दबिश दे रही हैं।

ब्राह्मण महासभा ने संगठन का किया विस्तार

अनिल वशिष्ठ

मोदीनगर(वेलकम इंडिया)। अखिल भारतवर्षीय ब्राह्मण महासभा ने संगठन का विस्तार करते हुए गजरौला व अमरोहा के पदाधिकारी की घोषणा की। अखिल भारतवर्षीय से ब्राह्मण महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष बी डी शर्मा, राष्ट्रीय महामंत्री शिव मोहन भारद्वाज,राष्ट्रीय प्रवक्ता शिव कुमार शर्मा, राष्ट्रीय कार्यालय सचिव मनीष कुमार शर्मा,उत्तर प्रदेश के अध्यक्ष त्रिभुवन शर्मा द्वारा आज गजरौला में अमरोहा का जिला अध्यक्ष मनोनीत किया गया। गजरौला निवासी डा.राजीव शर्मा को अमरोहा का जिला अध्यक्ष मनोनीत किया गया है। डॉ राजीव शर्मा ने 51 लोगों को अपने साथ शपथ ग्रहण कराई। प्रदेश अध्यक्ष त्रिभुवन शर्मा ने सभी को गोपनीयता की शपथ दिलाई अवसर पर इस अवसर पर अनेक व्यक्तियों ने भाग लिया।

'ऑपरेशन प्रहार' में ट्रोनिका सिटी पुलिस की बड़ी कार्रवाई: 2.5 किलो गांजे के साथ दो आरोपी गिरफ्तार

वेलकम इंडिया संवाददाता

गाजियाबाद। कमिश्नरेट गाजियाबाद पुलिस द्वारा अपराध और अवैध गतिविधियों पर अंकुश लगाने के लिए चलाए जा रहे 'ऑपरेशन प्रहार' के तहत थाना ट्रोनिका सिटी पुलिस को बड़ी सफलता हाथ लगी है। पुलिस टीम ने चेकिंग अभियान के दौरान दो अभियुक्तों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से 2 किलो 500 ग्राम अवैध गांजा बरामद किया है। पुलिस के अनुसार, गिरफ्तार अभियुक्तों की पहचान जाविद पुत्र हनीफ निवासी इकराम नगर, थाना लोनी (मूल निवासी कस्बा थाना भवन, जिला शामली) तथा फुरकान पुत्र जमशेद निवासी गिरजाघर, दौलतनगर, थाना ट्रोनिका सिटी के रूप में हुई है। दोनों आरोपियों को थाना क्षेत्र ट्रोनिका सिटी से संदिग्ध गतिविधियों के दौरान पकड़ा गया। तलाशी के दौरान पुलिस ने उनके पास से भारी मात्रा में अवैध गांजा बरामद किया। इसके बाद दोनों के खिलाफ थाना ट्रोनिका सिटी में धारा 8/20 एनडीपीएस एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि गिरफ्तार अभियुक्तों से पूछताछ की जा रही है, ताकि मादक पदार्थों की सप्लाई चेन से जुड़े अन्य लोगों के बारे में जानकारी मिल सके। फिलहाल मामले में अग्रिम वैधानिक कार्रवाई जारी है। कमिश्नरेट पुलिस का कहना है कि 'ऑपरेशन प्रहार' के तहत आगे भी ऐसे अभियान जारी रहेंगे, जिससे क्षेत्र में अपराध और नशे के कारोबार पर प्रभावी रोक लगाई जा सके।

डंपिंग ग्राउंड के खिलाफ किसान उबाल पर: आठ गांवों की एकजुटता, सोमवार से काम ठप कराने की चेतावनी

वेलकम इंडिया संवाददाता

ग्रेटर नोएडा। अस्तौली गांव में प्रस्तावित डंपिंग ग्राउंड के विरोध में किसानों का आंदोलन लगातार तेज होता जा रहा है। करीब आठ गांवों के किसान लामबंद होकर बीते 12 अप्रैल से धरने पर बैठे हैं। अब आंदोलन ने निर्णायक रूप लेने की तैयारी कर ली है। किसानों ने ऐलान किया है कि यदि सोमवार तक उनकी मांगों पर कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई तो वे मौके पर पहुंचकर कार्य को पूरी तरह रुकवा देंगे।

आंदोलनकारी किसानों का आरोप है कि Greater Noida Development Authority ने बार-बार आश्वासन के बावजूद उनकी समस्याओं का समाधान नहीं किया।

किसानों ने 3 मई तक का अल्टीमेटम दिया था, लेकिन समय सीमा समाप्त होने के बाद भी कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया, जिससे ग्रामीणों में आक्रोश बढ़ गया है। किसानों का कहना है कि डंपिंग ग्राउंड बनने से आसपास के गांवों में गंभीर पर्यावरणीय संकट उत्पन्न होगा।

इससे न केवल प्रदूषण बढ़ेगा बल्कि भूजल स्तर पर भी प्रतिकूल असर पड़ेगा। ग्रामीणों ने आशंका जताई है कि इसका सीधा असर लोगों के स्वास्थ्य और भविष्य की पीढ़ियों पर पड़ेगा। रविवार को धरना स्थल पर हुई पंचायत में सोमवार की रणनीति तय की गई। इसमें निर्णय लिया गया कि यदि प्रशासन ने कार्य नहीं रोका तो किसान सामूहिक रूप से मौके पर पहुंचकर निर्माण कार्य को बाधित करेंगे। साथ ही आंदोलन को शांतिपूर्ण लेकिन और अधिक व्यापक करने पर सहमति बनी।

धरने पर मौजूद किसान सूरज भाटी ने चेतावनी दी कि यदि प्रशासन ने मांगों को नजरअंदाज किया तो आंदोलन को और तेज किया जाएगा।

ग्रामीणों ने स्पष्ट किया कि यह संघर्ष केवल एक गांव का नहीं बल्कि पूरे क्षेत्र के पर्यावरण, स्वास्थ्य और भविष्य से जुड़ा मुद्दा है। सोमवार को धरना स्थल पर बड़ी संख्या में किसानों के जुटने की संभावना जताई जा रही है, जिससे स्थिति और अधिक गंभीर हो सकती है।

सेवा, संस्कार और मातृशक्ति का अनुपम संगम : मोदीनगर में भाजपा नेत्री अलका चौधरी ने मनाया माता प्रेम वती जी का 60वां जन्मोत्सव

उज्जवल रस्तौगी

गाजियाबाद(वेलकम इंडिया)। मोदीनगर की धरती पर शनिवार को सेवा, संस्कार और सामाजिक समरसता का अनुपम दृश्य देखने को मिला। अवसर था भाजपा नेत्री एवं भोजपुर मंडल, मोदीनगर की मंडल अध्यक्ष अलका चौधरी द्वारा अपनी पूज्य माता जी प्रेम वती के 60वें जन्मदिन का।

मोदीनगर क्षेत्र में हर वर्ष आयोजित होने वाले इस जन्मोत्सव में इस बार श्रद्धा, स्नेह का अद्भुत समन्वय देखने को मिला।

कार्यक्रम की शुरूआत माता प्रेम वती के दीर्घायु, स्वस्थ एवं सुखमय जीवन की मंगलकामना के साथ की गई इस अवसर पर भाजपा की प्रदेश मंत्री रुचि गर्ग ने विशेष रूप से उपस्थित होकर माता प्रेम वती जी को आशीर्वाद दिया।

साथ ही नगर पालिका अध्यक्ष विनोद वेशाली ने भी कार्यक्रम में शिरकत कर माता प्रेम वती को शुभकामनाएं दीं और सामाजिक एकता के महत्व पर प्रकाश डाला। समारोह में कपिल, अक्षय, राजू, मोहित त्यागी, अनुज त्यागी, सुमित त्यागी, प्रदीप सैनी, अनुज शर्मा, मुकेश शर्मा, पप्पू चौधरी, विजय लक्ष्मी, पूजा, आरती, सीखा, शीतल, पूनम, रजनी, दीपा, संगीता, कविता, संतोष समेत मोदीनगर और आसपास के गांवों व कस्बों से सैकड़ों गणमान्य नागरिक, समाजसेवी, महिला कार्यकर्ता और युवा साथी उपस्थित रहे। समूचा आयोजन मातृशक्ति के सम्मान, पारिवारिक मूल्यों और सामाजिक एकता का संदेश देता नजर आया। क्षेत्रवासियों ने इसे 'संस्कार और सेवा' का जीवंत उदाहरण बताया।

हाईराइज इमारतों में अग्नि सुरक्षा का रिहर्सल: मॉक ड्रिल से लोगों को किया जागरूक

वेलकम इंडिया संवाददाता

गाजियाबाद। कमिश्नरेट गाजियाबाद में 01 मई 2026 से चल रहे एक सप्ताह के विशेष अग्नि सुरक्षा जागरूकता अभियान के तहत रविवार को जिले के विभिन्न हाईराइज भवनों और महत्वपूर्ण परिसरों में व्यापक स्तर पर मॉक ड्रिल आयोजित की गई। इस दौरान अग्निशमन विभाग की टीमों ने मौके पर पहुंचकर लोगों को आग लगने की स्थिति में बचाव के तरीकों की जानकारी दी और त्वरित प्रतिक्रिया का अभ्यास कराया।

मुख्य अग्निशमन अधिकारी और संबंधित अधिकारियों की देखरेख में इंदिरापुरम, मोदीनगर, राजनगर एक्सटेंशन और लोनी क्षेत्रों की कई प्रमुख सोसाइटियों व प्रतिष्ठानों में मॉक ड्रिल कराई गई। इनमें कृष्णा अपरा गार्डन, कृष्णा अपरा सफायर, रेगलिया हाइट्स, शिप्रा सनसिटी, अपेक्स सोसायटी, अनुकंपा ग्रीन, एंजेल जुपीटर, विशाल मेगा मार्ट, लोकप्रिय हॉस्पिटल, फॉर्चून सोसायटी, यूनिनव हाइट्स, भारत सिटी फेस-1 और ट्रोनिका सिटी स्थित एलन कोर्ट समेत कई स्थान शामिल रहे।

ड्रिल के दौरान फायर टेंडर्स के साथ टीमों ने भवनों के निकास मार्गों का निरीक्षण किया और अग्निशमन उपकरणों की कार्यक्षमता जांची। साथ ही वहां मौजूद लोगों को फायर एक्सटिंग्विशर के उपयोग और आपात स्थिति में सुरक्षित बाहर निकलने के तरीकों का प्रशिक्षण दिया गया।

निरीक्षण के दौरान जिन भवनों में अग्नि सुरक्षा से जुड़ी खामियां पाई गईं, उन्हें सुधार के लिए नोटिस जारी किए जा रहे हैं। साथ ही भवन स्वामियों को विद्युत सुरक्षा ऑडिट कराने और सभी अग्निशमन प्रणालियों को ऑटो मोड में सक्रिय रखने के निर्देश दिए गए हैं। कमिश्नरेट गाजियाबाद ने इसे जनसुरक्षा के प्रति अपनी प्रतिबद्धता बताते हुए आम नागरिकों से अपील की है कि वे अग्नि सुरक्षा नियमों का पालन करें, ताकि किसी भी आपात स्थिति में जान-माल के नुकसान को रोका जा सके।

सड़कें होंगी साफ, ट्रैफिक होगा आसान: 'दो गज पीछे' अभियान तेज

वेलकम इंडिया संवाददाता

गाजियाबाद। कमिश्नरेट गाजियाबाद पुलिस ने अतिक्रमण पर लगाम कसने के लिए 'दो गज पीछे' अभियान को तेज कर दिया है। पुलिस आयुक्त के निर्देशन में चल रहे इस अभियान के तहत सभी थाना क्षेत्रों में पुलिस टीमों ने बाजारों, गलियों और मुख्य मार्गों पर पहुंचकर दुकानदारों और अतिक्रमण करने वालों को जागरूक किया। अभियान के दौरान पुलिस ने स्पष्ट किया कि सड़क और फुटपाथ पर किया गया अतिक्रमण यातायात में बाधा उत्पन्न करता है और आम लोगों के लिए परेशानी का कारण बनता है। दुकानदारों को सख्त हिदायत दी गई कि वे अपनी दुकानों को निर्धारित सीमा के भीतर ही संचालित करें और बाहर सामान न रखें। पुलिस ने चेतावनी दी है कि निर्देशों का पालन न करने पर संबंधित व्यक्तियों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी। अभियान का उद्देश्य शहर को स्वच्छ, सुरक्षित और व्यवस्थित बनाना है, जिससे यातायात सुचारू रूप से संचालित हो सके।

ऑपरेशन प्रहार में पुलिस की बड़ी कार्रवाई: अवैध तमंचे के साथ युवक गिरफ्तार

वेलकम इंडिया संवाददाता

गाजियाबाद। जनपद में अपराध नियंत्रण के लिए चलाए जा रहे 'ऑपरेशन प्रहार' के तहत थाना निवाड़ी पुलिस को एक अहम सफलता मिली है।

चेकिंग अभियान के दौरान पुलिस ने एक युवक को अवैध शस्त्र के साथ गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार, दिनांक 03 मई 2026 को थाना निवाड़ी पुलिस टीम क्षेत्र में सघन चेकिंग कर रही थी। इसी दौरान मुखबिर से मिली सूचना के आधार पर सारा रोड स्थित श्मशान के पास से उज्ज्वल त्यागी पुत्र मनोज त्यागी, निवासी ग्राम सारा, थाना निवाड़ी को गिरफ्तार किया गया। तलाशी के दौरान उसके कब्जे से एक अवैध देशी तमंचा (मसकट) 12 बोर बरामद हुआ।

इस बरामदगी के आधार पर थाना निवाड़ी में अभियुक्त के खिलाफ धारा 3/25 आर्म्स एक्ट के तहत मामला दर्ज कर लिया गया है। पुलिस द्वारा आगे की वैधानिक कार्रवाई जारी है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि क्षेत्र में कानून व्यवस्था बनाए रखने और अवैध गतिविधियों पर अंकुश लगाने के लिए ऐसे अभियान लगातार जारी रहेंगे।

सार्वजनिक स्थानों पर शराब पीने वालों पर पुलिस का शिकंजा, 317 लोगों के चालान

कपिल चौहान

गाजियाबाद (वेलकम इंडिया)। कमिश्नरेट गाजियाबाद पुलिस द्वारा सार्वजनिक स्थानों पर शराब सेवन करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करते हुए शनिवार शाम एक विशेष सघन चेकिंग अभियान चलाया गया। पुलिस आयुक्त के निर्देश पर ग्रामीण जोन के सभी थाना क्षेत्रों में शाम 6 बजे से रात 10 बजे तक शराब ठेकों, सड़कों और अन्य सार्वजनिक स्थलों पर अभियान चलाकर नियमों का उल्लंघन करने वालों पर कार्रवाई की गई। अभियान के दौरान पुलिस टीमों ने कुल 58 स्थानों पर चेकिंग करते हुए 918 व्यक्तियों की जांच की। इनमें से कई लोग खुलेआम सड़क किनारे शराब का सेवन करते पाए गए, जिससे राहगीरों और स्थानीय लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा था। पुलिस ने ऐसे 317 लोगों के खिलाफ धारा 34 पुलिस एक्ट के तहत चालान की कार्रवाई की। इस दौरान 27 व्यक्तियों को हिरासत में भी लिया गया, जबकि अन्य के खिलाफ कानूनी कार्यवाही अमल में लाई गई। अभियान में ग्रामीण जोन के सभी सहायक पुलिस आयुक्त, थाना प्रभारी एवं चौकी प्रभारियों ने सक्रिय रूप से भाग लिया और विभिन्न क्षेत्रों में सख्ती के साथ चेकिंग की। थानावार कार्रवाई की बात करें तो ट्रोनिका सिटी, मुरादनगर और मसूरी थाना क्षेत्रों में सबसे अधिक कार्रवाई देखने को मिली। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि सार्वजनिक स्थानों पर शराब पीने वालों के खिलाफ आगे भी इस तरह के अभियान लगातार जारी रहेंगे, ताकि आमजन को सुरक्षित और सुगम वातावरण मिल सके। पुलिस प्रशासन ने नागरिकों से अपील की है कि वे सार्वजनिक स्थानों पर शराब का सेवन न करें और कानून व्यवस्था बनाए रखने में सहयोग करें।

संगठन सुदृढ़ीकरण और जनसंपर्क अभियान पर कांग्रेस की मासिक बैठक में मंथन, 4 मई को किसान-नौजवान यात्रा के भव्य स्वागत की तैयारी

वेलकम इंडिया संवाददाता

गाजियाबाद। जिला कांग्रेस कमेटी कार्यालय, सेंट्रल मार्केट (पुराना बस अड्डा) में आयोजित मासिक बैठक में संगठनात्मक मजबूती, जनसमस्याओं के समाधान एवं आगामी राजनीतिक कार्यक्रमों पर विस्तृत चर्चा की गई। बैठक की अध्यक्षता जिला अध्यक्ष सतीश शर्मा ने की, जबकि संचालन कोषाध्यक्ष अश्वनी त्यागी ने किया। बैठक में मुख्य रूप से मोदीनगर से प्रदीप कसल (पूर्व उपाध्यक्ष, उत्तर प्रदेश), पंकज तेजानियां (पूर्व पार्षद), सुनील चौधरी सहित अनेक वरिष्ठ पदाधिकारी उपस्थित रहे।

बैठक का प्रमुख एजेंडा संगठन की मासिक समीक्षा, जनसमस्याओं के त्वरित निस्तारण तथा 4 मई 2026 को बागपत से प्रारंभ होने वाली यूथ कांग्रेस की 'किसान-नौजवान यात्रा' के गाजियाबाद आगमन एवं स्वागत की तैयारियों पर केंद्रित रहा। यह यात्रा शाम लगभग 4 बजे नवयुग मार्केट स्थित अंबेडकर पार्क पहुंचेगी, जहां कार्यकर्ताओं द्वारा भव्य स्वागत किया जाएगा। बैठक में जनहित से जुड़े मुद्दों पर चर्चा करते हुए कहा गया कि शासन-प्रशासन द्वारा दी जा रही जनसुविधाओं का लाभ आम जनता तक प्रभावी रूप से पहुंचे, इसके लिए कार्यकर्ताओं को सक्रिय भूमिका निभानी होगी।

साथ ही जिले के विभिन्न क्षेत्रों में नागरिकों को हो रही समस्याओं के त्वरित समाधान का आ'वान किया गया।

संगठनात्मक विस्तार के अंतर्गत सभी विधानसभा एवं ब्लॉक कमेटियों के गठन की प्रक्रिया पूर्ण होने की जानकारी दी गई। जिला अध्यक्ष सतीश शर्मा ने घोषणा की कि ब्लॉक स्तर पर साप्ताहिक बैठकें आयोजित की जाएंगी, जिनमें वे स्वयं उपस्थित रहेंगे, जिससे कार्यकर्ताओं का मनोबल बढ़े और संगठन की पकड़ मजबूत हो सके।

बैठक में महिला जिला अध्यक्ष डोली त्यागी, जिला मीडिया प्रभारी आशुतोष गुप्ता, एससी/एसटी जिला अध्यक्ष अरविंद गौतम, विधि प्रकोष्ठ अध्यक्ष मनोज राय सहित बड़ी संख्या में पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे। अंत में सभी ने एक स्वर में 2027 विधानसभा चुनाव में गाजियाबाद में कांग्रेस को मजबूत करते हुए विपक्ष को चुनौती देने का संकल्प लिया। 'जय कांग्रेस, विजय कांग्रेस' के नारों के साथ बैठक संपन्न हुई।

नशीली दवाओं के सहारे साजिश! पति पर करोड़ों की संपत्ति हड़पने का आरोप, पत्नी ने मांगा न्याय

कपिल चौहान

गाजियाबाद (वेलकम इंडिया)। शहर के नंदग्राम क्षेत्र से एक सनसनीखेज मामला सामने आया है, जहां एक विवाहित महिला ने अपने ही पति, सास और देवर पर मिलीभगत कर करोड़ों की संपत्ति हड़पने, मानसिक उत्पीड़न और धोखाधड़ी जैसे गंभीर आरोप लगाए हैं। पीड़िता का कहना है कि उसने अपनी मेहनत से पति का व्यापार खड़ा किया और घर बसाया, लेकिन बदले में उसे साजिश का शिकार बना दिया गया। महिला के अनुसार वर्ष 2014 में बुलंदशहर निवासी आजाद के साथ उसका विवाह हुआ था। शादी के बाद दोनों ने मिलकर चिरंजीव विहार क्षेत्र में मकान नंबर-241 खरीदा और पारिवारिक जीवन की शुरूआत की। पीड़िता का आरोप है कि समय के साथ पति के अवैध संबंध सामने आए, जिसका विरोध करने पर उसे लगातार मानसिक रूप से प्रताड़ित किया जाने लगा। महिला ने गंभीर आरोप लगाते हुए बताया कि उसकी बीमारी और डिप्रेशन का फायदा उठाकर उसे नशीली दवाएं दी गईं, जिससे उसका मानसिक संतुलन बिगड़ गया। इसी दौरान आरोपियों ने साजिश के तहत उससे जबरन दस्तखत और अंगूठे के निशान लिए तथा कुछ दस्तावेजों पर फर्जी हस्ताक्षर कर उसकी करोड़ों की संपत्ति अपने नाम करा ली। पीड़िता का यह भी कहना है कि उसका स्त्रीधन, जिसमें कीमती गहने शामिल हैं, हड़प लिया गया और बैंक खातों से जमा पूंजी भी निकाल ली गई। बाद में उसे धोखे से उसके मायके भेज दिया गया और अब पति ने तलाक का मुकदमा भी दायर कर दिया है, ताकि वह अपनी महिला मित्र के साथ रह सके। जब महिला ने अपने दस्तावेजों की जांच की, तब उसे पूरे षड्यंत्र का पता चला। इसके बाद उसने थाना नंदग्राम प्रभारी को लिखित शिकायत देकर सभी साक्ष्य सौंप दिए हैं। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है, हालांकि अभी तक आरोपी पक्ष की ओर से कोई प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है। पीड़िता ने प्रशासन और समाज से न्याय की गुहार लगाते हुए कहा कि उसकी मेहनत की कमाई, संपत्ति और स्त्रीधन उसे वापस दिलाया जाए तथा दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए। 'मैंने दिन-रात मेहनत कर परिवार को संभाला, लेकिन बदले में मुझे धोखा मिला। अब मुझे सिर्फ न्याय चाहिए,' पीड़िता ने भावुक होते हुए कहा।

मजबूत बूथ, मजबूत संगठन: भाजपा प्रदेश महामंत्री धर्मपाल सिंह ने गाजियाबाद व अलीगढ़ में बैठकों में संगठन सुदृढ़ीकरण पर दिए निर्देश

वेलकम इंडिया संवाददाता

गाजियाबाद। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश महामंत्री (संगठन) धर्मपाल सिंह ने रविवार को गाजियाबाद में पश्चिम क्षेत्र तथा अलीगढ़ में ब्रज क्षेत्र की संगठनात्मक बैठकों को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने बूथ सशक्तिकरण, कार्यकर्ता सक्रियता एवं जनसंपर्क को और प्रभावी बनाने पर विस्तृत दिशा-निर्देश दिए। बैठकों में जिला अध्यक्षों, जिला प्रभारियों एवं मंडल प्रवासियों के साथ संगठन को बूथ स्तर तक सशक्त बनाने पर गहन मंथन किया गया।

धर्मपाल सिंह ने कहा कि भाजपा की सबसे बड़ी शक्ति उसका मजबूत संगठनात्मक ढांचा है, जिसकी नींव सशक्त बूथ इकाई पर आधारित है। उन्होंने कहा कि 'मजबूत बूथ ही मजबूत संगठन और चुनावी सफलता का आधार है।' उन्होंने कहा कि प्रत्येक कार्यकर्ता पार्टी की रीढ़ है और उनकी सक्रियता से ही सरकार की जनकल्याणकारी योजनाएं तथा पार्टी की विचारधारा समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचती हैं। उन्होंने निर्देश दिए कि सभी पदाधिकारी अपने-अपने क्षेत्रों में जाकर बूथ समितियों का भौतिक सत्यापन सुनिश्चित करें तथा जहां समितियां अधूरी हैं, उन्हें प्राथमिकता के आधार पर शीघ्र पूर्ण किया जाए। प्रत्येक बूथ पर सक्रिय टीम का गठन एवं उसका नियमित संचालन सुनिश्चित किया जाए। धर्मपाल सिंह ने कहा कि संगठन की सफलता का मूल मंत्र अनुशासन, निरंतरता और सक्रियता है। उन्होंने मंडल प्रवासियों से नियमित क्षेत्रीय दौरे कर बूथ स्तर तक सतत संपर्क बनाए रखने का आ'ान किया। उन्होंने लाभार्थी संपर्क अभियान को और गति देने पर बल देते हुए कहा कि केंद्र एवं राज्य सरकार की योजनाओं से लाभान्वित लोगों के साथ निरंतर संवाद स्थापित किया जाना चाहिए। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के रेडियो कार्यक्रम 'मन की बात' को प्रत्येक बूथ पर सामूहिक रूप से सुनने की व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए। संगठनात्मक मजबूती में प्रशिक्षण वर्गों की भूमिका को महत्वपूर्ण बताते हुए उन्होंने आगामी प्रशिक्षण कार्यक्रमों को सुव्यवस्थित एवं परिणामोन्मुख बनाने पर बल दिया। अंत में उन्होंने सभी कार्यकर्ताओं से पूर्ण समर्पण, अनुशासन और निष्ठा के साथ बूथ सशक्तिकरण अभियान को सफल बनाने का आह्वान किया। इस अवसर पर पश्चिम उत्तर प्रदेश के क्षेत्रीय अध्यक्ष सत्येंद्र सिसोदिया, प्रदेश मंत्री बसंत त्यागी, अमित वाल्मीकि एवं सतपाल सैनी उपस्थित रहे। गाजियाबाद महानगर अध्यक्ष मयंक गोयल ने सभी अतिथियों एवं कार्यकर्ताओं का स्वागत एवं आभार व्यक्त किया।

'दो गज पीछे' अभियान के तहत थाना सिहानी गेट पुलिस की सख्ती

अतिक्रमण हटाने को लेकर चलाया जागरूकता अभियान

वेलकम इंडिया संवाददाता

गाजियाबाद। पुलिस आयुक्त के निर्देशन में कमिश्नरेट गाजियाबाद पुलिस द्वारा अतिक्रमण पर प्रभावी नियंत्रण एवं यातायात व्यवस्था को सुचारू बनाए रखने के उद्देश्य से चलाए जा रहे 'दो गज पीछे' अभियान के अंतर्गत थाना सिहानी गेट पुलिस टीम द्वारा व्यापक अभियान चलाया गया।

अभियान के दौरान पुलिस टीमों ने क्षेत्र के विभिन्न बाजारों, गलियों एवं मुख्य मार्गों पर पहुंचकर दुकानदारों एवं अतिक्रमण करने वाले व्यक्तियों को जागरूक किया। उन्हें स्पष्ट रूप से समझाया गया कि सार्वजनिक स्थानों पर अतिक्रमण करने से यातायात बाधित होता है तथा आमजन को भारी असुविधा का सामना करना पड़ता है।

पुलिस टीम ने दुकानदारों को निर्देशित किया कि वे अपनी दुकानें निर्धारित सीमा के भीतर ही संचालित करें तथा फुटपाथ एवं सड़क पर किसी भी प्रकार का सामान न रखें। साथ ही यह भी स्पष्ट किया गया कि भविष्य में अतिक्रमण पाए जाने पर संबंधित के विरुद्ध नियमानुसार कानूनी कार्रवाई की जाएगी। पुलिस अधिकारियों ने कहा कि इस अभियान का मुख्य उद्देश्य शहर को स्वच्छ, सुगम, सुरक्षित एवं व्यवस्थित बनाना है, जिससे आम नागरिकों को बेहतर यातायात सुविधा उपलब्ध हो सके।